वार्षिक प्रतिवेदन

2006-2007

योऽनूचानः स नो महान्।

राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानम्

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

(मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार के तत्त्वावधान में संस्थापित)

वार्षिक प्रतिवेदन

2006-2007

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,

नई दिल्ली-110058

प्रकाशक:
कुल-सचिव,
राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान
(मानित विश्वविद्यालय)
56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
तार : संस्थान
ई मेल : rsks@nda.vsnl.net.in
वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

विषय-सूची

		पृष्ठ
1.	**पर्यवलोकन**	5-7
2.	**2006-2007 वर्ष के दौरान उपलब्धियाँ**	8
3.	**संरचना तथा गतिविधियां**	9-13
4.	**अनुभाग**	14-24
4.1	शैक्षणिक अनुभाग	14
4.2	शोध एवं प्रकाशन अनुभाग	14
4.3	पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग	15
4.4	परीक्षा अनुभाग	19
4.5	प्रशासन अनुभाग	21
4.6	वित्त अनुभाग	21
4.7	योजना अनुभाग	22
4.8	पुस्तकालय	24
5.	**परिसर**	25-42
5.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश)	26
5.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)	29
5.3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	30
5.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)	31
5.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	33
5.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	35
5.7	श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)	36
5.8	गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)	39
5.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	40
5.10	के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)	41
6.	**योजनाएँ**	43-51
6.1	संस्कृत-प्रोत्साहन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं और पाठशालाओं को वित्तीय सहायता	43
6.2	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा	45
6.3	शास्त्र चूड़ामणि योजना	46
6.4	व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना	47
6.5	संस्कृत शब्दकोश परियोजना	47
6.6	संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान प्रमाण-पत्र देने की योजना	47
6.7	संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना	48
6.8	ग्रन्थ क्रय योजना	49
6.9	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता की योजना	49

6.10	शोध तथा उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्ति प्रदान हेतु योजना	50
6.11	असहाय परिस्थितियों के प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान-राशि देने हेतु योजना	51
7.	**वर्ष की प्रमुख घटनाएँ**	**52-69**
7.1	संस्कृत सप्ताहोत्सव	52
7.2	श्री रणवीर परिसर, जम्मू के नये भवन का उद्घाटन	55
7.3	अतिरिक्त सचिव तथा संयुक्त सचिव (भाषाएँ), मानव संसाधन-विकास मंत्रालय का आगमन	56
7.4	भारतीय विश्वविद्यालय संघ के दल का आगमन	56
7.5	डा. टी.आर.केम, सचिव, यू.जी.सी. का आगमन	57
7.6	अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता	57
7.7	एडिनबर्ग में विश्व संस्कृत सम्मेलन	59
7.8	वसंतोत्सव	59
8.	**संलग्नक**	**70-132**
	क. प्रबन्धन-परिषद्-सदस्यों की सूची	70
	ख. वित्त-समिति-सदस्यों की सूची	72
	ग. संकाय सदस्यों का परिसरवार विवरण	73
	घ. विद्यावारिधि-उपाधि-प्राप्त शोध विद्वानों का विवरण	81
	ङ. सम्बद्ध संस्थाएँ	85
	च. परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें	93
	छ. परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	96
	ज. मुख्यालय में अनुभागवार कार्यरत स्टाफ संख्या	102
	झ. वार्षिक अनुदान स्वीकृत स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों की राज्य-वार संख्या का विवरण	104
	ञ. वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण	105
	ट. प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	108
	ठ. वार्षिक अनुदान प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का विवरण	110
	ड. परवर्ती वर्ष हेतु शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों के विचारित प्रस्तावों की राज्य-वार संख्या का विवरण	112
	ढ. वर्ष 2006-07 की परीक्षित लेखा तथा लेखा परीक्षा का वार्षिक लेखा	113

1. पर्यवलोकन

1.1 भूमिका एवं कार्य

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना अक्टूबर, 1970 में, सोसाइटीज पंजीकरण नियम, 1860 (1860 का अधिनियम XXI) के अन्तर्गत पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन के रूप में, पूरे देश में संस्कृत के विकास तथा प्रोन्नयन हेतु हुई, जो वर्तमान में एक मानित विश्वविद्यालय के रूप में कार्यरत है। अपनी संकल्पना से ही यह भारत-सरकार द्वारा पूर्णरूपेण निधि प्रदत्त है। यह संस्कृत के प्रसार तथा विकास हेतु शीर्ष निकाय के रूप में कार्यरत है तथा संस्कृत अध्ययन के विकास हेतु, विभिन्न योजनाओं तथा कार्यक्रमों के निर्माण तथा कार्यान्वयन में मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की सहायता करता है। संस्कृत भाषा के प्रतिरक्षण, प्रसार तथा विकास और इसके सभी पक्षों की शिक्षा हेतु, 1956 में भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय द्वारा स्थापित संस्कृत आयोग के विभिन्न संस्तुतियों के प्रभावी कार्यान्वयन हेतु इसने एक स्वायत्त निकाय भूमिका अपनाई है।

संस्थान के पारम्परिक संस्कृत शिक्षण के संवर्धन और सम्प्रसारण के क्षेत्र में उत्कृष्ट महत्त्वपूर्ण कार्यों, अप्रकाशित संस्कृत मूल-पाठों के श्रेष्ठ प्रकाशनों, 50,000 से भी अधिक दुर्लभ संस्कृत पाण्डुलिपियों के संरक्षण तथा प्रबन्धन को महत्त्व देते हुए भारत सरकार ने इसे 7 मई, 2002 से प्रभावी, मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया है, जो अधिसूचना संख्या एफ. 9-28/2000 यू 3 के अन्तर्गत है जिसे विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की अधिसूचना संख्या एफ 6-31/2001 (सी.पी.पी. -1), दिनांक 13 जून 2002 से अनुगत किया गया है।

प्रस्तुत प्रतिवेदन की अवधि में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के कुलपति-पद पर प्रो. वेम्पटि कुटुम्ब शास्त्री सुशोभित हैं तथा डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव के पद पर कार्यरत हैं।

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण, विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए संस्थान :

i. संस्कृत विद्या की सभी विधाओं में शोध का आरम्भ, अनुदान, प्रोत्साहन तथा संयोजन करना है, साथ-साथ शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि को भी संरक्षण देना है जिससे पाठमूलक प्रासंगिक विषयों के साथ आधुनिक शोध के निष्कर्ष का सम्बन्ध स्पष्ट किया जा सके तथा इनका प्रकाशन हो सके।

ii. देश के विविध भागों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना, अधिग्रहण तथा संचालन करना एवं समान उद्देश्यों वाली अन्य संस्थाओं को संस्थान से संबद्ध करना।

iii. केन्द्रीय प्रशासनिक निकाय के रूप में इसके द्वारा स्थापित अथवा अधिगृहीत समस्त केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों का प्रबंधन तथा उनकी शैक्षणिक गतिविधियों में अधिकाधिक प्रभावी सहयोग करना जिससे विशिष्ट क्षेत्रों में विद्यापीठों के बीच कर्मचारियों, छात्रों व शोध तथा राष्ट्रीय कार्य-विभाजन के अन्तर्बदल और स्थानान्तरण को सुसाध्य एवं तर्कसंगत बनाया जा सके।

iv. संस्कृत के संवर्धनार्थ भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण के रूप में उनकी नीतियों एवं योजनाओं को लागू करना।

v. उन शैक्षणिक शाखाओं में अनुदेश एवं प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना जिन्हें संस्थान उचित समझता हो।

vi. शोध एवं ज्ञान के प्रसार हेतु समुचित मार्गदर्शन एवं व्यवस्था करना।

vii. अतिरिक्त प्राचीर अध्ययन, विस्तरित कार्यक्रम तथा सम्बन्धित दूरस्थ क्रिया-कलापों का उत्तरदायित्व लेकर समाज के विकास को योगदान देना।

viii. इनके अतिरिक्त उन सभी उत्तरदायित्वों एवं कार्यों

का निष्पादन करना जो संस्थान के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक या वांछित हों।

1.2 कार्यक्रम तथा क्रियाकलाप

संस्थान अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।
- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डाक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का संचालन करना।
- स्नातक अर्थात् शिक्षा शास्त्री (बी.एड.) स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण का संचालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोध-कार्य का संचालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षाएँ उत्तीर्ण करने वाले व्यक्तियों को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/प्रमाण-पत्र देना।
- विज़िटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, वज़ीफे, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का संचालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.3 अध्यापन

संस्थान के अपने दस परिसरों में, संस्थान द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का संचालन किया जाता है तथा संस्थान से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण का प्रबन्ध किया जाता है।

विद्यालय स्तर पर संस्थान– अंग्रेजी, हिन्दी तथा अन्य आधुनिक विषय जैसे इतिहास, समाजशास्त्र, राजनीतिशास्त्र, गृहविज्ञान और गणित आदि के लिए सी. बी.एस.ई. के पाठ्यक्रमों का अनुसरण करता है। शास्त्री-स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी जैसे आधुनिक विषयों के लिए सामान्यतया दिल्ली विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रमों का अनुसरण किया जाता है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और संस्थान से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं। सभी परिसरों में संस्कृत शिक्षा की आधुनिक प्रणाली के छात्रों को परम्परागत प्रणाली में सम्मिलित होने की सुविधा देने हेतु प्राक्शास्त्री नामक + 2 स्तर का द्विवर्षीय मध्यवर्ती पाठ्यक्रम है।

1.4 शिक्षक-प्रशिक्षण :

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का संचालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.5 शोध :

गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, कुछ चयनित शाखाओं में मात्र शोध-गतिविधियों हेतु पूर्ण समर्पित है। हालांकि, सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पी-एच.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

1.6 आन्तरिक छात्रवृत्ति :

छात्रों को संस्कृत शिक्षण के साथ-साथ संस्कृत की विविध विधाओं में गहन अध्ययन हेतु आकर्षित तथा प्रोत्साहित करने की दृष्टि से संस्थान अपने परिसरों में सभी पाठ्यक्रमों तथा शोध के लिए योग्य छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है। प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति क्रम से 300 रुपये, 400 रुपये, 400 रुपये तथा 500 रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे विद्वानों को 1500 रुपये की छात्रवृत्ति दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 2000 रुपये वार्षिक निरंतरता अनुदान भी दिया जाता है। निम्नलिखित तालिका वर्ष 2006-07 में छात्रों को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है।

		कक्षा								
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III		I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	18
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	30	17	47	23	30	50	119	92	09
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मु	30	04	50	11	36	45	24	22	–
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचुर	30	18	32	15	24	50	24	34	01
5.	जयपुर परिसर जयपुर	30	27	60	60	60	30	62	58	–
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	18	10	34	11	19	49	59	23	–
7.	श्री राजीव गांधी परिसर श्रृंगेरी	23	18	31	25	29	50	28	17	–
8.	गरली परिसर गरली	50	32	47	42	60	–	42	42	–
9.	भोपाल परिसर भोपाल	17	06	11	15	06	50	17	04	–
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर मुम्बई	07	06	03	04	04	28	03	02	–
योग		**235**	**138**	**315**	**206**	**268**	**352**	**378**	**294**	**28**
						कुल योग – 2214				

1.7 प्रकाशन :

शोध पत्रिकाएँ –

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान 'संस्कृत विमर्श:' और 'गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद पत्रिका' नामक दो शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। जबकि पहली पत्रिका संस्थान के मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है, दूसरी गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएं भी प्रकाशित की जाती हैं।

संस्थान एवं परिसरों द्वारा उच्च स्तरीय प्रकाशनों का नियमित प्रकाशन हो रहा है।

1.8 दूरदर्शन प्रसारण :

दूरदर्शन के माध्यम से संस्कृत अध्ययन कार्यक्रम पहले ही आरम्भ किया जा चुका है और यह कार्यक्रम इग्नु के 'ज्ञान दर्शन' चैनल पर प्रतिदिन दिखाया जा रहा है। इस कार्यक्रम के 535 कथानक दिखाए जा चुके हैं। प्रसार भारती के डी.डी. भारती तथा डी.डी. इण्डिया भी इस कार्यक्रम को सप्ताह में तीन बार प्रसारित करते हैं। यह कार्यक्रम, लोगों को व्यापकता से अपनी ओर आकर्षित कर रहा है और संस्थान को प्रशंसा मिल रही है।

2. वर्ष 2006-2007 के दौरान उपलब्धियाँ

- 07 नये प्रकाशन प्रकाशित किए गये।
- 16 पुनर्मुद्रण संस्करण निकाले गये।
- 14948 छात्र संस्थान की परीक्षाओं में बैठे।
- 3614 छात्रों का संस्थान परिसरों में दाखिला हुआ।
- 3438 छात्रों को शोध व उच्चमाध्यमिकोत्तर योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- 61 छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की गई।
- संस्कृत ग्रन्थ क्रय योजना के अधीन 145 ग्रन्थों का थोक में क्रय हुआ।
- संस्कृत साहित्य प्रकाशन योजना के अन्तर्गत प्रकाशकों/विद्वानों ने 50 प्रकाशन प्रकाशित किए।
- स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत 767 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।
- 1482 शिक्षकों को, स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अन्तर्गत समेकित वेतन प्रदान किया गया।
- 8138 छात्रों को, स्वैच्छिक संस्कृत संस्था अनुदान योजना के अधीन छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गईं।
- 35,000 से भी अधिक छात्रों ने अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- शास्त्र शलाका परीक्षा का आयोजन, 'अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता' में एक विषय के रूप में किया गया।
- शैक्षणिक वर्ष 2006-07 में, मुंबई परिसर में बी.एड. कार्यक्रम का प्रारंभ किया गया। संस्थान के इस कार्यक्रम को मिलाकर आठ परिसरों में बी.एड. कार्यक्रम का संचालन होता है।

3. संरचना एवं क्रियाकलाप

मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान का प्रधान होता है। वर्तमान में, **माननीय श्री अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत-सरकार, संस्थान के कुलाध्यक्ष हैं।** कुलपति प्रधान कार्यपालक अधिकारी हैं। वे संस्थान के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन करते हैं तथा संस्थान के सभी प्राधिकारियों के निर्णयों को लागू करते हैं। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री कुलपति के पद पर कार्यरत हैं। कुलाध्यक्ष के अतिरिक्त संस्थान के निम्नलिखित स्वीकृत प्राधिकारी हैं:

1. **प्रबन्धन परिषद्**–संस्थान में प्रबन्धन प्रमुख अंग है। नीति-निर्णयों तथा निर्णयों के कार्यन्वयन प्रतिपादन हेतु अधिकार-सम्पन्न है।
2. **विद्वत् परिषद्**-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों के अनुरक्षण हेतु उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
3. **योजना तथा परिवीक्षण परिषद्**-विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।
4. **वित्त समिति**-प्रबन्धन परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
5. **परामर्शक समिति**–शैक्षिक योजना तथा वृद्धि में सहायता करने का कार्य सुपुर्द। यह यू.जी.सी. के नामिती की अध्यक्षता के अधीन कार्य करती है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, संस्थान में अन्य निकाय भी संघटित हैं, जो अपने-अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं, यथा–सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा मण्डल।

वर्ष 2006-07 में संस्थान के प्राधिकारियों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों की संख्या दर्शाने वाली तालिका नीचे दी जा रही है:

बोर्ड/परिषद्/समिति	बैठकों की संख्या
प्रबन्धन बोर्ड	4 (चार)
वित्त समिति	3 (तीन)
शैक्षिक परिषद्	–
सहायता अनुदान समिति	1 (एक)
परीक्षा मण्डल	–
शोध मण्डल	–
छात्रवृत्ति चयन समिति	1 (एक)
योजना तथा पर्यवीक्षण मण्डल	–
परामर्शदात्री समिति	–

प्रबन्धन-बोर्ड तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः संलग्नक 'क' व 'ख' में दिया गया है। अपने समृद्ध पुस्तकालय के अतिरिक्त राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान निम्नलिखित सात अनुभागों के माध्यम से कार्य करता है–

1. शैक्षणिक अनुभाग
2. शोध एवं प्रकाशन अनुभाग
3. पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग
4. परीक्षा अनुभाग
5. प्रशासन अनुभाग
6. वित्त अनुभाग
7. योजना अनुभाग

3.1 शैक्षणिक अनुभाग

यह एकक शैक्षिक कार्यों के निष्पादन हेतु मानक-निर्धारण, शैक्षिक-कार्यक्रमों के कैलेंडर निर्माण तथा विविध पाठ्यक्रमों हेतु पाठ्यचर्या की रूपरेखा तैयार करने के लिए प्रमुखतया उत्तरदायी है।

3.2 शोध तथा प्रकाशन अनुभाग

यह एकक संस्थान के विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन तथा अंगीभूत परिसरों के शोध तथा प्रकाशन गतिविधियों के समन्वयन, शोध तथा प्रकाशन कार्यक्रमों और संस्थान के परियोजनाओं के समन्वय से सम्बद्ध है। यह संस्कृत साहित्य के निर्माण हेतु वित्तीय सहायता तथा पुस्तकों के थोक क्रय जैसी योजनाओं से भी सम्बद्ध है।

3.3 पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

यह एकक पत्राचार पाठ्यक्रमों की व्यवस्था हेतु उत्तरदायी है। ये पाठ्यक्रम दो स्तरों पर दिये जाते हैं और यह अनुभाग अखिल भारत में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का भी प्रबन्ध करता है तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण हेतु पाठ्यसामग्री का निर्माण करता है।

पत्राचार पाठ्यक्रम निम्नलिखित प्रदान करता है :

क. संस्कृत के प्रथम वर्ष में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

ख. संस्कृत के द्वितीय वर्ष में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम)

स्वाध्याय के आरम्भ स्तर से प्रारंभ कर, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा अनुभाग पञ्चस्तरीय पाठ्य-सामग्री प्रस्तुत करता है। संस्कृत अध्ययन से प्रेम करने वाला समाज का कोई भी वर्ग इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो सकता है।

3.4 परीक्षा अनुभाग :

परीक्षा अनुभाग निम्नलिखित पाठ्यक्रमों हेतु वार्षिक और पूरक परीक्षाओं का आयोजन करता है।

प्रथमा	(कक्षा आठ)
पूर्वमध्यमा	(कक्षा दस)
उत्तरमध्यमा	(कक्षा बारह)
प्राक्शास्त्री	(कक्षा बारह)
शास्त्री	(बी.ए.)
शिक्षाशास्त्री	(बी.एड.)
आचार्य	(एम.ए.)

परीक्षा अनुभाग के माध्यम से, संस्थान द्वारा शिक्षा-शास्त्री पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु प्रतिवर्ष एक प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा का संचालन किया जाता है। इसे पूर्व-शिक्षाशास्त्री परीक्षा (पी.एस.एस.टी.) के नाम से जाना जाता है।

परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्रों को शोध उपाधि विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) से पुरस्कृत करने हेतु यह शोध-प्रबन्ध का मूल्यांकन तथा मौखिक परीक्षा की भी व्यवस्था करता है।

3.5 प्रशासन अनुभाग :

प्रशासन अनुभाग संस्थान और उसके अंगीभूत परिसरों के सामान्य प्रशासनिक कार्यों की देखभाल करता है। यह नियुक्तियों, पदस्थापनों, स्थानान्तरणों तथा अन्य स्थापना सम्बन्धी कार्यों की योजना भी बनाता है। साथ ही यह परिसरों के प्रशासन पर भी पूर्ण रूप से नियन्त्रण रखता है।

3.6 वित्त अनुभाग :

यह अनुभाग बजट का विवरण, अनुदान का वितरण, वित्तीय व्यवस्था तथा वार्षिक लेखा-जोखा आदि तैयार करता है। यह भविष्य निधियों का भी प्रबन्धन करता है और छात्रवृत्ति योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों के संवितरण की व्यवस्था करता है।

3.7 योजना अनुभाग :

यह अनुभाग स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करना, शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति, विभिन्न संस्कृत पाठशालाओं/विद्यालयों/स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/विश्वविद्यालयों में व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के आयोजन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना, भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को आर्थिक अनुदान देना, आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों और संस्कृत शब्दकोश परियोजना को वित्तीय सहायता प्रदान करना जैसी विभिन्न योजनाओं के उचित कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है। यह अनुभाग संस्कृत के पारम्परिक छात्रों के लिए अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा के आयोजन हेतु भी उत्तरदायी है।

3.8 परिसर :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है–

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	इलाहाबाद, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, उड़ीसा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर
4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तरप्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	शृंगेरी, कर्नाटक
8.	गरली परिसर	गरली, हिमाचलप्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्यप्रदेश
10.	के.जे. सौमैया सं. वि. परिसर	मुम्बई, महाराष्ट्र

ये परिसर निम्नांकित पाठ्यक्रमों हेतु निर्देशन कार्य करते हैं। केवल इलाहाबाद परिसर में शोध कार्यक्रम का संचालन होता है –

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	सीनियर सेकेण्डरी
2.	शास्त्री	बी.ए.
3.	आचार्य	एम.ए.
4.	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	विद्यावारिधि	पी-एच.डी.

बी.एड. कार्यक्रम का संचालन पुरी, जम्मू, जयपुर, लखनऊ, शृंगेरी, भोपाल, गुरुवायूर और मुम्बई परिसरों में किया जाता है। शैक्षिक सत्र का प्रारम्भ प्रतिवर्ष जुलाई में, छात्रों के विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश के साथ होता है।

निम्नलिखित तालिका से परिसरों में प्रति-कक्षा प्रवेश का पता चलता है–

		कक्षा								
		प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शिक्षा शास्त्री	आचार्य		विद्या-वारिधि
क्रम.सं.	परिसर	I	II	I	II	III		I	II	
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर इलाहाबाद	–	–	–	–	–	–	–	–	–
2.	श्री सदाशिव परिसर पुरी	62	51	65	34	36	102	158	108	02
3.	श्री रणवीर परिसर जम्मू	54	26	70	46	67	89	41	29	–
4.	गुरुवायूर परिसर त्रिचूर	58	49	34	43	44	98	34	40	01
5.	जयपुर परिसर जयपुर	45	41	134	110	94	100	148	86	–
6.	लखनऊ परिसर लखनऊ	42	14	60	16	24	89	59	25	07
7.	श्री राजीव गांधी परिसर शृंगेरी	23	22	32	25	29	100	28	17	–
8.	गरली परिसर गरली	50	58	70	57	89	–	61	69	–
9.	भोपाल परिसर भोपाल	22	19	28	30	16	99	23	07	01
10.	के.जे.सौमैया सं. वि. परिसर मुम्बई	13	06	05	08	07	56	07	02	–
योग		369	286	498	369	406	733	559	383	11
						कुल योग 3614				

परिसरों के छात्रों ने 2006-07 की वार्षिक परीक्षाओं में अच्छा प्रदर्शन किया। पृष्ठ 19 पर दिये गए आँकड़ों के अनुसार निम्नांकित ग्राफ़ परिणाम की प्रतिशतता को प्रति कक्षानुसार दर्शाता है–

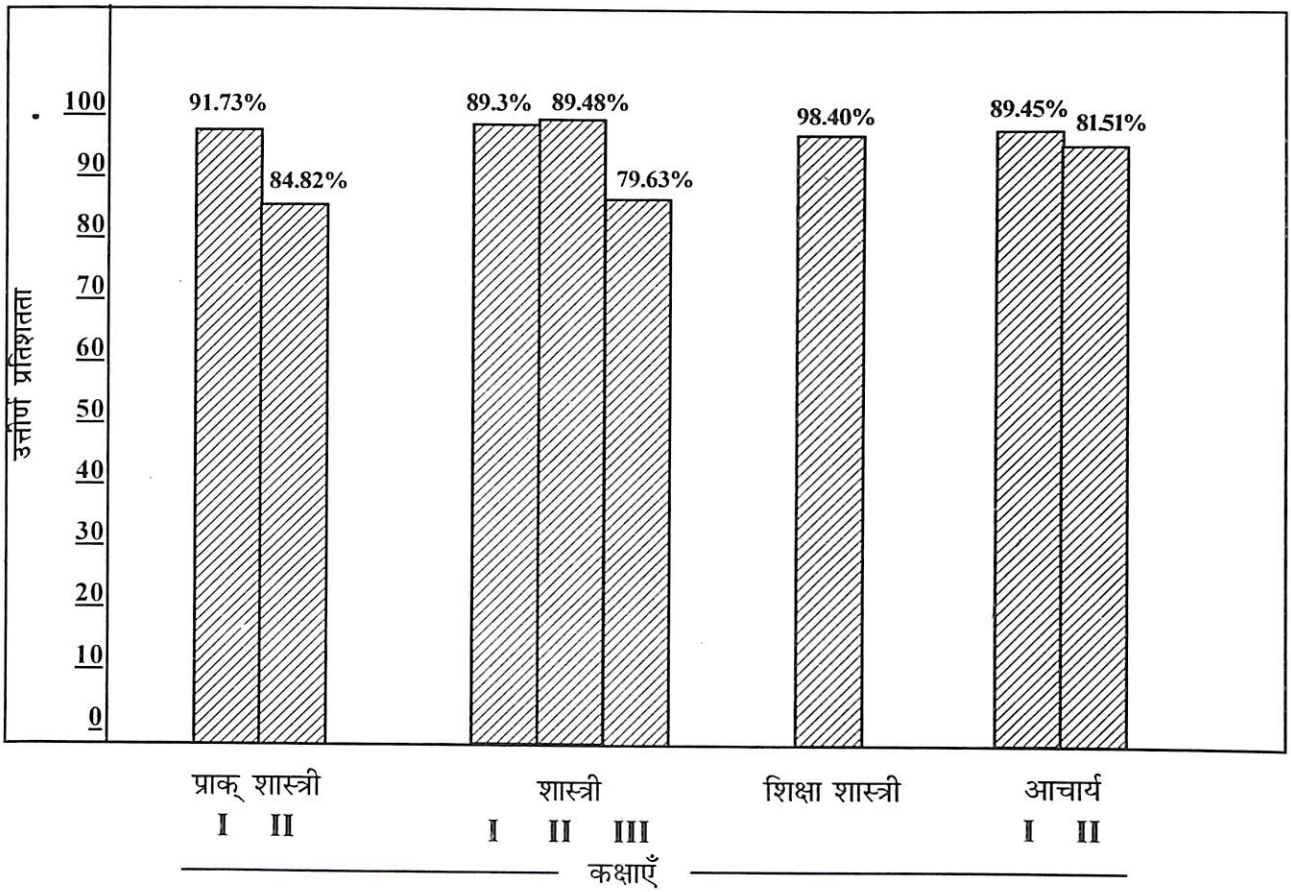

परिसरों में प्रशिक्षित एवं कुशल प्राध्यापक-वर्ग है। तथापि जिन विषयों में पूर्णकालिक शिक्षक उपलब्ध नहीं थे, उनमें अंशकालिक शिक्षक भी रखे गए। परिसर-वार संकाय-सदस्यों का विवरण संलग्नक-'ग' में दिया गया है।

4. अनुभाग

4.1 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :–

संस्थान के शैक्षिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।

प्रथमा से आचार्य तक के विभिन्न विषयों के पाठ्यक्रम बनाने के लिए विभिन्न विषयों की समितियों का गठन करना।

विद्वत् परिषद् की बैठक व अध्ययन परिषद् की बैठक के आयोजन का समन्वय करना और अनुवर्ती कार्रवाई करना।

यह अनुभाग शैक्षणिक कार्य-निष्पादन और शैक्षणिक कार्यक्रम के कैलेण्डर निर्माण हेतु मानकों के निर्धारण के लिए भी उत्तरदायी है।

4.2 शोध एवं प्रकाशन अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण दायित्व हैं :

मुख्यालय और परिसरों के शोध और प्रकाशन कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना और मन्त्रालय द्वारा स्थानान्तरित योजनाओं को कार्यान्वित करना; जो हैं–

1. संस्कृत समाचार-पत्रों और पत्रिकाओं के साथ संस्कृत साहित्य की रचना।

2. संस्कृत-ग्रन्थों का क्रय और अप्राप्य तथा दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण।

3. पाण्डुलिपियों का क्रय और प्रकाशन।

यह अनुभाग अनुदान समिति की बैठकों का समन्वयन भी करता है।

वर्ष 2006-2007 में संस्थान की अनुदान समिति की एक बैठक बुलाई गई जिसमें विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत कई महत्त्वपूर्ण प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन योजनाओं के सम्पादन हेतु रुपये 108.27 लाख जारी किए गए जिनसे कि उनका सम्पादन-व्यय पूरा किया जा सके।

संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना के अन्तर्गत संस्थान के वित्तीय सहायता से विभिन्न सम्पादकों ने 50 ग्रन्थों का सम्पादन किया।

इसके अतिरिक्त 13 संस्कृत पत्रिकाओं को भी रुपये 3.53 लाख का वार्षिक प्रकाशन अनुदान प्रदान किया गया। इस योजना के अन्तर्गत कुल रुपये 26.66 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

ग्रन्थ क्रय योजना का विवरण निम्नलिखित है–

आवेदकों की संख्या	116
प्रस्तुत किए गए शीर्षकों की संख्या	326
कुल क्रय किए गए शीर्षकों की संख्या	145

प्रस्तुत वर्ष में इस योजना के अधीन दी गई कुल राशि रुपये 47.18 लाख है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, रु. 4.49 लाख राशि व्यय करके संस्थान के सात प्रकाशन प्रकाशित किए गए और 16 दुर्लभ साहित्यों का पुनर्मुद्रण किया गया। इसके साथ ही इस योजना के अधीन अप्राप्य एवं दुर्लभ ग्रन्थों का पुनर्मुद्रण किया गया और रुपये 26.41 लाख के अनुदान का उपयोग किया गया।

शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ

यह अनुभाग देश भर में शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों का संवितरण करता है। छात्रवृत्तियाँ दो प्रकार की हैं–

1. पारम्परिक पाठशालाओं के छात्रों हेतु शोध छात्रवृत्तियाँ;
2. इण्टर, बी.ए., एम.ए. और पी-एच.डी. तथा समकक्ष पारम्परिक पाठ्यक्रम जारी रखने हेतु उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ।

वर्ष 2006-2007 में छात्रवृत्ति प्रदान करने का अलग-अलग विवरण निम्नलिखित है–

	पाठ्यक्रम	नवीन				
		सामान्य	अनु.जा.	अनु.ज.जा.	वी.एच	कुल छात्र
1.	प्राक् शास्त्री/उत्तरमध्यमा/यू.एस.	193	12	08	–	213
2.	इन्टर	914	59	15	21	1009
3.	बी.ए. I, II, III	1417	72	15	06	1510
4.	शास्त्री I, II, III	406	45	03	–	454
5.	एम.ए. I, II	114	14	09	–	137
6.	आचार्य I, II	85	04	–	–	89
7.	पी-एच.डी.	25	–	–	–	25
8.	विद्यावारिधि	01	–	–	–	01
	कुल	**3155**	**206**	**50**	**27**	**3438**

इस मद के अन्तर्गत रुपये 53.79 लाख व्यय किए गए।

4.3 पत्राचार पाठ्यक्रम और अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने वर्ष 2006-2007 के दौरान इस विभाग के माध्यम से निम्नलिखित योजनाएँ/कार्यक्रम संचालित किए :

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम
2. संस्कृत स्वाध्याय योजना
3. पत्राचार पाठ्यक्रम
4. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

1. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम

जुलाई 2006 और मार्च 2007 के मध्य, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथमा दीक्षा और द्वितीया दीक्षा के दो चक्रों का संचालन किया गया। देशभर के 1028 केन्द्रों में लगभग 35000 कुल छात्रों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

ऐसे केन्द्रों की संख्या का राज्यवार विवरण निम्नलिखित रूप में हैं:

क्रम सं	राज्य	प्रथम चक्र	द्वितीय चक्र
1.	आन्ध्र प्रदेश	46	46
2.	बिहार+झारखण्ड	03	03
3.	दिल्ली	08	08
4.	गुजरात	24	24
5.	हरियाणा	09	09
6.	जम्मू एवं कश्मीर	04	04
7.	कर्नाटक	48	48
8.	केरल	50	50
9.	महाराष्ट्र (विदर्भ)	04	04
10.	महाराष्ट्र (गोवा)	02	02
11.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	34	34
12.	उड़ीसा	51	51
13.	पंजाब	05	01
14.	हिमाचल प्रदेश	06	01
15.	राजस्थान	–	23
16.	तमिलनाडु	23	23
17.	उत्तराखंड	03	16
18.	उत्तर प्रदेश	–	141
19.	पश्चिम बंगाल	07	07
20.	उत्तर पूर्व राज्य	103	103
	योग	**430**	**598**
	कुलयोग – 1028		

इन केन्द्रों के अध्येताओं ने बहुत उत्साह दिखाया। छात्रों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, अभियन्ताओं, बैंककर्मियों, उद्योगपतियों, अधिकारियों, वकीलों, वैज्ञानिकों, कृषकों और गृहिणियों आदि ने इस कार्यक्रम का लाभ उठाया।

परिणामस्वरूप, भारत भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों के खुलने से लोग संस्कृत तथा भारतवर्ष की सांस्कृतिक परम्परा से सुपरिचित हो गए हैं। समाज के सभी जातियों और समुदायों के लोगों ने संस्कृत सीखने में अति उत्साह दिखाया। विभिन्न केन्द्रों पर भव्य उद्घाटन तथा समापन समारोह आयोजित किए गए। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा तैयार की गई प्रथमा दीक्षा तथा द्वितीया दीक्षा की पाठ्य-सामग्री विभिन्न केन्द्रों में संस्कृत शिक्षण का मुख्य आधार थी। अध्येताओं ने इस पाठ्य-सामग्री को श्रेष्ठ माना है। जो अध्येता अपनी कक्षाओं में न्यूनतम 75 प्रतिशत उपस्थिति बनाए रखे

अथवा जिन्होंने स्थानीय केन्द्रों द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण की, उन्हें प्रथमा/द्वितीया दीक्षा की समाप्ति पर सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

इन अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन न केवल देश के नगरों और महानगरों में किया गया, अपितु दूरवर्ती छोटे गाँवों और छोटे कस्बों, जम्मू व कश्मीर तथा उत्तर-पूर्व राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। संस्कृत शिक्षकों को अति दूर के स्थानों से भी आना पड़ा। देश भर में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों का संचालन विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों (डिग्री कॉलेजों), इण्टर कॉलेजों, उच्च और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों, कनिष्ठ उच्च विद्यालयों, पब्लिक स्कूलों और स्वैच्छिक संस्थाओं में किया गया। परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्धक रहे।

इन केन्द्रों की सम्यक् क्रियाशीलता हेतु सम्बद्ध राज्यों से केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों के लिए प्रस्ताव प्राप्त होने पर, राज्यों में केन्द्रों, केन्द्र-संयोजकों और शिक्षकों को नामित किया गया। प्रसिद्ध/महत्वपूर्ण संस्थाओं से सीधे प्रस्ताव प्राप्त होने पर भी संस्थान द्वारा केन्द्रों हेतु संस्वीकृति प्रदान की गई।

राज्य-संयोजक (अनौ. संस्कृत शिक्षा)

क्र.सं.	राज्य	संयोजक का नाम एवं पता
1.	आन्ध्र प्रदेश	डॉ. डरबाल प्रभाकर शर्मा, प्राधानाचार्य, एस.वी.जे.वी. संस्कृत कलाशाला, कोव्वुर, पश्चिम गोदावरी जिला (ए.पी.)
2.	बिहार+झारखण्ड	डॉ. श्री प्रकाश पाण्डेय, पी.जी. विभाग, क्वा. नं.-23, विश्वविद्यालय परिसर, मुजफ्फरपुर-1 (बिहार)
3.	दिल्ली	डॉ. पंकज घई, प्रवक्ता (संस्कृत), लेडी श्रीराम कालेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
4.	गुजरात	डॉ. एच.एम. पाण्डे, वडोदरा संस्कृत महाविद्यालय, वडोदरा (गुजरात)
5.	हरियाणा	डॉ. सी.डी. सिंह कौशल, संस्कृत विभाग, कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र
6.	जम्मू एवं कश्मीर	प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्राधानाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री रणवीर परिसर, जम्मु
7.	कर्नाटक	प्रो. ए.पी. सच्चिदानन्द, शिक्षाविभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी
8.	केरल	डॉ. पी. श्रीनिवासन, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर परिसर, गुरुवायूर त्रिचूर (केरल)
9.	महाराष्ट्र (विदर्भ)	प्रो. पंकज चांदे, कुलपति, कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर
10.	महाराष्ट्र	श्रीपद भट्ट, संस्कृत विभागाध्यक्ष, तिलक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे
11.	म.प्र.+छत्तीसगढ़	प्रो. पी.एन. शास्त्री, संस्कृत विभागाधिकारी, राष्टिय संस्कृत संस्थान, भोपाल (परिसर), अरेरा कालोनी, भोपाल (म.प्र.)
12.	उड़ीसा	प्रो. च. एल.एन.शर्मा, प्रो. एवं शिक्षाशास्त्र विभागाध्यक्ष, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी

डॉ. रत्न मोहन झा, व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, को जुलाई 2006 से, राष्ट्रीय स्तर पर कार्यक्रम संयोजन का भार सौंपा गया।

2. संस्कृत स्वाध्याय योजना

परिचय :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने संस्कृत के स्वाध्याय सामग्री प्रकाशित करने के लिए संस्कृत स्वाध्याय योजना का कार्यभार लिया है ताकि संस्कृत-शिक्षण के शौकीन लोगों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। विचाराधीन वर्ष के दौरान स्वाध्याय सामग्री के उत्पादन में प्राप्त प्रगति निम्न रूप में है :

1. भर्तृहरि नीतिशतकम्, खण्ड-1 सम्पादन कार्य पूरा हुआ, संयोजन कार्य अन्तिम स्तर पर है।
2. भर्तृहरि नीतिशतकम्, खण्ड-2 अन्तिम सम्पादन कार्य पूरा किया गया है
3. रघुवंशम्, खण्ड-1 लेखन, सम्पादन तथा संयोजन कार्य प्रगति पर है
4. रघुवंशम्, खण्ड-3 सम्पादन कार्य प्रगति पर है
5. रघुवंशम्, खण्ड-4 अन्तिम सम्पादन कार्य पूर्ण तथा प्रेस हेतु तैयार
6. विदुरनीति शतकम् मुख्य पाठ मुद्रित तथा मुख्य पाठ में जोड़ने हेतु परिशिष्ट का अन्तिम स्वरूप तैयार हुआ।
7. संक्षेप रामायणम् द्वितीय संस्करण की तैयारी पूरी की जा चुकी है।
8. भगवद्गीता संग्रह (खण्ड-3) सम्पादन कार्य पूरा हुआ।
9. वास्तुशास्त्र परिचय पाठ्यक्रम मुद्रण हेतु तैयार है। (परिचयात्मक पाठ्यक्रम)

श्री के. वेंकटेश मूर्थि, आर. ए., राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, को संस्कृत स्वाध्याय योजना के समन्वयन हेतु नामित किया गया है।

कार्यशाला :

वास्तुशास्त्र तथा सिद्धान्त ज्योतिष पर एक परिचयात्मक पाठ्यक्रम हेतु मुख्य पाठ्यक्रम को अन्तिम स्वरूप देने के लिए एक कार्यशाला का आयोजन–

4 दिसम्बर से 12 दिसम्बर, 2006

पाठ्यक्रम आधारित विशेष अध्ययन कार्यक्रम :

न्याय-सिद्धान्त मुक्तावली के 'प्रत्यक्ष खण्ड' पर एक तीन सप्ताह वाला विशेष अध्ययन कार्यक्रम का आयोजन, संस्थान ने 'पूर्ण प्रज्ञा संशोधन मंदिरम्' बंगलौर में किया – 4 मई से 24 मई, 2006 तक

शिक्षा चित्र

(चार चतुष्पदी सीख)

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार (उच्चतर शिक्षा विभाग) के सुदूर अभ्यास अनुभाग ने संस्थान को संस्कृत विषय के सार-सृजन का उत्तरदायित्व दिया, जिसे सरकार के साक्षत (एक विराम शिक्षा चित्र) पर रखा जा सके। संस्थान ने 'चार चतुष्पदी सीख वस्तुओं' को, वेब पर 'साक्षत' कोण हेतु एन सी ई आर टी के ग्यारहवीं कक्षा के संस्कृत पाठों के आधार पर तैयार किया है।

3. पत्राचार पाठ्यक्रम

संस्थान भारत और विदेश में संस्कृत के सामान्य अध्येताओं के लिए हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम से संस्कृत भाषा सीखने के लिए पत्राचार पाठ्यक्रमों का संचालन दो स्तरों पर करता है, अर्थात् (अ) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-प्रथम वर्ष (ब) संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम-द्वितीय वर्ष। वर्ष 2006-2007 के दौरान पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से संस्कृत अध्ययन हेतु 155 नये छात्रों ने पंजीयन करवाया।

4. संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम

संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण के कार्यक्रम के अन्तर्गत, देश के प्रमुख दैनिकों में एक विज्ञापन 21 दिवसीय दीर्घ स्थानीय संस्कृत शिक्षक शिक्षण कार्यक्रम संचालन हेतु दिया गया था, जिसका उद्देश्य संस्कृत माध्यम में संस्कृत शिक्षण कौशल और भाषा सक्षमता का प्रोन्नयन था। शिक्षकों के शिक्षण समूह में चुने जाने हेतु पूर्व-प्रशिक्षण

परीक्षा, मौखिक तथा लिखित में, उपस्थिति के लिए ग्रेजुएट तथा ऊपर से आवेदन आमन्त्रित किए गए थे। 10 दिसम्बर, 2006 को परीक्षा का संचालन हुआ जिसमें 13 केंद्रों में 871 प्रत्याशी आए। ये केंद्र थे– गुरुवायूर (केरल), बैंगलौर, भोपाल, मुम्बई, गरली (एच. पी.), जम्मु, लखनऊ, इलाहाबाद, पुरी (उड़ीसा), जयपुर, गोहाटी, कोलकाता, तथा नई दिल्ली। इन प्रत्याशियों में से 291 आने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने हेतु सफल घोषित किए गये।

इस श्रृंखला में, संस्थान ने – 13 फरवरी 2007 से 5 मार्च 2007 तक गीता आश्रम, होजई, आसाम में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन किया। प्रशिक्षण हेतु 103 प्रतिभागियों का नामांकन हुआ। प्रो. एल. एन. शर्मा, डा. रमेश कुमार झा, मंजुश्री राहलकर, श्री योगेश शास्त्री तथा श्री कमल शर्मा इस कार्यक्रम के संसाधन व्यक्ति थे। कार्यक्रम का संचालन सफलतापूर्वक हुआ।

4.4 परीक्षा अनुभाग

इस अनुभाग का मुख्य दायित्व, विभिन्न परीक्षाओं का आयोजन तथा संस्थान के परीक्षा पत्रों का मूल्यांकन है। संस्थान के द्वारा प्रथमा से आचार्य, शिक्षाशास्त्री तथा विद्यावारिधि जैसी विभिन्न परीक्षाओं का संचालन किया जाता है। इन परीक्षाओं में अंगीभूत परिसरों तथा सम्बद्ध संस्थाओं के छात्र प्रवेश पाते हैं। ये परीक्षा शैक्षिक परिषद् द्वारा निर्धारित मार्गदर्शी सिद्धान्तों और इस उद्देश्य से निर्धारित पाठ्यक्रमों के अनुसार संचालित की जाती हैं।

वर्ष 2006-2007 के दौरान विभिन्न परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों की संख्या इस प्रकार है–

क्रमांक	कक्षा	परीक्षा में बैठने वाले छात्रों की संख्या	उत्तीर्ण
1.	प्रथमा–III	345	261
2.	पूर्वमध्यमा–I	1843	1666
3.	पूर्वमध्यमा–II	913	734
4.	उत्तरमध्यमा–I	908	838
5.	उत्तरमध्यमा–II	446	313
6.	प्राक्शास्त्री–I	2115	1940
7.	प्राक्शास्त्री–II	1100	933
8.	शास्त्री–I	1692	1511
9.	शास्त्री–II	1398	1251
10.	शास्त्री–III	1041	829
11.	आचार्य–I	1156	1034
12.	आचार्य–II	833	679
13.	शिक्षाशास्त्री	947	937
	योग	14737	12929

इस रिपोर्ट वर्ष के दौरान 61 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि से पुरस्कृत किया गया। इन शोध-छात्रों का विवरण संलग्नक-घ में दिया गया है।

वर्ष 2006-07 में परिसरों एवं सम्बद्ध संस्थाओं की विभिन्न कक्षाओं में कुल 14948 छात्रों को पंजीकृत किया गया।

संस्थान ने शिक्षा शास्त्री/बी.एड. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु पूर्व शिक्षाशास्त्री परीक्षा का संचालन किया। इस प्रवेश-परीक्षा हेतु 6063 छात्रों का पंजीकरण हुआ। उनमें से 5400 छात्र परीक्षा में बैठे तथा विभिन्न आठ परिसरों में प्रवेश हेतु 1106 छात्र सफल घोषित किए गए।

वार्षिक परीक्षा 2007 में पाठ्यक्रमानुसार सर्वोच्च स्थान पाने वाले छात्रों का विवरण निम्नलिखित है–

क्रमांक	अनुक्रमांक	छात्र का नाम	कक्षा/विषय	परिसर/संस्थान
1.	47546	शिवराम कृष्णभट्ट	आचार्य (न. व्याकरण)	शृंगेरी
2.	30475	वंगीरल श्रीलक्ष्मी	आचार्य (साहित्य)	शृंगेरी
3.	30840	सरला त्रिपाठी	आचार्य (स. ज्योतिष)	लखनऊ
4.	30292	अरुण कुमार शर्मा	आचार्य (फ. ज्योतिष)	गरली
5.	30654	संयुक्ता कुमारी ससिमल	आचार्य (सर्वदर्शन)	पुरी
6.	30620	दीपांजलि नायक	आचार्य (धर्मशास्त्र)	पुरी
7.	30630	विचित्र महापात्र	आचार्य (पुराणेतिहास)	पुरी
8.	30160	साधु हरिमुकुंद दास	आचार्य (वि. अद्वैत वेदांत)	दर्शन स.म., छरोडी
9.	30085	राघव कुमार झा	आचार्य (स. यजुर्वेद)	
10.	47614	एस. गंगजित शर्मा	आचार्य (पौराहित्य)	राधामाधव स.म.वि.
11.	30643	पुष्पांजलि नंदा	आचार्य (सांख्य योग)	पुरी
12.	30955	वेदवानि मुखोपाध्याय	आचार्य (नव्य न्याय)	सीताराम
13.	30487	शंकर एम. हेब्बर	आचार्य (मीमांसा)	शृंगेरी
14.	30491	विनायक गनपति भट्ट	आचार्य (अ. वेदान्त)	शृंगेरी
15.	30830	रोहितास	आचार्य (बौद्ध दर्शन)	लखनऊ
16.	8917	दिलिप कुमार नंदा	शिक्षा शास्त्री	पुरी
17.	45985	लोकेश कुमार शर्मा	शास्त्री	जयपुर
18.	10465	विवेक कर्मकार	उत्तर मध्यमा	रामकृष्ण म. वि.वि., हावड़ा
19.	12446	गुलशन शर्मा	प्राक्शास्त्री	गरली
20.	2634	सोम्यजित सेन	पूर्व मध्यमा	रामकृष्ण म. वि.वि., हावड़ा
21.	695	ललिता	प्रथमा	लज्जाराम स.म., हरयाणा

संस्थाओं से सम्बद्धता

संस्थान ने कुछ एक परिसरों से कार्य करना आरम्भ किया था। बाद में कुछ निजी रूप से संचालित संस्थाएं इससे सम्बद्ध किए गए। इन सम्बद्ध संस्थाओं की सूची संलग्नक 'ङ' में दी गई है। संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारों तथा विश्वविद्यालयों के विवरण क्रमश: 'च' और 'छ' संलग्नक में दिए गए हैं।

4.5 प्रशासन अनुभाग

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में प्रशासन अनुभाग नियमों, विनियमों और प्रक्रियानुसार आन्तरिक व्यवस्था के कार्य करता है। यह संस्थान के विभिन्न अंगीभूत परिसरों को अधिक प्रभावी और कार्यकुशल बनाने हेतु आवश्यक स्थापन सहायता प्रदान करता है। यह अनुभाग प्रमुख रूप से सामान्य प्रशासन, स्थापना सम्बन्धी मामलों, सेवा और आपूर्ति, भूमि और भवन अधिग्रहण, नए परिसरों की स्थापना और प्रबन्धन परिषद् तथा वित्त समिति की बैठकों के संचालन आदि कार्य करता है।

जिन परिसरों के पास अपना भवन नहीं है, उनके लिए भवन-निर्माण हेतु जमीन प्राप्त करने की दिशा में प्रयास किए गए हैं। जम्मू परिसर के भवन निर्माण की प्रक्रिया लगभग पूर्ण हो चुकी है और नये परिसर में अगला शिक्षण सत्र प्रारंभ होने वाला है। पुरी परिसर ने अपने नव-निर्मित भवन में कार्य करना आरम्भ कर दिया है। इसके अतिरिक्त जम्मू, जयपुर, श्रृंगेरी, लखनऊ, पुरी और गुरुवायूर परिसरों में छात्रों एवं छात्राओं के छात्रावास, पुस्तकालय तथा न्यूनतम स्टाफ आवास आदि के द्वितीय चरण के निर्माण प्रगति पर है।

इस वर्ष संस्थान के मुख्यालय में अनुभाग-वार स्टाफ सदस्यों की संख्या प्रतिवेदन के संलग्नक-ज में दी गई है।

4.6 वित्त अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व निम्नलिखित हैं–

बजट (2006-2007) :

वर्ष 2005-2006 के रु. 619.87 लाख के अप्रयुक्त शेष राशि को वित्तीय वर्ष 2006-2007 में समाविष्ट किया गया। मन्त्रालय के द्वारा (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) रु. 5502.40 लाख का कुल बजट स्वीकृत किया गया। इस राशि को अंगीभूत एककों में निम्नलिखित रुपये आबंटित किया गया :–

(रु. की संख्या लाखों में)

क्रमांक	एकक का नाम	योजना	योजनेतर	योग
1.	मुख्यालय	2094.10	1232.95	3327.05
2.	पुरी परिसर	95.00	237.13	332.13
3.	जम्मू परिसर	222.46	196.26	418.72
4.	इलाहाबाद परिसर	--	104.28	104.28
5.	गुरुवायूर परिसर	30.00	148.59	178.59
6.	जयपुर परिसर	12.52	171.30	183.82
7.	लखनऊ परिसर	132.00	154.80	286.80
8.	श्रृंगेरी परिसर	199.94	--	199.94

9.	गरली परिसर	102.88	--	102.88
10.	भोपाल परिसर	325.60	--	325.60
11.	मुम्बई परिसर	42.59	--	42.59
	योग	**3257.09**	**2245.31**	**5502.40**

वर्ष में दौरान यह धन वेतन और भत्ते, छात्रवृत्तियाँ, प्रसिद्ध संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति सम्मान एवं व्यय की अन्य रख-रखाव के मदों पर उपयोग में लाया गया। वित्तीय वर्ष के अन्त में रुपये 744.27 लाख (योजनागत रुपये 433.55 लाख और योजनेतर रुपये 310.92 लाख) की धनराशि बिना व्यय अवशिष्ट रही।

लेखा :-

यह अनुभाग संस्थान के विविध एककों से प्राप्त लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु डी.जी.ए.सी. आर. को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। वर्ष 2006-07 हेतु परीक्षित वार्षिक लेखा तथा लेखा-परीक्षा प्रतिवेदन के संलग्नक 'ढ' में दिये गये हैं।

भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण

यह अनुभाग मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के वेतन व भविष्य निधि खातों का अनुरक्षण करता है। वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर अविलम्ब प्रत्येक सदस्य को वार्षिक भविष्य निधि खाते का विवरण प्रदान किया जाता है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण :-

वर्ष में लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाने के लिए संगठित प्रयास किए गए। इसके लिए सभी परिसरों को ये निर्देश दिए गए कि वे आवश्यक सुधारात्मक कार्यवाही करें। इसके अनुपालन के उत्तर लेखा-परीक्षा अधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा-परीक्षा आपत्तियों को निपटाया गया।

इस अनुभाग को आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों से सम्बन्धित कार्यों और संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी तथा फारसी भाषाओं के लिए अपना उत्कृष्ट योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित विद्वानों को मानदेय देने का कार्य भी सौंपा गया है। इसके साथ ही, देश भर के उन संस्कृत पंडितों को जो दयनीय अवस्था में रहते हैं, उन्हें वित्तीय सहायता देने की योजना का कार्यभार भी इसे सौंपा गया है।

4.7 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत भाषा और साहित्य के संवर्धन तथा प्रचार हेतु मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा अन्तरित निम्नलिखित योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु उत्तरदायी है।

(i) स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत चयनित संगठनों को उनके संस्कृत अध्यापकों को वेतन, छात्रों को छात्रवृत्ति, पुस्तकालय अनुदान और संस्थान-भवन के निर्माण के रूप में वित्तीय सहायता की स्वीकृति दी जाती है।

इस योजना के अन्तर्गत वर्ष 2006-2007 में संस्थान द्वारा रुपये 751.61 लाख की राशि व्यय की गई। वर्ष के दौरान, 767 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई। 1482 शिक्षकों को वेतन दिया गया तथा 8138 छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की गई।

(ii) अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

इस प्रतियोगिता में देश के सभी राज्यों के चयनित पारम्परिक संस्कृत छात्र भाग ले सकते हैं। संस्थान द्वारा इस प्रतियोगिता का आयोजन प्रतिवर्ष छात्रों को शास्त्रों में आशु भाषण हेतु प्रोत्साहित करने हेतु किया जा रहा है। गत वर्षों की भांति, अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), पुरी में 27-29 दिसम्बर, 2006 को आयोजित की गई। 15 शिक्षकों सहित 125 छात्रों ने व्याकरण, मीमांसा, वेदान्त, न्याय, सांख्ययोग, धर्मशास्त्र, ज्योतिष, साहित्य,

श्लोकान्त्याक्षरी तथा समस्यापूर्ति से सम्बद्ध प्रतियोगिताओं में भाग ग्रहण किया।

वर्तमान दस विषयों के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का आयोजन भी निम्नलिखित तीन विषयों में किया गया। इसकी घोषणा गत वर्ष दरभंगा में आयोजित प्रतियोगिताओं में की गई थी। :–

1. **व्याकरण** : व्याकरण सिद्धान्त कौमुद्य : षड्लिंग प्रकरणम् कारक प्रकरणम् समास प्रकरणम् च (समासाश्रय विधि पर्यन्तम्)
2. **साहित्य** : कुमारसम्भवम् (प्रथम सर्गात् पञ्चम् सर्ग पर्यन्तम्)
3. **न्याय** : न्याय सिद्धान्त मुक्तावलि (शब्दखण्डान्तभाग:)

निर्णायक-मण्डल द्वारा प्रदत्त विनिर्णय के अनुसार विजेता छात्रों को नकद पुरस्कार एवं पदक प्रदान किए गए।

इस वर्ष इस उद्देश्य हेतु रुपये 7.38 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

प्रक्रियानुसार वर्ष 2007-08 की अगली शलाका परीक्षा हेतु प्रतिभागियों के लिए निम्नलिखित तीन विषयों की घोषणा की गई है–

1. **व्याकरण** : दशगणा:, निजादि उत्तरतिङन्तसहित
2. **साहित्य** : शिशुपालवधस्य आदिमसर्ग त्रयम्
3. **न्याय** : तर्कसंग्रह: न्यायबोधिन्यदीपिकया च साहित्य:

(iii) शास्त्र चूड़ामणि योजना

इस योजना के अन्तर्गत आदर्श पाठशालाओं और राज्य सरकारों द्वारा चलाए जा रहे संस्कृत महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना को आरम्भ करने का उद्देश्य यह है कि परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षा प्रदान करने वाले केन्द्रों में विभिन्न शास्त्रीय विषयों के गहन अध्ययन को संरक्षित किया जा सके। योजना के अनुसार परम्परागत-संस्कृत विद्वानों की नियुक्ति विभिन्न संगठनों में की जाती है। प्रत्येक विद्वान् को रुपये 2500/- प्रति माह दो वर्ष की अवधि हेतु दिए जाते हैं। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

वर्तमान में नियुक्त विद्वानों के अतिरिक्त 6 अन्य शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों का चयन वर्ष 2006-07 में किया गया।

इस योजना के अन्तर्गत रु. 20.37 लाख व्यय किए गए।

(iv) व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

इस योजना के अन्तर्गत चुने हुए संगठनों को ज्योतिष, कर्म-काण्ड, पुरालिपि-शास्त्र, सूची-निर्माण, पाण्डुलिपि विज्ञान, संस्कृत आशुलिपि और टंकण आदि विद्या विशेषों में कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अन्तर्गत रु. 2.67 लाख व्यय किए गए।

(v) मान्यता-प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों को वित्तीय सहायता

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 21 संस्थाएँ संस्थान के अधीन चल रही हैं। इस योजना के अन्तर्गत मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को व्यय की आवर्ती मदों पर 95% तथा अनावर्ती मदों पर 75% अनुदान दिया जाता है। इस वर्ष योजना के अधीन रुपये 309.13 लाख तथा योजनेतर में रुपये 245.90 लाख रुपए की ध नराशि संस्थान द्वारा इन संस्थाओं को दी गई।

(vi) संस्कृत शब्दकोश परियोजना

ऐतिहासिक सिद्धान्तों के आधार पर एक अतिव्यापक शब्दकोश तैयार करने की परियोजना डेकन कॉलेज, स्नातकोत्तर तथा शोध संस्थान, पुणे द्वारा की गई है। इस परियोजना में व्यय का प्रमुख स्रोत, भारत सरकार द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के माध्यम से उपलब्ध कराया जा रहा है। इस परियोजना पर कार्य वर्ष 1950 से पहले से प्रारंभ है तथा 3 क्षेत्रों के 7 खण्ड पहले से ही प्रकाशित किये जा चुके हैं। वर्ष 2006-2007 में खण्ड 8 के प्रथम भाग को प्रकाशित किया गया है। इस

परियोजना हेतु रुपये 34 लाख की राशि आबंटित की गई है। इसके अतिरिक्त रुपये 62.56 लाख की राशि, पर्चियों के सूक्ष्म परीक्षण तथा 1600 स्रोत पुस्तकों के योजना शीर्ष के अधीन आबंटित किया गया है।

(vii) भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को मानदेय राशि

भारत के राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-पत्र प्राप्त विद्वानों को संस्थान प्रति वर्ष 50,000/- रुपये की मानदेय राशि प्रदान करता है।

इस वर्ष के दौरान इस मद में रुपये 154.28 लाख व्यय किए गए।

(viii) उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा को प्रोत्साहन :

वर्ष 2006-2007 में संस्थान ने देश के उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में संस्कृत भाषा के अध्ययन, प्रसार और प्रोत्साहन हेतु रुपये 67.47 लाख व्यय किए।

4.8 पुस्तकालय

संस्थान में शैक्षणिक कार्यकलापों और आगन्तुक विद्वानों की सुविधा हेतु 22000 से भी अधिक संस्कृत ग्रन्थों से युक्त पुस्तकालय है। परियोजना अधिकारी इस कक्ष के प्रधान हैं जो विक्रय व कम्प्यूटर के कार्यों की भी देखरेख करते हैं।

कक्ष ने परिसरों को पहले से ही कम्प्यूटर प्रदान कर दिए हैं। संस्थान के पुस्तकालय हेतु वर्ष में प्राप्त ग्रन्थों पर हुए व्यय का विवरण तथा बिक्री आय निम्नलिखित है–

पुस्तकालय

1.	क्रीत ग्रन्थ	रुपये 20,140.00
2.	उपहार के रूप में प्राप्त ग्रन्थ	रुपये 95,582.00

विक्रय

1.	पुनर्मुद्रित दुर्लभ ग्रन्थ	रुपये 5,44,438.00
2.	संस्थान के प्रकाशन	रु. 17,95,010.00
	कुल योग	**रु. 23,39,448.00**

परिसरों की एक झलक

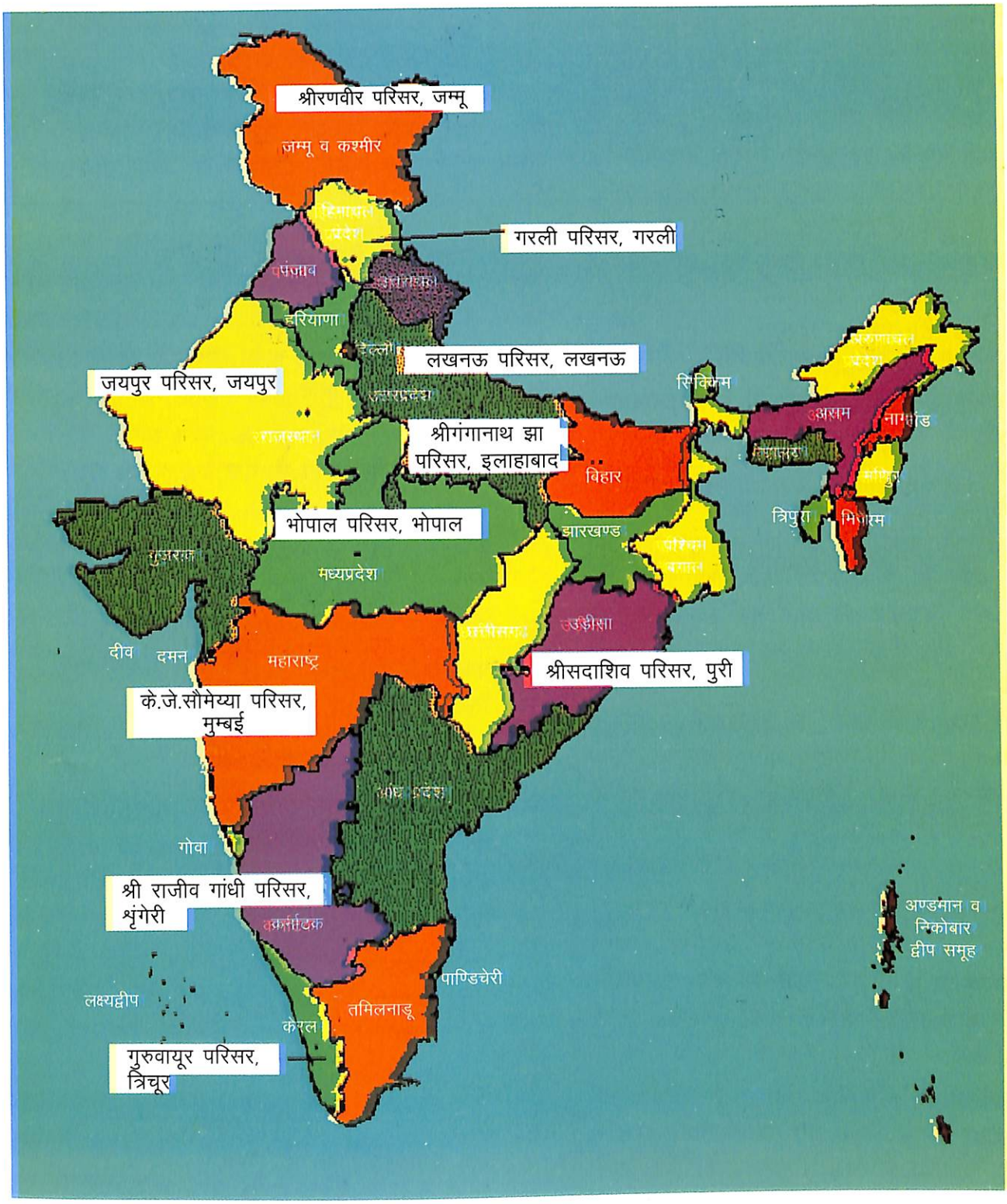
श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
जम्मू व कश्मीर
गरली परिसर, गरली
पंजाब
हरियाणा
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
राजस्थान
श्रीगंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
बिहार
सिक्किम
असम
त्रिपुरा
भोपाल परिसर, भोपाल
झारखण्ड
मध्यप्रदेश
गुजरात
दीव
दमन
महाराष्ट्र
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
उड़ीसा
के.जे.सौमेय्या परिसर, मुम्बई
गोवा
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
कर्नाटक
पाण्डिचेरी
तमिलनाडु
केरल
लक्ष्यद्वीप
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह

5. परिसर

5.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)

इलाहाबाद में पहले श्री गंगानाथ झा शोध संस्थान स्थापित था। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा इसका अधि ग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को अपनी अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में 'श्री गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से किया गया। तत्पश्चात् पुनः इसका नामकरण 'श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद, मानित विश्वविद्यालय' हुआ। यह परिसर एक ऐसा मान्यता-प्राप्त शोध-केन्द्र है जो संस्कृत साहित्य के विभिन्न विद्याओं के शोध-कार्य हेतु समर्पित है। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) की विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि हेतु शोधकार्य के लिए परिसर प्रतिवर्ष निश्चित संख्या में शोध छात्रों को पंजीकृत करता है। इस प्रकार से प्रविष्ट शोध-छात्र विद्यापीठ परिसर के किसी एक शिक्षक के मार्गदर्शन में कार्य करते हैं तथा परिसर में उपलब्ध पुस्तकालय एवं पाण्डुलिपि अनुभाग की सुविधाओं का उपयोग करते हैं। पुस्तकालयों एवं पाण्डुलिपियों का उपयोग मात्र विद्यापीठ के छात्रों तक सीमित नहीं है अपितु सभी विद्वानों हेतु संदर्भ पुस्तकालय के रूप में खुला है। यह संस्कृत में तथा प्राचीन भारतीय संस्कृति में अभिरुचि रखने वाले समाज के सभी वर्गों के विद्वानों एवं शोधार्थियों को पुस्तकालय की क्षमतानुसार उसके उपयोग के लिए आमन्त्रित करता है। विचाराधीन वर्ष के दौरान, पुस्तकालय ने 1,53,647 रुपयों के पुस्तकों को खरीदा है।

शैक्षिक स्टाफ़ के सभी सदस्य पंजीकृत छात्रों को शोध-कार्य में मार्ग-दर्शन करने के अतिरिक्त संस्थान प्रदत्त विषयों पर अपना शोध-कार्य भी करते हैं। परिसर की शोध-परियोजना का कार्य न केवल वैयक्तिक अपितु सामूहिक रूप से भी किया जाता है।

इस समय 68 शोध-छात्र पंजीकृत हैं। शैक्षिक सत्र 2006-2007 में नौ छात्रों को 'विद्यावारिधि' उपाधि प्रदान की गई तथा नौ छात्रों ने संस्थान को अपने शोध -प्रबन्ध प्रस्तुत किये हैं।

परिसर की शोध-पत्रिका का 61वाँ खण्ड प्रकाशित किया गया। अपने प्रकाशन कार्यक्रमों के अतिरिक्त परिसर ने 'वेदभाष्य कोश' परियोजना को प्रारम्भ किया है।

संकाय सदस्यों के क्रियाकलाप :

1. डॉ. गोपराजू रामा, प्राचार्य

(क) काव्य प्रकाश पर एक दुर्लभ टीका का सम्पादन किया। –काव्यकौमुदि

(ब) लोक सेवा आयोग, उ.प्र. के चयन समिति में, प्रवक्ता पद हेतु चयन में, एक दक्ष रूप में भाग लिया।

(ग) संस्थान के प्रबंधन बोर्ड की बैठकों में शामिल हुए।

(घ) संस्थान में प्राचार्यों की बैठक में शामिल हुए।

(ङ) पाण्डुलिपि क्रय समिति के सदस्य रूप में तिरुपति विद्यापीठ का दौरा किया।

2. डॉ. (श्रीमती) एस.के. मिश्र, रीडर

(क) प्रतिसांख्य कोश तथा छन्दोवृत्ति को अन्तिम रूप देने का कार्य

(ख) कौल रचना दीपिका के प्रेस कापी को तैयार किया

(ग) उनके मार्गदर्शन के अन्तर्गत तीन शोध छात्रों ने अपना शोध कार्य प्रस्तुत किया तथा 15 शोधकार्य कर रहे हैं।

(घ) जम्मु में विश्वसम्मेलन में भाग लिया

(ङ) राष्ट्रीय मानव संस्कृति शोध संस्थान, वाराणसी में भाग लिया तथा एक पत्र पढ़ा।

(च) पाण्डुलिपियों के सत्यापन में सहायता की।

3. डॉ. वी.एन. गिरि, रीडर

(क) सम्पादन कार्यभार लिया –

(i) न्याससूत्रविवरण, (ii) शब्दामृत, (iii) रत्नकंठ भट्ट का सार समुच्चय, (iv) अनवीक्षण तत्वबोध

(ख) दो छात्रों को विद्यावारिधि उपाधि दी गई तथा पांच छात्रों ने उनके मार्गदर्शन में अपने शोध प्रस्तुत किए।

(ग) अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा केंद्र का समन्वयन।

(घ) एन.एम.एम. हेतु तैयार एम.एस.एस. कार्डों का निरीक्षण किया।

(ङ) क्षेत्रीय संस्कृत पाठशालाओं का निरीक्षण किया।

4. डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डे, रीडर

(क) सकलरस सार संग्रह का सम्पादन तथा हिन्दी अनुवाद कार्य प्रारम्भ किया

(ख) तीन शोध छात्रों ने उनके मार्गदर्शन में अपने शोध प्रस्तुत किए तथा दो शोध कार्य कर रहे हैं।

(ग) 'उशति' परिसर पत्रिका का संपादन तथा गंगानाथ झा परिसर के जर्नल का सह-सम्पादन किया।

(घ) संस्कृत दिवस समारोह तथा वसन्तोत्सव हेतु संस्कृत नाटक के प्रस्तुतिकरण में सह-संयोजन किया

(ङ) 'तीन' शोधपत्र प्रकाशित किए तथा पांच राष्ट्रीय संगोष्ठी में पत्र प्रस्तुत किए

(च) दूरदर्शन इलाहाबाद, आल इण्डिया रेडियो इलाहाबाद तथा अखिल भारतीय संस्कृत कवि सम्मेलन में काव्य पाठ किया।

(छ) माघ मेला पर्व वसन्तपंचमी के अवसर पर आलइण्डिया रेडियों इलाहाबाद में आंखों देखा हाल प्रस्तुत किया तथा 'गंगा की मंगलयात्रा उद्भव से प्रदेश के सीमांत तक' धारावाहिक लिखा

5. डॉ. ललित कुमार त्रिपाठी, रीडर :

(क) शब्दामृतम्-खण्ड I तथा शबर्थ तर्कामृतम् का सम्पादन किया

(ख) संस्कृत भाषा शिक्षण कार्यक्रम के अधीन व्याकरण शिक्षा पर 15 कथानकों की शूटिंग की

(ग) तिरुपति तथा हैदराबाद में भाषण मालाओं में भाग लिया

(घ) प्रायः 1000 पाण्डुलिपियों का सत्यापन किया

(ङ) उनके मार्गदर्शन में एक शोध-छात्र ने अपना शोध ग्रन्थ प्रस्तुत किया। संस्थान की गतिविधियों में निर्देशानुसार भाग लिया।

6. डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डे, व्याख्याता

(क) सिद्धान्त चन्द्रिका मंगलश्लोकार्थ विचारा: का संस्कृत तथा हिन्दी टिप्पणी के साथ सम्पादन किया

(ख) सम्पादन कार्य लिया–

(i) शब्दशास्त्रीय अन्तरंग बहिरंग - भावयो: विचारा:

(ii) भूयादयो धातव:

(iii) पूर्वत्रसिद्धम्

(iv) जम्मु में अखिल भारतीय ओरियंटल सम्मेलन में शामिल हुए।

(v) संस्कृत संगठनों के निरीक्षण तथा पाण्डुलिपियों के सत्यापन में भाग लिया

7. डॉ. पवन कुमार, व्याख्याता

(क) दुर्गा सहाय के वृत्तिविवेचनम् पाण्डुलिपि का अनुवाद सहित सम्पादन

(ख) पाण्डुलिपि 'मनसिजसूत्रं' का दीपिका टीका सहित तथा श्रीकृष्ण का वृंदावन काव्यम् का सम्पादन कार्य किया

(ग) विभिन्न संस्कृत संस्थाओं का निरीक्षण कार्य किया।

(घ) इलाहाबाद में पुस्तक मेला में परिसर का प्रतिनिधित्व किया।

(ङ) एक सदस्य के रूप में कार्य किया

(i) संस्थान के वेबसाइट को पाठ्य सामग्री देने हेतु एक मोनोग्राफ तैयार करने वाले कार्यबल के–

(ii) आंकड़ा-पत्र दल के सत्यापन तथा परीक्षण के–

(iii) परिसर के क्रय तथा आन्तरिक पूछताछ समतियों के–

(iv) परिसर के स्टोर तथा पुस्तकालय के सत्यापन दल के–

(v) राष्ट्रीय पाण्डुलिपि मिशन, नई दिल्ली के दस्तावेजीकरण कार्य लिया।

8. श्रीमती बीणा मिश्रा, संग्रहाध्यक्ष

(क) दस्तावेजी कार्य का 1-6-2006 से 31-12-2006 तक सर्वेक्षण किया

(ख) श्री यसुतोक मुरैया, एक जापानी विद्वान की न्याय के कुछ पाण्डुलिपियों पर सहायता की।

(ग) पाण्डुलिपियों के चयन में विद्वानों की सहायता की

9. डॉ. श्रीमती शैलजा पाण्डेय, शोध सहायक

(क) 'सत्योपाख्यान' पाण्डुलिपि के प्रथम भाग की प्रेस प्रतिलिपि तैयार की।

(ख) 'सत्योपाख्यान' के दूसरे भाग का कार्य प्रगति पर है।

(ग) में भाग लिया :

(i) महिला ज्योतिष सम्मेलन

(ii) 'संस्कृत के विषय में' पर कार्यशाला

(iii) दस्तावेजीकरण कार्य

(iv) पाण्डुलिपियों का सत्यापन तथा पुस्तकालय

(v) दो संगोष्ठियां तथा पत्र प्रस्तुत किए

(vi) जम्मु में अखिल भारतीय ओरियेंटल सम्मेलन

(vii) संस्थान द्वारा आयोजित वसंतोत्सव

(घ) 9-12-2006 को रेडियो वार्तालाप किया।

10. श्री राम चन्द्र, शोध सहायक

एक पाण्डुलिपि का कार्य लिया.

11. डॉ. राम किशोर झा, प्रतिलिपिक

(क) 1-6-2006 से 31-12-2006 तक दस्तावेजीकरण के दौरान पाण्डुलिपियों के में सहायता की।

(ख) एक संस्कृत नाटक 'विजयी विजयम्' का सम्पादन किया जो परिसर-पत्रिका में प्रकाशित हुआ।

अतिरिक्त गतिविधियां :

1. अप्रैल 2006 में अखिल वी.सी. सम्मेलन हेतु सदस्यता प्राप्त करने के उद्देश्य से एक वीडियो सी.डी. तैयार की गई
2. 'संस्कृत आज की' पर 10-5-2006 से 19-5-2006 तक एक कार्यशाला आयोजित की गई
3. विभिन्न प्रतियोगिताओं के संचालन के साथ 'संस्कृत दिवस' एक सप्ताह तक मनाया गया। इस अवसर पर, डा. रमाकांत शुक्ला, संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष, इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय, खटीरगढ़, छत्तीसगढ़- मुख्य अतिथि थे।
4. एन.आर.एल.सी. से कुछ कार्मिक, जून 2006 में आए और पाण्डुलिपियों के रोकथाम संरक्षण का संचालन किया।
5. एन एफ एस ई कक्षाएं 8 दिसंबर 2006 से 8 मार्च 2007 तक संचालित की गई।
6. पाण्डुलिपियों का दस्तावेजीकरण 1 जून 2006 से 31 दिसंबर 2006 तक हुआ।
7. एन एफ एस सी. शिक्षकों की परीक्षा 10 दिसंबर 2006 को हुई
8. अन्य केंद्रों के एन.एफ.एस.सी. छात्रों की प्रतियोगिता 20 फरवरी 2007 को हुई।
9. पाण्डुलिपि अनुभाग को देखने 25-2-2007 को एक उच्च शक्तिपूर्ण समिति ने परिसर का दौरा किया।
10. श्रीमती पुष्पा दीक्षित ने फरवरी 2007 में एक छात्र के मौखिक परीक्षा हेतु परिसर में आई।
11. प्रो. के.ई. गोविंदन ने राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति हेतु पांच पाण्डुलिपियां प्राप्त की।
12. जम्मु के अखिल भारतीय वैश्विक सम्मेलन में शैक्षिक-स्टाफ ने भाग लिया।

5.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)

परम्परागत संस्कृत अध्ययन-अध्यापन में चिरकाल से सम्बद्ध, राज्य सरकार के अन्तर्गत संचालित पूर्ववर्ती सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का 15 अगस्त, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा अधि ग्रहण किया गया। प्रबन्धन के अन्तरण के पश्चात् पुराने सदाशिव संस्कृत कॉलेज, पुरी का नाम बदल कर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, पुरी रखा गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी मिल जाने के कारण अब यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री सदाशिव परिसर, पुरी के रूप में कार्य कर रहा है।

यह परिसर साहित्य, नव्य व्याकरण, धर्मशास्त्र, पुराणेतिहास, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, अद्वैत वेदान्त, सांख्य योग, नव्य न्याय, सर्वदर्शन आदि विभिन्न विभागों में प्राक् शास्त्री से आचार्य तक शिक्षण प्रदान करता है। परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है।

इन विषयों के अतिरिक्त, संस्थान के पाठ्यक्रमों के अनुसार शास्त्री व प्राक्शास्त्री की कक्षाओं में अंग्रेजी, हिन्दी, उड़िया, इतिहास, गणित और कंप्यूटर शिक्षा जैसे कुछ आधुनिक विषयों का अध्यापन किया जा रहा है। परिसर में बी.एड. के बराबर शिक्षाशास्त्री (प्रशिक्षण) पाठ्यक्रम भी चलाया जाता है।

परिसर के शैक्षिक क्रियाकलाप 4.78 एकड़ भूमि पर नव-निर्मित भवन में आरम्भ हो गए हैं। परिसर में पाठकों के लिए विभिन्न विषयों पर लगभग 50000 पुस्तकों, हस्तलिपियों और पत्रिकाओं से युक्त अति समृद्ध पुस्तकालय है।

इस वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक कुल 618 छात्र पंजीकृत थे। इन छात्रों में से 26 अनु.जा./अनु. जनजाति से सम्बद्ध थे और 300 छात्राएँ थीं। 118 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई थी।

छात्रों के क्रियाकलाप

परिसर प्रतिवर्ष छात्रों के लिए शैक्षिक प्रतियोगिताएँ आयोजित करता है। इस वर्ष अन्तर्विभागीय वाद-विवाद प्रतियोगिता आयोजित की गई। आचार्य द्वितीय वर्ष की सत्यव्रत वेहेरा एवं प्राक् शास्त्री प्रथम वर्ष के सौम्यरंजन सारंगी को क्रमशः वरिष्ठ और कनिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। परिसर के आठ छात्रों ने इसी परिसर में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भी भाग लिया। छात्रों ने वसन्तोत्सव के अवसर पर नई दिल्ली में संस्कृत नाटक का भी मंचन किया। परिसर की वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन पुरी जिला स्कूल ग्राउंड में किया गया और 176 खिलाड़ियों ने प्रतियोगिताओं में भाग ग्रहण किया। श्री देवेन्द्र कुमार, शिक्षा-शास्त्री, कु. हपिना पात्र, आचार्य प्रथम वर्ष, श्री सुभाष चंद्र दास प्राक्शास्त्री, द्वितीय वर्ष तथा कु. जारमनि बारिक, प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष क्रमशः वरिष्ठ बालक, वरिष्ठ बालिका, कनिष्ठ बालक और कनिष्ठ बालिका वर्ग में विजेता रहे। आचार्य प्रथम वर्ष की कक्षा को खेदकूद में अधिकतम अंकों के साथ सर्वकक्षा विजय मिली। कुमारी रीता स्वेन, कु. सांति सेनपति, कु. नमितांजलि त्रिपाठी, कु. संजिता नायक बालिकाओं में तथा श्री विभु प्रसाद दाश, श्री अजय कुमार मोहपात्र- परिसर के छात्र-छात्राओं ने जिला खेलकूद कार्यालय द्वारा आयोजित पुरी जिला युवक उत्सव में भाग लिया।

ध्यान चंद, हॉकी महारथी की याद में, वरिष्ठ और कनिष्ठ छात्रों हेतु खेल, पहेली, तथा वाद विवाद प्रतियोगिताओं के आयोजन के अवसर पर 'राष्ट्रीय खेल दिवस' मनाया गया। विजेताओं को पुरस्कार दिए गए।

अन्य विशेषताएँ

शिक्षा-शास्त्री के छात्रों हेतु उनके शैक्षिक पर्यटन के अतिरिक्त दस दिवसीय स्काउट व गाईड एवं प्रथम उपचार प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। अनौचारिक संस्कृत शिक्षण के केन्द्रों में से एक यह परिसर भी है और इसमें प्रथमा एवं द्वितीया दीक्षा की कक्षाओं का संचालन सफलता-पूर्वक किया गया। शिक्षकों तथा छात्रों ने संस्कृत और हिन्दी दिवस समारोहों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इनमें विशिष्ट व्यक्तित्वों की उपस्थिति रही। संस्कृत सप्ताहोत्सव के अवसर पर प्रो.

गोपालाकृष्ण दाश, उत्कल विश्वविद्यालय तथा प्रो. ए. सी.मारंगी, कुलपति श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, क्रमशः उद्घाटन तथा समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे।

5.3 श्री रणवीर परिसर, जम्मू (जम्मू और कश्मीर)

जम्मू एवं कश्मीर के पूर्व महाराज श्री रणवीर सिंह जी के द्वारा संस्थापित पूर्ववर्ती श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय का अधिग्रहण 1 अप्रैल, 1971 को संस्थान द्वारा अंगीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया तथा इसका नाम श्री रणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ रखा गया। संस्थान की घोषणा मानित विश्वविद्यालय के रूप में किए जाने पर विद्यापीठ का नामकरण पुनः श्री रणवीर परिसर के रूप में किया गया। यह व्याकरण, ज्योतिष (फलित एवं सिद्धान्त), साहित्य, दर्शन, शिक्षा-शास्त्र एवं काश्मीर शैव दर्शन कोश योजना रूपी छः विभागों के माध्यम से कार्यरत है। प्राक् शास्त्री से आचार्य तक के छात्र यहाँ विभिन्न विषयों के विद्वान शिक्षकों से शिक्षा प्राप्त करते हैं। संस्कृत अध्यापकों के प्रशिक्षण के लिए 1979 में शिक्षाशास्त्री (बी.एड.) पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया। शास्त्री स्तर तक पारम्परिक विषयों के साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र तथा इतिहास जैसे आधुनिक विषय पढ़ाए जाते हैं।

छात्रों हेतु कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, संगीत कक्षा और योग प्रशिक्षण की भी अच्छी व्यवस्था है। इसके अतिरिक्त, परिसर विद्यावारिधि (पी-एच.डी) उपाधि प्रदान करने हेतु शोध कार्यक्रम प्रदान करता है। अब तक इस केन्द्र से 95 से अधिक शोध-छात्रों को यह उपाधि मिल चुकी है। परिसर ने कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश नामक महत्वपूर्ण योजना का बीड़ा उठाया है। इसका उद्देश्य कश्मीर शैव दर्शन शब्दकोश का संकलन करना है। इसमें समृद्ध पुस्तकालय है और इसे अब तक 19 रचनाओं के प्रकाशन का श्रेय मिल चुका है।

इस समय परिसर किराए के भवन में अपना कार्य कर रहा है। जम्मू व कश्मीर की राज्य सरकार ने परिसर हेतु गाँव कोट भलवाल में 84 कनाल भूमि आबंटित की है और भवन-निर्माण का कार्य प्रगति पर है। शीघ्र ही इसके पूर्ण होने की संभावना है। अगामी शैक्षिक वर्ष से नये परिसर में कार्यक्रम प्रारंभ होने की आशा है। वर्ष के दौरान की प्रमुख घटना 18 मार्च, 2007 को आदरणीय डा. करण सिंह जी, एक प्रसिद्ध विद्वान तथा संसद सदस्य द्वारा कोट भलवाल, जम्मू के परिसर की अपनी मुख्य इमारत, पुस्तकालय तथा रिहायशी ब्लाक का उद्घाटन रहा।

वर्ष 2006-2007 में विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश-प्राप्त छात्रों की कुल संख्या 422 थी। प्रविष्ट छात्रों में से 40 छात्रों को छात्रवास की सुविधा प्रदान की गई। इनमें से अ.जा. श्रेणी के 8 छात्रों ने, अ.ज.जा. के 4 छात्रों ने, 3 विकलांगों ने और 16 छात्राओं ने विभिन्न कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया।

अतिरिक्त क्रियाकलाप :

परिसर ने 8-11 अगस्त 2006 को संस्कृत सप्ताहोत्सव का आयोजन किया। प्रो. वी.एम. शास्त्री, परिसर के प्रधानाचार्य ने समारोह की अध्यक्षता की तथा श्री डी. के. वैद्य, शिक्षा निदेशक, राज्य सरकार प्रमुख अतिथि थे। प्रमुख अतिथि परिसर के कार्यक्रमों और गतिविधियों से इतने प्रभावित हुए कि राज्य सरकार की संस्थाओं से संस्कृत छात्रों को बुलाने पर जोर देते रहे। डा. हरिनारायण तिवारी तथा डा. वैद्यनाथ झा ने इस अवसर पर विशेष भाषण दिए। 10 अगस्त 2006 को, प्रो. रमणीक जलाली, संस्कृत विभागाध्यक्ष, जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मू प्रधान अतिथि रहे। समापन समारोह में, डा. एस. के. बलोरिया पूर्व मुख्य सचिव, जम्मू तथा कश्मीर राज्य सरकार ने मुख्य अतिथि के रूप में शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के अंश रूप में कवि-सम्मेलन भी आयोजित किया गया।

विभिन्न परिषदों जैसे- व्याकरण परिषद, ज्योतिष परिषद, दर्शन परिषद, साहित्य परिषद और शिक्षा शास्त्री परिषद के विभागीय बैठक सितम्बर 2006 में किसी एक दिन हुए। बाद में सभी परिषदों की एक संयुक्त बैठक बुलाई गई जिसमें सभी शिक्षक और छात्र उपस्थित थे। 14 सितम्बर 2006 को हिंदी दिवस मनाया गया और प्रो. चंचल भारती, सेवानिवृत विभिन्न संस्थानों के

प्राचार्य इस अवसर के मुख्य अतिथि थे। 12 से 14 अक्टूबर 2006 को कश्मीर शैव दर्शन विभाग की गतिविधियों पर प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री कुलपति की अध्यक्षता में एक बैठक हुई जिसमें कुलसचिव वि. गिरि तथा अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। अधिकारियों ने कोट भलवाल, जम्मू के परिसर के नवनिर्मित भवन का भी निरीक्षण किया तथा इमारत के अधिग्रहण विषय पर सी.पी. डब्ल्यु.डी. के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। कुलपति प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री ने दूसरे दिन राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति के कुलपति प्रो. हरे कृष्ण शत्पथी के सम्मान में आयोजित स्वागत समारोह की भी अध्यक्षता की। प्रो. सत्पथी ने अपने भषण में जम्मू तथा कश्मीर की पुरा संस्कृत परम्पराओं पर प्रकाश डाला।

परिसर की वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं तथा वार्षिक साहित्य प्रतियोगिताएं क्रमशः 1-10 नवम्बर 2006 तथा 22-24 नवम्बर 2006 को आयोजित की गई। 6-10 नवम्बर 2006 को सतर्कता सप्ताह भी मनाया गया जिसमें श्री चौधरी लाल सिंह, सांसद-सदस्य मुख्य अतिथि थे तथा श्री डी.के. वैध, शिक्षा निदेशक, जम्मू और कश्मीर राज्य-सरकार सम्माननीय अतिथि थे। इस अवसर पर प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को पुरस्कृत किया गया। छात्रों ने श्लोकांत्याक्षरी तथा योग-प्रदर्शन पर प्रशंसा प्राप्त की।

नये परिसर, कोट-भलवाल के उद्घाटन समारोह के अवसर पर 18 मार्च 2007 को, श्री मदनलाल शर्मा, स्थानीय संसद सदस्य, श्री युगल किशोर शर्मा, ग्रामीण विकास मंत्री, जम्मू-कश्मीर राज्य सरकार, प्रो.वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति तथा डा. सी. गिरि कुलसचिव ने अपनी उपस्थिति से अवसर को गौरवान्वित किया। आदरणीय डा. करण सिंह जी, मुख्य अतिथि ने नये परिसर के उद्घाटन के साथ महाराजा श्री रणवीर सिंह के चित्र को भी अनावृत किया। शिक्षा-शास्त्र विभाग के एक दस दिवसीय स्काउट तथा गाइड प्रशिक्षण अभियान का 27 नवम्बर 2006 से आगे संचालन किया गया। इस विभाग की शैक्षिक यात्रा का प्रबन्ध 20-26 मार्च 2007 के दौरान हरिद्वार में किया गया। दो शिक्षकों तथा एक सहायक के साथ शास्त्री तृतीय वर्ष के 21 छात्रों ने 18-31 दिसम्बर 2006 को गोवा, मुंबई तथा नई दिल्ली का दौरा किया। 9 मार्च 2007 को परिसर छात्र पटनीटॉप भी गए। पर्यावरण- अध्ययन का एक छात्रसमूह, औद्योगिक क्षेत्र, बड़ी ब्रह्मन, सीद्धद गया। वसंतोत्सव के अवसर पर संस्थान द्वारा 20-22 फरवरी 2007 को नई दिल्ली में आयोजन हुआ जिसमें परिसर छात्रों ने एक संस्कृत नाटक 'चाणक्य विजयम्' का प्रदर्शन किया।

कश्मीर शैव दर्शन कोश परियोजना

परिसर में कश्मीर शैव दर्शन पर शारदा और देवनागरी लिपियों में लिखित लगभग 125 दुर्लभ हस्तलिपियाँ सुरक्षित हैं। उनकी प्रतिलिपि करना तथा अनुवाद-कार्य प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त, कश्मीर शैव दर्शन कोश संकलन की भव्य परियोजना के अन्तर्गत कोश के प्रथम दो खण्ड प्रकाशित किए गए।

5.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, त्रिचूर (केरल)

यह परिसर संस्थान द्वारा 16 जुलाई, 1979 को अधिग्रहण से पूर्व साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के नाम से जाना जाता था। पश्चात इसे केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ, गुरुवायूर, संस्थान के अंगीभूत एकक के रूप में जाना जाने लगा। संस्थान को मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्राप्त होने पर इसे पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), गुरुवायूर परिसर नाम दिया गया है। यह परिसर त्रिचूर के पास पुरनाट्टुकरा हरित क्षेत्र में स्थित है जो त्रिचूर रेलवे स्टेशन से 11 किलोमीटर की दूरी पर गुरुवायूर मन्दिर को जाने वाले मार्ग में है। लोक निर्माण विभाग द्वारा इस सुन्दर भवन का निर्माण किया गया है, जिसकी लागत 2.20 करोड़ रुपये है। मानव संसाधन विकास मंत्रालय की सहायता से मानित विश्वविद्यालय ने परिसर के द्वितीय चरण के भवन निर्माणार्थ स्वीकृति दी है जिसमें बालक-बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास, पुस्तकालय तथा अतिथि गृह शामिल हैं एवं लागत 6.31 करोड़ रुपए है। अब तक लगभग 80% कार्य सम्पन्न हो चुका है।

इस परिसर में शोध-कार्य किया जाता है जिसके उपरान्त विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि मिलती है। इसके अतिरिक्त साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त तथा न्याय में आचार्य तथा शास्त्री स्तर तक का अध्यापन होता है। परिसर में शास्त्री स्तर पर शिक्षा शास्त्री (बी. एड.) और स्कूल शिक्षा (प्राक्शास्त्री) का भी अध्यापन होता है। परिसर में कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध है।

प्रस्तुत शैक्षणिक वर्ष में प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक विभिन्न पाठ्यक्रमों में कुल 401 छात्रों का पंजीयन किया गया। दो शोध छात्रों को विद्यावारिधि उपाधि प्रदान की गई।

वर्ष 2005-06 में परिसर के क्रियाकलाप

विस्तार व्याख्यान माला :

विस्तार व्याख्यान माला का संचालन 15 दिसंबर 2006 से 15 फरवरी 2007 तक किया गया। डा. सुन्दर राजन्-सेवानिवृत्त आई. ए. एस. तथा राष्ट्रपति के सम्मान-प्रमाणपत्र प्राप्त (शोध-आधारित भाषण पर) ने इसका उद्घाटन किया। प्रो. किशोर पदी-, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी, प्रो. एस. सुब्रमण्यम शास्त्री, निदेशक, सुदूर शिक्षा केंद्र, एस.पी. आर तेलुगु विश्वविद्यालय हैदराबाद तथा प्रो. रामकृष्ण भट्ट, संस्कृत विश्वविद्यालय, कलादि जैसे प्रसिद्ध विद्वानों ने भी विभिन्न शास्त्रों पर अपना भाषण दिया।

संस्कृत दिवस समारोह :

संस्कृत दिवस जो 'संस्कृत महोत्सव' रूप में पुनर्नामकृत हुआ, अगस्त 2006 को उपयुक्त ढंग से मनाया गया। परिसर के छात्रों के लिए विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जो विभिन्न विषयों पर भी बोले।

छात्र कल्याण संघ :

छात्र कल्याण संघ का उद्घाटन 18 सितम्बर 2006 को सभी कक्षाओं के योग्यता-सह-उत्सुकता के आधार पर चयनित छात्र प्रतिनिधियों के साथ किया गया। इस अवसर पर डा. राधाकृष्णन, कुलपति, श्री शंकराचार्य संस्कृत विश्वविद्यालय, कलादि मुख्य अतिथि थे। परिसर के प्रधानाचार्य ने अपने उद्घाटन-भाषण के साथ समारोह की अध्यक्षता की। कर्मचारी और छात्रों के प्रतिनिधि भी इस अवसर पर बोले। ललित कलाओं, साहित्यिक विषयों, खेलकूद एवं पत्रिका से सम्बद्ध विभिन्न समितियों का निर्माण किया गया। एक तेरह दिवसीय संस्कृत शिविर, सद्यः प्रविष्ट प्राक्शास्त्री के छात्रों के लाभार्थ आयोजित किया गया। दिसम्बर 2006 में खेलकूद, साहित्यिक एवं ललित कलाओं सम्बन्धी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ :

दिल्ली में, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित वसंतोत्सव के अवसर पर छात्रों ने 'स्वप्न वासवदत्ता' नाटक का मंचन किया और प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। प्रत्येक प्रतिभागी छात्र का प्रदर्शन उत्कृष्ट था।

वार्षिक दिवस का आयोजन 12 मार्च, 2007 को किया गया। प्रो. हरेकृष्ण शतपथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ (मानित विश्वविद्यालय, तिरुपति), मुख्य अतिथि थे तथा परिसर के प्राधानाचार्य ने समारोह की अध्यक्षता की। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी छात्रों को पुरस्कार दिए गए।

18 नवम्बर 2006 से 24 फरवरी 2007 तक, श्री एम. चंद्रकांथ, प्रवक्ता द्वारा ज्योतिष में परिचयात्मक पाठ्यक्रम संयोजित किया हुआ चलाया गया। प्रधानाचार्य ने इसका उद्घाटन किया। लगभग 25 छात्रों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा यह मौखिक तथा लिखित परीक्षा के साथ समाप्त हुआ। सभी छात्र सफल प्रतिभागी घोषित किए गए तथा उन्हें प्रमाणपत्र दिया गया।

स्थानीय प्रशासन से वृत्ति

जिला विकास अधिकारी और जनजातीय विकास अधिकारी, त्रिचूर द्वारा वृत्ति के रूप में शैक्षिक छूट 28 अ.जा. के छात्रों को, 02 अ.ज.जा. के छात्रों तथा 3 अ. शै. श्रेणी के छात्रों को दी गई।

5.5 जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना राजस्थान संस्कृत अकादमी की संस्तुतियों के आधार पर एवं राजस्थान के तत्कालीन मुख्यमंत्री के द्वारा तत्कालीन शिक्षामंत्री, भारत सरकार को किये गये अनुरोध के फलस्वरूप मई 1983 में जयपुर में हुई। अब इसका परिवर्तित नाम राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का जयपुर परिसर है। इस परिसर को जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा 7.27 एकड़ भूमि त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाई पास, जयपुर में रेलवे स्टेशन से लगभग 12 किलोमीटर दूर उपलब्ध कराई गई है। परिसर के मुख्य भवन का निर्माण तथा छात्र-छात्राओं के छात्रावास तथा नौ कर्मचारी आवास सहित रुपये 6.00 करोड़ की लागत से पूरा हो चुका है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके पश्चात विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि दी जाती है। इसके साथ साहित्य, ज्योतिष, व्याकरण, धर्मशास्त्र, जैन दर्शन में आचार्य एवं शास्त्री स्तर का अध्यापन होता है, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) शास्त्री स्तर पर तथा प्राक् शास्त्री का सीनियर सेकण्डरी स्तर पर अध्यापन होता है। इसके अतिरिक्त छात्रों को कम्प्यूटर शिक्षा सुविधा भी उपलब्ध कराई जाती है।

विचाराधीन वर्ष में, विभिन्न कक्षाओं में कुल 758 छात्रों का पंजीकरण हुआ है। 150 छात्रों को छात्रावास की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

सह-पाठ्यक्रम तथा पाठ्येतर गतिविधियाँ :

परिसर ने 'नागेशोत्तर व्याकरणशास्त्र' विषय पर 10 से 11 दिसम्बर 2006 को अखिल भारत के आधार पर दो दिन की एक संगोष्ठी आयोजित की। देश के विभिन्न स्थानों से प्रसिद्ध विद्वानों ने इसमें भाग लिया, भाषण दिया और पत्र प्रस्तुत किया। उनमें से कुछ हैं– प्रो. रामकृष्णाचार्युलु, कुलपति, जगतगुरु रामानंदाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर, पंडित विश्वनाथ मिश्र, राष्ट्रपति के सम्मान-प्रमाणपत्र प्राप्त, लडनु, पंडित रामकिशोर शुक्ला, पूर्व प्रधानाचार्य, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, प्रो. अर्कनाथ चौधरी, जयपुर, डा. रमाकांत पाण्डे, बी. एच.यु., वाराणसी, डा. रामसलाही द्विवेदी, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली तथा डा. अशोक कुमार तिवारी, जयपुर।

डा. हिन्द केसरी, प्रधानाचार्य के सर्वेक्षण के अन्तर्गत डा. रमाकांत पाण्डे, रीडर ने संगोष्ठी का समन्वयन किया। राजस्थान संस्कृत अकादमी, संगोष्ठी में प्रदत्त 24 शोध पत्रों को प्रकाशित करने का विचार कर रही है।

एक विशेष भाषणमाला का आयोजन, परिसर ने डा. हिन्द केसरी, प्रधानाचार्य के सर्वेक्षण में आयोजित किया जिसका समन्वयन डा. के.पी. केशवन, साहित्य विभाग के प्रधान ने किया। प्राय: सभी संकाय सदस्यों ने अपने अपने विषय पर भाषण दिया। परिसर की पत्रिका में इन्हें प्रकाशित करने की योजना है।

वार्षिक दिवस समारोह का आयोजन 10 फरवरी 2007 को परिसर में किया गया। इस अवसर पर, प्रो. सुरेंद्र कुमार ठाकुर, एन.सी.टी.ई., नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की तथा डा. बी. कृष्ण रेड्डी, क्षेत्रीय निदेशक, एन.सी.टी.ई. जयपुर मुख्य अतिथि रहे। डा. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने सम्माननीय अतिथि के रूप में अवसर की शोभा बढ़ाई। अतिथियों ने, पुस्तकालय, छात्रावास तथा विभिन्न कक्षाओं का निरीक्षण भी किया तथा पूर्ण संतोष प्रदर्शित किया। विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजयी छात्रों को पुरस्कार दिए गए।

संकाय सदस्यों की गतिविधियां :

1. **डा. हिन्द केसरी,** प्राधानाचार्य (क) 'नागेशोत्तर व्याकरणशास्त्र' पर अखिल भारतीय संगोष्ठी की अध्यक्षता की तथा शोध-पत्र प्रस्तुत किया। (ख) राजस्थान विश्वविद्यालय द्वारा 10 मार्च 2007 को आयोजित भाषणमाला की अध्यक्षता की।
2. प्रो. वासुदेव शर्मा, आचार्य (क) छ: शोधपत्रों को प्रकाशित किया। (ख) दक्ष तथा अध्यक्ष रूप में कई बार आमंत्रित। (ग) मेवाड़ स्थापन, उदयपुर द्वारा 'हरित ऋषि' रूप में सम्मानित।

3. प्रो. अर्कनाथ चौधरी (क)विभिन्न पत्रिकाओं में दस शोधपत्र प्रकाशित (ख) हिन्दी टिप्पणी 'अर्थ प्रकाशिका' के साथ सिद्धांत कौमुदी (संज्ञा से अजन्त नपुंसक लिंग प्रकरण) प्रकाशित (ग) विद्वत गोष्ठियों में 'दक्ष' रूप में आमंत्रित (घ) 'शास्त्र महोदधि' तथा 'सरस्वती' उपाधियों से सम्मानित।

4. डा. के. पी. केशवन, रीडर महत्त्वपूर्ण कार्य 'व्यक्तिविवेक समीक्षणम्' प्रकाशित।

5. डा. श्रियांस कु. सिंघई, रीडर दो पुस्तकें तथा तीन पत्र प्रकाशित। पुस्तकों में एक का सर्वश्री भैरों सिंह शेखावत, उप राष्ट्रपति, भारत द्वारा जयपुर में विमोचन हुआ

6. डा. शिवकांत झा, रीडर (क) दो पुस्तकें तथा दो शोध पत्र प्रकाशित। (ख) दो संगोष्ठियों में शोध पत्र प्रस्तुत।

7. डा. विजय पाल शास्त्री, रीडर (क) संपादित कार्य 'अर्जुनारवनियम्' प्रेस में (ख) तीन शोधपत्र प्रकाशित (ग) दो संगोष्ठियों में पत्र प्रस्तुत

8. डा. रमाकांत पाण्डे, रीडर (क) एक ऐतिहासिक काव्य 'ईश्वर विलास' हिन्दी अनुवाद सहित का समीक्षात्मक सम्पादन प्रकाशित।

छात्रों की गतिविधियां :

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नई दिल्ली में आयोजित वसंतोत्सव के अवसर पर परिसर के छात्रों ने संस्कृत नाटक प्रतियोगिता में 'बालभरतम्' नाटक का मंचन किया। छात्रों ने पुरी में आयोजित 'अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में भी भाग लिया। छात्र और छात्राओं हेतु वार्षिक खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन 15 जनवरी से 19 जनवरी, 2007 तक किया गया। छात्रों ने कबड्डी, बॉलीबाल और दौड़ तथा छात्राओं ने दौड़ और डिस्क फेंक्ने में भाग लिया। श्री कैलाश चंद मीना तथा कु. सारिका शर्मा क्रमशः छात्र तथा छात्रा को श्रेष्ठ खिलाड़ी घोषित किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना, क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर तथा राजस्थान कालेज शिक्षा निदेशालय तथा राष्ट्रीय सेवा योजना क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर से सहयोजित राष्ट्रीय सेवा योजना की एक इकाई का प्रबंध परिसर ने कर लिया। 120 एन. एस.एस. छात्र एवं आत्राओं ने सामाजिक उपयोगिता, पर्यावरण की सुरक्षा तथा वृक्षारोपण, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण, महिला जागरुकता तथा शिशु-स्वास्थ्य, पोलियो-अभियान में भागीदारी, स्वैच्छिक श्रम तथा वयस्क शिक्षा जैसे विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। सन्तोकबा दुर्लभजी स्मारक अस्पताल, जयपुर तथा राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण समाज के साथ 1फरवरी 2007 को स्वयंसेवियों ने रक्तदान शिविर का प्रबन्ध किया। शिविर में 16 लोगों ने 67 एकक रक्तदान किया। 19 से 25 नवम्बर 2006 तक राष्ट्रीय समायोजन सप्ताह मनाया गया। स्वयंसेवियों ने सामुदायिक सद्भावना हेतु राष्ट्रीय स्थापन को 3070/- रुपये की राशि भेंट की। 24 अगस्त 2006को परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम का संचालन किया गया। श्री किशोर ढोगरे तथा कुमारी आराधना व्यास- शास्त्री तृतीय वर्ष के छात्र क्रमशः छात्र एवं छात्राओं में श्रेष्ठ स्वयंसेवी निर्णीत हुए।

5.6 लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अपने अंगीभूत केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ को जुलाई, 1983 में लखनऊ में स्थापित किया गया। मानित विश्वविद्यालय की पदवी प्राप्ति के पश्चात् संस्थान द्वारा इसका नाम परिवर्तित करके 'लखनऊ परिसर' रखा गया। इस परिसर हेतु 10 एकड़ भूमि गोमती नगर, विशाल खण्ड में लखनऊ विकास प्राधिकरण से प्राप्त की गई। यह रेलने स्टेशन से लगभग 12 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा परिसर में रु. 2.76 करोड़ की लागत से मुख्य भवन का निर्माण हो चुका है और परिसर के क्रियाकलाप वहाँ प्रारम्भ हो गए हैं। द्वितीय चरण में छात्र-छात्राओं हेतु छात्रावास का कार्य प्रगति पर है तथा कर्मचारियों हेतु न्यूनतम आवास के निर्माण का कार्य पूरा हो गया है।

परिसर में शोध कार्य होता है जिसके पश्चात विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि दी जाती है। साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष तथा बौद्ध दर्शन में शिक्षा आचार्य एवं शास्त्री स्तर पर, शिक्षा शास्त्री का(बी.एड.) शास्त्री स्तर तथा प्राक् शास्त्री का इण्टर स्तर पर शिक्षा दी जाती है। हिंदी, अंग्रेजी, राजनीति शास्त्र, अर्थशास्त्र तथा कम्प्यूटर शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों को पारंपरिक विषयों के साथ शास्त्री स्तर पर पढ़ाया जाता है। खेलकूद एवं योग गतिविधियों हेतु यहां एक विशाल क्रीड़ा-क्षेत्र है। शिक्षकों तथा छात्रों हेतु यहाँ एक समृद्ध पुस्तकालय भी है। प्रशिक्षणाधीन छात्रों के लाभार्थ शिक्षा-शास्त्र विभाग की प्रयोगशाला आधुनिक मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक प्रविधि उपकरणों से सज्जित है।

2006-07 के दौरान प्राक् शास्त्री से विद्यावारिधि तक कुल 336 छात्रों को प्रवेश मिला। उनमें से अ.जा. तथा अ.ज.जा. श्रेणी के क्रमशः 15 और 5 छात्र थे तथा75 छात्राएं थीं। 50 छात्रों को छात्रावास सुविधा मिली। 4 शोध-छात्रों ने शोध कार्यक्रम के अन्तर्गत अपना शोधकार्य प्रस्तुत किए और 6 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई।

पाठ्येतर गतिविधियाँ :

प्रतिवेदन में विचाराधीन वर्ष में, शिक्षकों तथा छात्रों के बीच शिक्षण कार्य के अतिरिक्त, परिसर सक्रिय रूप से पाठ्येतर गतिविधियों में व्यस्त रहा। संध्या सत्र में एक त्रिमासीय अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया। परिसर में, शिक्षा-शास्त्र विभाग के शिक्षक तथा छात्रों ने दस दिवसीय प्रथम उपचार प्रशिक्षण कार्यक्रम किया। इन छात्रों ने 27 जनवरी 2007 से 5 फरवरी 2007 तक, इलाहाबाद में चलाए गए स्काउट तथा गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रम में भी भाग लिया। संकाय सदस्य डा. लक्ष्मी निवास पाण्डे, डा. गजेंद्र प्रसाद शर्मा, डा. अवनीश अग्रवाल तथा डा. गणेश शंकर विद्यार्थी, इस कार्यक्रम में छात्रों के साथ गए। शिक्षा-शास्त्री के छात्रों का वार्षिक व्यवहारिक परीक्षा का संचालन 14-17 फरवरी 2007 को हुआ। इन छात्रों हेतु शैक्षिक भ्रमण का भी प्रबन्ध 27 फरवरी 2007 से 1 मार्च 2007 तक का किया गया। पर्यावरणीय शिक्षा पर विशेष भाषणों का आयोजन 21 मार्च से 26 मार्च 2007 तक किया गया। पर्यावरण-शिक्षा के छात्रों ने परिसर द्वारा आयोजित एक स्थानीय भ्रमण में भी भाग लिया।

परिसर ने 7-12 अगस्त 2007 तक संस्कृत सप्ताह समारोह मनाया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें शिक्षकों तथा छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रो. भरत भास्कर बाजपेई, भारतीय प्रबन्धन संस्थान, लखनऊ ने समारोह का उद्घाटन किया। पंडित विद्याधर व्यास, कुलपति, भट खण्डे संगीत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), लखनऊ ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. शिव सागर शुक्ला, पूर्व प्रधानाचार्य व डीन, आयुर्वेद विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय विशेष निमन्त्रित थे। इस सप्ताह भर लम्बे कार्यक्रम हेतु अन्य आमंत्रित विद्वान थे–प्रो. अग्नेयलाल, पूर्व कुलपति, अवध विश्वविद्यालय, फैजाबाद, प्रो. नवजीवन रस्तोगी, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय, डा. शंकर दत्त ओझा, सेवानिवृत्त आई.ए.एस., प्रो. उमेशचन्द्र रस्तोगी, पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष, लखनऊ विश्वविद्यालय; श्री प्रमोद कुमार पाण्डे, निदेशक, उ.प्र. संस्कृत संस्थान, लखनऊ; न्यायाधीश श्री नाथ सहाय, सेवानिवृत्त जज, इलाहाबाद उच्च न्यायालय तथा श्री मोहन स्वरूप, सचिव, गृह मंत्रालय, उ.प्र. राज्य सरकार– अन्य आमंत्रित विद्वानगण थे।

परिसर के वार्षिक दिवस समारोह का संचालन 17

जनवरी 2007 को किया गया। नई दिल्ली में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा 20 से 22 फरवरी 2007 को आयोजित वसंतोत्सव में परिसर के छात्रों ने संस्कृत नाटक प्रतियोगिताओं में भाग लिया तथा 'हास्यचूड़ामणि प्रहसनम्' नाटक का मंचन किया। अभिनायकों के अभिनय को सबने सराहा तथा नाटक ने द्वितीय पुरस्कार जीता। परिसर ने ज्योतिष पर त्रिमासीय पश्चिमात्मक पाठ्यक्रम का आयोजन किया।

छात्रों ने परिसर के अन्दर व बाहरी विभिन्न खेलों में भाग लिया। प्राक् शास्त्री के छात्र श्री अनिल कुमार ने उत्तरप्रदेश शहर के मुक्केबाजी प्रतियोगिता में लखनऊ क्षेत्र का प्रतिनिधतव किया। साथ ही, कृष्ण कुमार, रोहतास, सुभाष यादव और लल्लन सिंह के साथ अनिल कुमार ने उत्तरप्रदेश राज्य खेल 2006 में लखनऊ क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया तथा ग्रीक-रोमन मुक्केबाजी प्रतियोगिता में प्रथम आए। परिसर के छात्रों ने प्रथम ब्रह्म बक्श सिंह स्मारक राज्यस्तरीय मुक्केबाजी प्रतियोगिता में भी भाग लिया और नकद पुरस्कार जीता।

5.7 श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी (कर्नाटक)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने श्री राजीव गांधी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना अपने अंगीभूत एकक के रूप में शृंगेरी में 13जनवरी 1992 को की। मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में दिनांक 05.03.92 के शुभ दिन पर भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम श्री आर. वेंकटरमण के हाथों इस परिसर का उद्घाटन हुआ। इसका नामकरण अब पुन: राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के श्री राजीव गान्धी परिसर किया गया है। परिसर हेतु राज्य सरकार द्वारा शृंगेरी में 10 एकड़ भूमि प्रदान की गयी है जो कर्नाटक राज्य के चिकमंगलूर जिले में स्थित है जो मैंगलौर से 110 कि.मी., बंगलौर से 450 कि.मी., उडुपी से 70 कि.मी. और शिमोगा से 60 कि.मी. की दूरी पर स्थित है। शिमोगा बंगलौर से रेल मार्ग द्वारा जुड़ा हुआ है। केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग द्वारा रु. 1.63 करोड़ की लागत से परिसर के मुख्य भवन का निर्माण किया गया है। द्वितीय चरण में, बालक एवं बालिकाओं हेतु छात्रावास, न्यूनतम कर्मचारी आवास का निर्माण रु. 4.17 करोड़ की लागत पर होने को है।

परिसर साहित्य, व्याकरण, अद्वैत वेदान्त, मीमांसा और नव्य न्याय की शिक्षा आचार्य एवं शास्त्री स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड.) की शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री की इण्टर स्तर पर प्रदान कर रहा है। यहाँ शोध कार्य भी होता है जिसको सम्पन्न करने पर शोध छात्र को विद्यावारिधि (पी-एच.डी) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषयों तथा कम्प्यूटर का शिक्षण भी दिया जाता है।

वर्ष 2006-07 के शैक्षिक वर्ष में, विभिन्न कक्षाओं में 276 छात्रों को प्रवेश दिया गया। उनमें से 20 छात्र अ.जा./अ.ज.जा. के थे तथा 63 छात्राएँ थीं। 59 छात्रों को छात्रावास सुविधा प्रदान की गई। सन्त भारती तीर्थ महास्वामी जी और श्री गौरीशंकर जी, प्रशासक, श्रीमठ, शृंगेरी ने उदारतापूर्वक परिसर के सभी छात्रों को मध्याह्न तथा रात्रि-भोजन करवाया।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

छात्रों व संकाय सदस्यों के लाभार्थ 'श्री शारदा विशिष्ट व्याख्यानमाल' शीर्षक से परिसर के शास्त्रों में जो पढ़ाए गए का विस्तार भाषणमाला के रूप में प्रबन्ध किया गया। इनका समन्वयन–डा. ई.एम.राजन रीडर तथा डा. रामचन्द्रुल बालाजी प्रवक्ता ने किया। इसमें प्रसिद्ध विद्वान आमंत्रित किए गए। साथ ही शैक्षिक लाभार्थ, दो प्रवक्ताओं डा. नवीन होल्ला तथा डा. राघवेंद्र भट्ट के निरीक्षण में विभिन्न विषयों के वाक्यार्थ के 15 सत्रों को आयोजन किया गया। डा. चन्द्रशेखर भट-व्याकरण के व्याख्याता तथा डा. सोमनाथ साहु शिक्षा-शास्त्र के व्याख्याता द्वारा समायोजित वाक्वर्धिनि परिषद ने छात्र प्रतिनिधियों की सहायता से शास्त्रीय वाक्वर्धिनि सभा तथा शिक्षा शास्त्र सभा के 22 सत्रों का संचालन किया। परिसर ने, डा. वी. नवीन-होल्ला व्याख्याता के एक प्रमुख कार्य 'विवेचनी– शतकोटि पर एक टीका' का प्रकाशन किया जिसका विमोचन महामहिम श्री श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी के हाथों हुआ। 8 अगस्त 2006 से 14 अगस्त 2006 तक संस्कृत सप्ताह

समारोह का आयोजन किया गया।

परिसर के भीतर तथा बाहर संचालित साहित्यिक, सांस्कृतिक तथा खेल प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त पहेली तथा अंत्याक्षरी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन हुआ। मुख्य समारोह का उद्घाटन-महामहिम श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामी जी, श्री शारदा पीठम् के हाथों हुआ। शिक्षक दिवस के अवसर पर, प्रो. जी. महाबलेश्वर भट,– सेवानिवृत प्रो. श्री चमरजेन्द्र संस्कृत कॉलेज, बंगलौर और श्री गोपालकृष्ण भट, सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य प्रि-डिग्री-कॉलेज, कोप्पा को सम्मानित किया गया। साथ ही, परिसर ने– ओनम, हिन्दी-दिवस, शारदापूजा, सुवर्ण कर्नाटक महोत्सव, सतर्कता सप्ताह तथा गीथपरायनम् समारोहों को मनाया। परिसर के विभिन्न शास्त्रों व कक्षाओं के नौ छात्रों को जिन्होंने परीक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त किया, उन्हें श्री श्री श्री महामहिम भारथी तीर्थ महास्वामी जी के नाम पर संस्थापित 'स्वर्णपदकों' के लिए चुना गया। तीन मेधावी छात्रों को 'श्री महाबल भिडे अक्षय पुरस्कार', 'श्री बी.जी. सेषगोपाल अक्षय पुरस्कार' तथा 'गुरुकृपा पुरस्कार' के नाम से संस्थापित, अक्षय पुरस्कार प्रदान किए गए।

परिसर में, एक तीनमासीय–ज्योतिष में परिचयात्मक प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम का संचालन किया गया। 2 सितम्बर से 3 दिसम्बर, 2006 तक चलाये गए इस पाठ्क्रम में 30 छात्रों ने सफल भागीदारी की। इसके अतिरिक्त, 16 सितम्बर 2006 से 20 दिसम्बर 2006 तक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा कार्यक्रम के रूप में दीक्षा पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसका समायोजन डा. रमाकान्त मिश्र ने किया।

संकाय-सदस्यों की गतिविधियां :

1. **प्रो. ए.पी. सच्चिदानंद** (क) भाग लिया (i) एन. एफ.एस.ई के कर्नाटक राज्य समायोजक (ii) एन. सी.टी.ई. की निरीक्षण समिति सदस्य।

   (ख) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के शैक्षिक परिषद के सदस्य रूप में।

3. **डॉ. इ.एम. राजन, रीडर** (क) त्रिचूर (केरल) नवरात्र अष्टमी वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।

   (ख) श्री शंकर संस्कृत विश्वविद्यालय, केरल मे वाक्यार्थ भाषण दिया।

   (ग) रेवथी पट्टने, कुक्कुट क्रोडपुर के विद्वत सभा में भाग लिया।

   (घ) विशिष्ठ व्याख्यानमाला– श्री संस्कार संस्कृत विद्यालय, केरल में एक भाषण दिया।

   (ङ) प्लेटिनम जयन्ती समारोह, मद्रास संस्कृत कॉलेज, मीलपोर, चेन्नई में वाक्यार्थ किया।

   (च) प्राच्य विद्या सम्मेलन, जम्मु में वाक्यार्थ किया।

   (छ) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली से प्रकाशित 'श्री कृष्ण लीला विकास' का सम्पादन तथा टिप्पणी कार्य किया।

   (ज) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के केन्द्रीय शोध बोर्ड के सदस्य रूप में सूचीबद्ध हुए।

3. **डॉ. महाबलेश्वर पी. भट्ट, रीडर** (क) स्वर्णवल्ली मठ के वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।

   (ख) योगानंदेश्वर मठ के के. आर. नागर द्वारा धारवाड़ में आयोजित वेदान्त गोष्ठी में भाग लिया।

   (ग) रेवती पट्टथन, कालीकट (केरल) में वाक्यार्थ गोष्ठी में भाग लिया।

4. **डॉ. सुब्राय वी. भट्ट,** (क) महागणपति वाक्यार्थ विद्वत् सभा, श्री शारदापीठम् शृंगेरी में भाग **वरिष्ठ व्याख्याता** लिया।

   (ख) जम्मु के अखिल भारतीय सम्मेलन में भाग लिया।

   (ग) राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के शैक्षिक परिषद के सदस्य रूप में सूचीबद्ध हुए।

5. **डॉ. रमाकान्त मिश्र, व्याख्याता** (क) राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा संचालित एक दस दिवसीय राष्ट्रीय भाषा प्रक्रियात्मक शिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

   (ख) संस्कृत भारती द्वारा भोपाल में आयोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी में भाग लिया।

6. **डॉ. ई.पी. श्रीदेवी, व्याख्याता** राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा संचालित सद्य: पाठ्यक्रम में भाग लिया तथा 'ए' श्रेणी प्राप्त की।

7. **डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी, व्याख्याता** (क) आई ए एस ई तिरुपति में 'भाषा शिक्षण के निर्देशात्मक रुपांकन' पर एक संगोष्ठी में भाग लिया तथा पत्र प्रस्तुत किया।

(ख) जम्मु विश्वविद्यालय में 43वें अखिल भारतीय आरियेण्टल सम्मेलन की पण्डित परिषद में भाग लिया।

8. **डॉ. सी.एस.एस.एन.मूर्थि, व्याख्याता** (म) शंकराचार्य विश्वविद्यालय, कालादि में 'शब्दबोध' पर संगोष्ठी में भाग लिया।

(ख) स्वर्गीय श्री पेरि सूर्यनारायण शास्त्री के यादगार में 'गुरु संस्मरण सभा में भाग लिया।

(ग) 'महागणपति वाक्यार्थ सभा, शृंगेरी में भाग लिया।

(घ) अखिल भारतीय ओरियेण्टल सम्मेलन, जम्मु में भाग लिया।

9. **डॉ. नवीन होल्ला, व्याख्याता** (क) श्री महागणपति वाक्यार्थ सभा, श्री शारदा पीठम्, शृंगेरी में भाग लिया तथा सहयोजन किया।

(ख) पंडित परिषद, जम्मु के अखिल भारतीय ऑरियेण्डल सम्मेलन में भाग लिया तथा वाक्यार्थ किया।

10. **डा. चन्द्रशेखर भट, व्याख्याता** (क) सुधर्म रक्षण परिषद, आंध्र प्रदेश द्वारा तेनालि में आयोजित वाक्यार्थ सभा में वाक्यार्थ भाषण दिया।

(ख) सूत्र 'नय' पर स्वर्णवल्ली मठ में वाक्यार्थ भाषण दिया।

(ग) वैयाकरणीय बैठक, बंगलुरु में वाक्यार्थ भाषण दिया।

11. **श्री कृष्णनाश पद्मनाभम्, व्याख्याता**
(क) महा गणपति वाक्यार्थ सभा, शृंगेरी मठ में भाग लिया।

12. **श्री गणेश ईश्वर भट, व्याख्याता** (क) स्वर्णमल्ली मठ के वाक्यार्थ सभा में भाग लिया।

(ख) 'वेदान्त वाक्यार्थ विचार गोष्ठी, कृष्णराज नगर, बंगलुरु में भाग लिया।

(ग) अखिल भारतीय ऑरियण्टल सम्मेलन, जम्मु में वाक्यार्थ पर भाषण

(घ) जिलास्तरीय संस्कृत उत्सव शास्त्रीय प्रतियोगिता, स्वर्णवल्ली मठ में न्यायाधीश रूप में भाग लिया।

छात्रों की गतिविधियां :

विभिन्न शास्त्रों में अखिल भारतीय प्रतियोगिता हेतु उम्मीदवारों के चयन हेतु राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में, परिसर के छात्रों ने भाग लिया। श्री प्रमोद भट, शास्त्री, द्वितीय वर्ष के छात्र, ने व्याकरण-शलाका में प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। सर्वश्री अनन्तकृष्ण– आचार्य, प्रथम वर्ष, विनायक जी. भट –शास्त्री, तृतीय वर्ष, शंकर हेब्बर – आचार्य द्वितीय वर्ष, कु. उमा सी. एन – आचार्य प्रथम वर्ष तथा श्री शिवराम भट – आचार्य, तृतीय वर्ष क्रमश: न्याय भाषण, मीमांसा भाषण, ज्योतिष भाषण, साहित्य-भाषण तथा अन्त्याक्षरी में द्वितीय आए। इसी तरह, सर्वश्री गणमूर्थि- शास्त्री, द्वितीय वर्ष, तेजस्वी भट्ट –शास्त्री तृतीय वर्ष, सुदर्शन चिपलंकर –आचार्य द्वितीय वर्ष, तथा विश्वमूर्थि भट – आचार्य द्वितीय वर्ष क्रमश: न्यायशलाका, सांख्य भाषण, साहित्य भाषण तथा समस्यापूर्ति में तृतीय स्थान पर रहे। सभी प्रतियोगिताएं मिलाकर परिसर द्वितीय स्थान पर रहा। सर्वश्री शिवराम भट प्रमोद भट तथा अनन्थकृष्ण ने मट्ठूर, शिमोगा के शलाका परीक्षा में भी भाग लिया तथा व्याकरण में प्रथम तथा द्वितीय स्थान में तथा न्याय में द्वितीय रहे। इनके अतिरिक्त, श्री प्रमोद भट ने व्याकरण शलाका में स्वर्णपदक जीता तथा रुपये 7000/- का पुरस्कार प्राप्त किया। यह अखिल भारतीय प्रतियोगिता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, पुरी में आयोजित की गई थी।

परिसर में, 4-13 दिसम्बर, 2006 को स्काउट व गाइड कैम्प का आयोजन किया गया। शिक्षा शास्त्री के छात्रों ने उत्साहपूर्वक इसमें भाग लिया।

5.8 गरली परिसर, गरली (हिमाचल प्रदेश)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भारतीय स्वाधीनता के स्वर्ण जयन्ती वर्ष में हिमाचल प्रदेश के गरली नामक स्थान पर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की। इस विद्यापीठ का उद्घाटन तत्कालीन शिक्षा राज्य मंत्री के द्वारा हिमाचल प्रदेश के तत्कालीन मुख्य मंत्री की उपस्थिति में 16 सितम्बर 1997 के शुभ दिन को किया गया। इसका नामकरण अब पुनः राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के गरली परिसर के रूप में किया गया है। परिसर अभी किराये के भवन में चल रहा है। परिसर हेतु हिमाचल प्रदेश सरकार ने विपाशा के तट पर, गाँव बलहर, समीप प्रागपुर, तहसील देहरा, जिला काँगड़ा में 2-63-18 हेक्टेयर उपयुक्त भूमि आबंटित की है।

जीवन के सभी क्षेत्रों से सम्बद्ध छात्रों को प्राक् शास्त्री का शिक्षण इण्टर स्तर पर और साहित्य, ज्योतिष तथा व्याकरण विद्या विशेषों का शिक्षण शास्त्री एवं आचार्य स्तरों पर दिया जाता है। शोध-छात्रों को विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्राप्त करवाने की दिशा में शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया जाता है। कम्प्यूटर शिक्षा, पर्यावरण अध्ययन, हिन्दी, अंग्रेजी और इतिहास जैसे आधुनिक विषय भी पाठ्यक्रम के भाग के रूप में पढ़ाए जाते हैं।

शैक्षिक सत्र 2006-07 के दौरान 454 कुल छात्रों ने प्राक् शास्त्री से आचार्य तक की कक्षाओं में प्रवेश प्राप्त किया। जुलाई, 2006 में शैक्षिक गतिविधियां प्रारम्भ हुई।

पाठ्येतर गतिविधियाँ

परिसर पुस्तकालय, अध्ययनकक्ष तथा शोध व प्रकाशन गतिविधियों को चलाने हेतु 6 जुलाई 2006 को तहसीलदार रक्कर के साथ राजारानी राणा भवन को किराये में प्राप्त करने हेतु एक समझौता हुआ। संस्कृत सप्ताहोत्सव 6 से 12 अगस्त, 2006 को मनाया गया जिसमें विभिन्न साहित्यिक विषयों को लिया गया। अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा केंद्र का उद्घाटन 9 सितम्बर 2006 को किया गया। हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा परिसर भवन निर्माण हेतु बल्हर में भूमि खण्ड के हस्तान्तरण अवसर पर 17 नवम्बर 2006 को एक चिर-स्मरणीय समारोह का आयोजन किया गया। प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की तथा श्री भरत खेड़, जिला-मजिस्ट्रेट मुख्य अतिथि थे। परिसर के शिक्षकों व छात्रों ने 2 दिसम्बर 2006 को 'गीता जयन्ती समारोह का आयोजन किया। विभिन्न साहित्यिक प्रतियोगिताएं जैसे- संस्कृत भाषण, श्लोक पाठ, आलेख लेखन, संस्कृत गीत श्लोकान्त्याक्षरी आदि का आयोजन 4-7 दिसम्बर के मध्य किए गए। उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता प्रो. रामनारायण दास, प्रधानाचार्य, गरली परिसर द्वारा की गई। इसी तरह, वार्षिक खेल स्पर्धा 12 से 15 दिसम्बर 2006 को आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह के दौरान, श्री कुलदीप सिंह चौहान, प्रधानाचार्य, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गरली, मुख्य अतिथि थे तथा श्री मदन लाल, प्रधानाचार्य, सरकारी बालिका उच्च विद्यालय, सम्माननीय अतिथि थे। सभी कक्षा के छात्रों ने दौड़, कबड्डी, बॉलिबाल, ऊंची कूद, बैडमिण्टन तथा कैरम जैसे खेलों में भाग लिया। साहित्यिक प्रतियोगिताओं तथा खेल का समापन समारोह 15 दिसम्बर 2006 को मनाया गया जिसकी अध्यक्षता प्रो. राम नारायण दास, प्रधानाचार्य ने की।

परिसर ने वार्षिक दिवस समारोह 14 फरवरी 2007 को मनाया। पंडित दुर्गादत्त शास्त्री, राष्ट्रपति द्वारा सम्मान-प्रमाणपत्र प्राप्त, मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर श्री मनोहर लाल शर्मा, एस.डी.एम. देहरा तथा प्रो. दमोदर झा- विश्वेश्वरानंद वेदिक शोध संस्थान, होशियारपुर विशेष आमन्त्रितगण थे। साहित्यिक तथा खेल-स्पर्धाओं के विजेता छात्रों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार दिया।

परिसर ने 23 फरवरी 2007 को 'स्वास्थ्य जागरुकता कार्यक्रम' आयोजित किया। डा. अनिल कुमार शर्मा, दन्त चिकित्सक, सरकारी अस्पताल, गरली के सुझावों से छात्रगण लाभान्वित हुए। डा. रामकुमार शर्मा, रीडर, डा. सुबोध शर्मा, रीडर, डा. ए.सी. गौर वरिष्ठ व्याख्याता तथा डा. एस. के. त्रिपाठी व्याख्याता आदि 'अखिल

भारतीय ऑरियेण्टल सम्मेलन', जम्मु में शामिल हुए। डा. के.के. दलाई, व्याख्याता ने 30 अक्टूबर 2006 को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला में आयोजित 'नूतन पाठ्यक्रम' में भाग लिया। डा. मदन मोहन पाठक, रीडर ने 27-11-2006 से 2-12-2006 तक होशियारपुर में आयोजित महर्षि विश्वमित्र वेदवेदांग कार्यशाला में भाग लिया। 'कोविदानंदविमर्शिनि' डा. मोहन पाठक, डा. रामकुमार शर्मा, डा. सुबोध शर्मा तथा डा. चन्द्रमौलि रैना ने हिमाचल प्रदेश और पंजाब में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा केन्द्रों का दौरा किया।

डा. रामकुमार शर्मा, रीडर के निरीक्षण में नौ परिसर छात्रों ने पुरी में आयोजित अखिल भारतीय वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता में 27 से 29 दिसम्बर तक भाग लिया। श्री भानु शर्मा, आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र ने श्लोकान्त्याक्षरी तथा मीमांसा भाषण की प्रतियागिताओं में चांदी तथा कांस्य पदक जीते।

अन्तरमहाविद्यालय साहित्यिक प्रतियोगिता सरकारी पी.जी. कॉलेज, धलियार में आयोजित किए गए जिनमें छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया जैसे भाषण में सतीश कुमार, वादविवाद में रीना तथा राशि एवं काव्यपाठ में स्वाति शर्मा। उन्होंने क्रमशः तृतीय, तृतीय तथा द्वितीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली द्वारा आयोजित वसंतोत्सव में 'पंचरात्र' नामक संस्कृत नाटक का मंचन किया। उन्होंने 20 फरवरी 2007 को विश्वेश्वरानंद वेदिक शोध संस्थान, होशियारपुर में आयोजित अन्तर विश्वविद्यालय संस्कृत प्रतियोगिताओं में भी भाग लिया। मनोज शर्मा, प्रियंका तिवारी, मीनाक्षी, वन्दना ने संस्कृत भाषण तथा श्लोक पाठ में क्रमशः पुरस्कार जीते।

5.9 भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)

वर्ष 2001-02 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने भोपाल में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ की स्थापना की और इसकी शैक्षिक गतिविधियाँ शैक्षिक सत्र 2002-03 से प्रारम्भ हो गईं। अब इसका नाम परिवर्तित करके राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) का भोपाल परिसर रखा गया है। मध्य प्रदेश की राज्य सरकार ने इसके लिए बरकतुल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के पास 10 एकड़ भूमि आबंटित की है। परिसर की चारदीवारी का निर्माण सी.पी. डब्ल्यू.डी. द्वारा पहले ही किया जा चुका है। माननीय अर्जुन सिंह जी, मानव संसाधन विकास मन्त्री, भारत सरकार ने दिनांक 19 सितम्बर, 2005 को मुख्य भवन का शिला-न्यास किया। अपने भवन का निर्माण होने तक, इसकी गतिविधियाँ किराये के भवन में चल रही हैं।

परिसर साहित्य, व्याकरण और ज्योतिष का शिक्षण शास्त्री और आचार्य स्तर पर, शिक्षा-शास्त्री (बी.एड) का शास्त्री स्तर पर और प्राक् शास्त्री का इण्टर स्तर पर प्रदान करता है। यह शोध-छात्रों हेतु शोध कार्यक्रम भी प्रस्तुत करता है जिसके सम्पन्न करने पर विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) की उपाधि प्रदान की जाती है। आधुनिक विषय हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीति-शास्त्र तथा कम्प्यूटर जैसे विषयों को पढ़ाने की उचित व्यवस्था भी उपलब्ध है। जरूरतमंद छात्रों को छात्रावास की सुविधा भी यह परिसर प्रदान करता है।

2006-2007 के शैक्षिक सत्र में, विभिन्न कक्षाओं में कुल 245 छात्रों को प्रवेश दिया गया। जिनमें से, 15 छात्राएँ थीं। 116 छात्रों को छात्रावास-सुविधा प्रदान की गई। अपने शिक्षण कार्य के अतिरिक्त निम्नलिखित संकाय-सदस्यों ने विभिन्न संगोष्ठियों/नूतन पाठ्यक्रम आदि में भाग लिया :

1. **प्रो. पी. एन. शास्त्री, ओ.एस.डी.** (क) अखिल भारतीय संस्कृत महोत्सव, कटनी, म.प्र.
   (ख) वाणभट्ट समारोह, रेवा, म.प्र.
2. **डॉ. वी. एन. चौधरी, रीडर** महर्षि संदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन।
3. **डॉ. पी. डी. चौधरी, रीडर** महर्षि संदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन।
4. **डॉ. बोधकुमार झा, व्याख्याता** अखिल भारतीय प्राच्य परिषद, जम्मु।

5. **डॉ. हंसधर झा, वरिष्ठ व्याख्याता** (क) 43वें अखिल भारतीय ओरियेण्टल सम्मेलन, जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु।

(ख) विश्व वैद्य सम्मेलन, उज्जैन

(ग) बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी।

6. **डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी, व्याख्याता**
नूतन पाठ्यक्रम, कामेश्वर सिंह, दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार।

7. **डॉ. अर्चना दुबे, व्याख्याता** महर्षि संदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन।

8. **श्री ब्रज भूषण ओझा, व्याख्याता**
(क) 43वें अखिल भारतीय ऑरियेंटल सम्मेलन, जम्मु विश्वविद्यालय, जम्मु।

(ख) राष्ट्रीय सम्मेलन, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, जयपुर परिसर, जयपुर

9. **डॉ. पवन कुमार, व्याख्याता** संचालन गुणवत्ता की डी. एड. अध्ययन वस्तु तैयारी कार्यशाला, एस.सी. ई.आर.टी., भोपाल।

10. **डॉ. सुज्ञान कु. मोहन्ती, व्याख्याता** (क) महर्षि संदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन।

(ख) अखिल भारतीय न्याय शास्त्र पर व्याख्याता अधिवेशन, कलिदास अकादमी, उज्जैन।

11. **डॉ. रामचन्द्र जोइस, व्याख्याता**
(क) न्याय शास्त्र पर व्याख्याता अधिवेशन, कलिदास अकादमी, उज्जैन।

12. **श्री अमित कु. शुक्ला, व्याख्याता**
(क) महर्षि संदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन।
(ख) बनारस हिन्दु विश्वविद्यालय, वाराणसी।

शिक्षा/शिक्षा शास्त्र विभाग की गतिविधियां :

शैक्षिक सत्र के दौरान, शिक्षा-शास्त्री के छात्रों हेतु निम्नलिखित गतिविधियाँ संचालित की गई –

(अ) प्रथम उपचार प्रशिक्षण – 10 से 14 अगस्त, 2006

(आ) शिक्षण अभ्यास – 21 से 30 सितम्बर, 2006

(इ) स्काउट व गाईड प्रशिक्षण – 10 से 14 अक्टूबर, 2006

(ई) शैक्षिक पर्यटन – 20 नवम्बर से 1 दिसम्बर, 2006

(उ) विस्तरित भाषण – 16 फरवरी 2007

पाठ्येतर गतिविधियाँ

संस्कृत सप्ताहोत्सव, 6 अगस्त से 12 अगस्त, 2006 को आयोजित किया गया जिसमें संत सुमन भाई जी, श्री सुभाष त्रिपाठी– पूर्व डी.जी.पी., म.प्र. तथा पं. मुंगा राम त्रिपाठी सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. गोविंद चन्द्र पाण्डे, पूर्व कुलपति– इलाहाबाद तथा राजस्थान विश्वविद्यालय ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के.वी. पण्डा, इंजीनियर एस. आर. जौरकर – सी.पी.डब्ल्यु.डी तथा न्यायधीश एन.के. जैन –सेवानिवृत्त न्यायाधीश, जबलपुर उच्च न्यायालय ने 21 दिसम्बर 2006 को परिसर के वार्षिक दिवस समारोह के अवसर की शोभा बढ़ाई।

5.10 के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई (महाराष्ट्र)

के.जे. सौमैया ट्रस्ट, विद्या विहार, मुम्बई ने अपने परिसर में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ स्थापित करने के प्रस्ताव के साथ में एक एकड़ भूमि विद्यापीठ भवन के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव किया। तत्पश्चात राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियुक्त समिति द्वारा इसका निरीक्षण किया गया और अनुशंसा की गयी कि अंगीभूत विद्यापीठ स्थापित किया जाए। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा इस प्रस्ताव को 31.03.2002 को निर्णय लेकर स्वीकृत किया गया। के.जे. सौमैया ट्रस्ट ने आबंटित भूमि पर विद्यापीठ हेतु भवन बनने तक अपने भवन में कक्षाएँ चलाये जाने की स्वीकृति दी। संस्थान ने पट्टाकर्ता सौमैया ट्रस्ट से आबंटित एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर लिया है। तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री, भारत सरकार ने मुम्बई परिसर

का उद्घाटन दिनांक 16.05.2002 के शुभ दिन को किया।

परिसर इण्टर के समकक्ष प्राक् शास्त्री, बी.ए. के समकक्ष शास्त्री और एम.ए. (संस्कृत) के समकक्ष आचार्य (साहित्य एवं व्याकरण) पाठ्यक्रमों का शिक्षण प्रदान करता है। संस्थान के पाठ्यक्रम के अनुसार पारम्परिक विषयों के अतिरिक्त आधुनिक विषय भी यहां पढ़ाए जाते हैं। एन.सी.टी.ई. ने बी.एड. के समकक्ष शिक्षा शास्त्री पाठ्यक्रम को स्वीकृति दे दी है, फलस्वरूप परिसर में यह पाठ्क्रम भी प्रारंभ हो चुका है।

पाठ्येतर गतिविधियां :

परिसर के शिक्षण क्रियाकलाप के अतिरिक्त, 200-07 के शैक्षिक सत्र में पाठ्येतर निम्नलिखित गतिविधियाँ भी हुई :

6 अगस्त से 12 अगस्त 2006 तक संस्कृत सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ जिसमें शिक्षकों व छात्रों ने 'आधुनिक समय में संस्कृत भाषा का महत्व' पर अपने विचार प्रगट किए। इसके अतिरिक्त-श्लोकपाठ, सूत्रान्त्याक्षरी, सूत्रपाठ, लेख आलेखन तथा भाषण जैसी प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। शिक्षक-दिवस, वन्दे मातरम् दिवस तथा हिन्दी-दिवस को क्रमशः 5 सितम्बर 2006, 7 सितम्बर 2006, तथा 14 सितम्बर2006 को मनाया गया।

परिसर के वार्षिक दिवस का आयोजन 12 जनवरी 2007 को किया गया। समारोह की अध्यक्षता श्री विद्यासिंहाचार्य, कुलपति सत्यध्यान विद्यापीठ, मुम्बई ने की। डा. सी.गिरि, कुलसचिव मुख्य अतिथि थे। श्री पी. एम. कावरिया, सचिव, सोमैया विद्या विहार तथा श्री वी. रंगनाथन इसके मुख्य सलाहकर्त्ता-माननीय अतिथि थे। इस अवसर पर, सांस्कृतिक, साहित्यिक तथा खेल प्रतियोगिताएं संचालित की गई तथा विजेता छात्रों को पुरस्कार दिए गए। डा. प्रकाश चन्द्र, रीडर का शोधकार्य 'शब्द तत्व विमर्श:' तथा परिसर की पत्रिका 'संगमिनि' का विमोचन हुआ। पुस्तक विमोचन के पहले, डा. कला आचार्य निदेशक, भारतीय संस्कृति पीठम्, ने इसके सार को संक्षेप में बताया।

डा. कमल चन्द्र योगी, प्रधानाचार्य अन्तर्राष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन, जयपुर में आयोजित समारोह में गए तथा स्वर्णपदक से सम्मानित किए गए। एक अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा का त्रिमासीय कार्यक्रम 14 दिसम्बर 2006 से 13मार्च 2007 तक आयोजन किया गया जिसमें 50 छात्रों ने भाग लिया। नई दिल्ली में आयोजित वसंतोत्सव में परिसर के छात्रों ने संस्कृत नाटक प्रतियोगितओं में भाग लिया तथा 'विक्रमोर्वशीयम्' नाटक का मंचन किया। छात्रों ने 28 फरवरी से 2 मार्च 2007 तक राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति द्वारा आयोजित प्रतिभा समारोह में भी भाग लिया। शिक्षा-शास्त्र के छात्रों हेतु शिक्षण-अभ्यास, प्रथम उपचार स्काउट व गाइड प्रशिक्षण कार्यक्रमों तथा शैक्षिक भ्रमण का भी आयोजन 22 जनवरी 2007 से 5 अप्रैल 2007 तक किया गया।

6. योजनाएँ

भारत सरकार द्वारा 1956 में नियुक्त संस्कृत आयोग ने यह सिफारिश की थी कि ऐसी महत्वपूर्ण सक्रिय निजी शैक्षिक संस्थाओं और निकायों को सहायता तथा संरक्षण दिया जाए जो अपने-अपने क्षेत्र में संस्कृत प्रचार का कार्य कर रहे हैं।

उनका पालन करते हुए भारत सरकार ने सम्बद्ध योजनाओं के अन्तर्गत आने वाले आवेदकों को वित्तीय सहायता देकर संस्कृत के प्रोत्साहन हेतु विविध योजनाएँ आरम्भ की हैं। पहले इन योजनाओं को मा.सं.वि. मन्त्रालय, भारत सरकार ने प्रारम्भ किया था, पश्चात विधिवत् गठित सहायता अनुदान समिति की संस्तुति पर इनके निष्पादन एवं कार्यान्वयन हेतु इन्हें संस्थान को सौंप दिया गया है। इन योजनाओं का वर्णन यहाँ नीचे किया गया है :

6.1 संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों, संस्थाओं तथा पाठशालाओं को वित्तीय सहायता

(क) नई संस्थाएं/पाठशालाएं खोलना और/या विकसित पाठशालाओं/संस्थाओं का अनुरक्षण करना।

(ख) संस्कृत शिक्षण की कक्षाएं चलाना

(ग) संस्कृत प्रचारकों का प्रशिक्षण और नियुक्ति

(घ) संस्कृत पुस्तकालयों तथा वाचनालयों की स्थापना, अनुरक्षण या बढ़ाना

(ङ) संस्कृत प्रचार हेतु प्रचार उपस्करों को खरीदना

(च) प्रमुख संस्कृत विद्वानों के व्याख्यानों, संस्कृत वाद-विवाद, वाक्स्पर्धा, संस्कृत नाटकों आदि का आयोजन

(छ) द्विभाषीय शब्दकोश तैयार करना जिसकी एक भाषा संस्कृत हो

(ज) संस्कृत पाण्डुलिपियां तैयार करना और प्रकाशित करना।

(झ) संस्कृत की पत्र-पत्रिकाएं तैयार करना, उनका प्रकाशन तथा उनके स्तर का अनुरक्षण तथा उनके सार और गुणवत्ता में सुधार।

(ञ) संस्कृत पढ़ने वाले छात्रों हेतु पुरस्कारों की व्यवस्था

(ट) भवनों का निर्माण, उनकी मरम्मत तथा उनका विस्तार।

(ठ) अनुमोदित संस्कृत परम्पराओं का संगठन

(ड) संस्कृत में अनुसंधान।

(ढ) संस्कृत की समृद्धि, प्रचार और विकास में सहायता देने वाली कोई अन्य क्रिया कलाप।

किसी अनुमोदित योजना के निष्पादन पर होनेवाले कुल खर्च का अधिकतम 75 प्रतिशत अंश भारत-सरकार सहायता के रूप में देती है। भवन परियोजनाओं के मामले में अनुदान की सीमा अनुमोदित खर्च का 50 प्रतिशत या रु. 50,000/- इनमें से जो भी कम हो मान्य हैं। विशेष मामलों में वित्त मन्त्रालय के अनुमोदन से रु. 50,000/- की सीमा बढ़ाई जा सकती है।

सहायता का विस्तार

वित्तीय सहायता के लिए आवेदन पत्र (प्रकाशन परियोजनाओं को छोड़कर) इस प्रयोजन के लिए निर्धारित विहित आवेदन-पत्र फार्म पर नियमत: राज्य सरकारों के माध्यम से प्राप्त किए जाते हैं। अखिल भारतीय स्तर के संगठनों से अनुदान के आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान सीधे भी प्राप्त कर सकता है। यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान पर निर्भर है कि वह विशेष मामलों में आवेदन सीधे ही स्वीकार करे। वित्तीय सहायता के सभी आवेदनों पर उनके गुणों के आधार पर विचार किया जाता है और

अनुदान केवल कार्य की अनुमोदित मदों के लिए ही स्वीकृत किया जाता है। अखिल भारतीय स्तर के आवेदनों को छोड़कर जिन संगठनों और संस्थाओं के आवेदन सीधे प्राप्त होते हैं, आवश्यकता पड़ने पर उनके लिए राज्य-सरकारों के विचार आमंत्रित किए जा सकते हैं।

कार्य की प्रगति और प्रारंभ परियोजना की प्रकृति के अनुसार अनुदान किस्तों में दिए जा सकते हैं।

आवेदन-पत्र भेजने की प्रक्रिया:

संबंधित राज्य-सरकार संगठन के आवेदन की जांच करेगी और अपनी सिफारिश भेजते हुए यह बताएगी कि–

(क) संगठन सुस्थापित क्षमता और योग्यता रखता है।

(ख) सिफारिश प्राप्त योजना से संस्कृत की अभिवृद्धि/प्रचार/प्रसार होगा (ब्योरे दिये जाएं)।

(ग) प्राक्कलनों की जांच हुई है और उन्हें उचित समझा गया है।

(घ) वह विशेष राशि जिसे राज्य सरकार उस संगठन/संस्था/व्यक्ति को देने हेतु सिफारिश राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से करती है, तथा

(ङ) सहायता-अनुदान की सिफारिश जिस निकाय हेतु है, वह दूषित भ्रष्टाचार व्यवहार से मुक्त है और प्रतिबन्ध लागू करने के उपाय (लेखा परीक्षा सहित) सोच निकाले हैं।

(च) कोई अन्य लाभदायक सूचना जो राज्य सरकारें संगठन/संस्था/व्यक्ति के आवेदन के बारे में देना चाहें।

किसी आवेदन पर अपनी सिफारिश भेजते वक्त राज्य-सरकारों को संगठन आदि की वास्तविकता और जिस कार्य के लिए अनुदान मांगा गया है, उसकी आवश्यकता और उपयोगिता के विषय में अपनी तसल्ली कर लेनी चाहिए। अनुदान सम्बन्धी प्रत्येक आवेदन पत्र के साथ आवश्यक सूचना और दस्तावेज भेजे जाएँ।

अनुदान देने की शर्तें

स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों/संस्थाओं को संस्कृत के प्रचार और प्रसार हेतु अनुदानों के संबंध में निम्नलिखित शर्तों का पालन करना होगा–

1. वित्तीय सहायता लेने वाली संस्था की जांच राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान या राज्य-शिक्षा-विभाग या भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा-विभाग का कोई अधिकारी किसी भी समय कर सकता है। यदि केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा प्रदत्त अनुदान 25,000 रु. से अधिक है तो संस्था की जांच वहां जाकर की जा सकती है।
2. अनुदान लेने से पहले यह वचन देना होगा कि जिस काम के लिए सहायता दी गई है, उसे सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा नियत समय में पूरा किया जाएगा और अनुदान का केवल उसी उद्देश्य के लिए उपयोग होगा जिसके लिए वह स्वीकृत किया जाएगा। ऐसा न करने पर संस्था को पूरा अनुदान केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा निर्धारित ब्याज के साथ सरकार/संस्थान को वापस करना होगा।
3. किस्तों में दी जाने वाली अनुदान की बाद की किस्तें तब तक नहीं दी जाएंगी जब तक कि पहली किस्त का अधिकांश भाग खर्च न किया गया हो और जब तक पहली किस्त से किए गए काम की रिपोर्ट के साथ खर्च का प्रमाणित विवरण, अगली किस्त की प्राप्ति-प्रार्थना के साथ न भेजा जाए। काम की प्रगति के बारे में सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के संतुष्ट हो जाने पर ही बाद की किस्त दी जाएगी।
4. भवन निर्माण/प्रकाशन के मामले में अनुदानों के लिए एक उचित समय निर्धारित किया जाना चाहिए। इस अवधि में संस्था को भवन निर्माण/प्रकाशन कार्य पूरा करना होगा, जब तक संस्थान प्रार्थना करने पर अवधि न बढ़ा दे।
5. राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से अनुदान प्राप्त संस्था अपनी सम्पत्ति को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की अनुमति के बिना किसी व्यक्ति/संस्था/संगठन के नाम हस्तांतरित नहीं कर सकती। यदि किसी समय संस्था बन्द हो जाए तो केन्द्रीय सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अनुदान में से बनाई गई सम्पत्ति

या खरीदा गया सामान भारत सरकार/राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को वापस हो जाएगा।

6. संस्था के लेखे उचित रूप से रखे जाने चाहिए और मांगे जाने पर पेश किए जाएं। इनकी जांच नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक कभी भी कर सकता है।
7. यदि राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/सरकार को यह विश्वास हो जाए कि संस्था का प्रबन्ध सुचारु रूप से नहीं हो रहा है, अथवा स्वीकृत धन का उपयोग अनुमोदित उद्देश्यों हेतु नहीं हो रहा है तो अनुदान की अदायगी रोकी जा सकती है।
8. संस्था, भारत के समस्त नागरिकों के लिए जाति, धर्म या वर्ग के भेदभाव के बिना खुली रहेगी। जिस राज्य में संस्था स्थित हो उसके बाहर के राज्य के लोगों से व्यक्तिकर या कोई अन्य फीस नहीं ली जाएगी।
9. जिस काम के लिए अनुदान स्वीकृत है, उसके संबंध में संस्था राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के निर्देशों और सुझावों के पालन के लिए बाध्य होगी। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा किसी भी विषय पर कोई सूचना या स्पष्टीकरण मांगे जाने पर संस्था संस्थान द्वारा निर्धारित अवधि के भीतर उसे मन्त्रालय को भेजेगी।
10. संगठन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान/भारत सरकार की पूर्व अनुमति के बिना भारत के बाहर के किसी भी विदेशी को आमन्त्रित नहीं करेगा।

वर्ष 2006-07 में प्राप्त आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है, उनका राज्य-वार विवरण संलग्नक-झ में दिया गया है।

6.2 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता

संस्थान पारम्परिक संस्कृत छात्रों को शास्त्रीय संस्कृत भाषा में आशु भाषण के लिए प्रोत्साहित करने हेतु देश के विभिन्न भागों में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन करता है। समस्या-पूर्ति की प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की जाती हैं। प्रत्येक राज्य सरकार/संघ शासित प्रदेश सरकार से अनुरोध किया जाता है कि वे आठ शास्त्रीय विषयों में प्रतियोगिता हेतु एक अध्यापक सहित आठ सहभागियों के नाम भेजें। सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों को प्रत्येक प्रतियोगिता में पदक व प्रमाण-पत्र प्रदान किए जाते हैं। श्रेष्ठता के क्रम में क्रमशः रु. 2000/-, रु. 1500/- तथा रु. 1000/- के प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय नकद पुरस्कार भी दिए जाते हैं। इन पुरस्कारों के अतिरिक्त विजेताओं को पदक भी दिए जाते हैं। श्लोकान्त्याक्षरी में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार की राशि बढ़ाकर रु. 7000/-, रु. 5000/- और रु. 3000/- कर दी गई है। परिशोधित पुरस्कार राशि वर्ष 2005-06 से प्रयोज्य है।

वर्तमान दस प्रतियोगिताओं के अतिरिक्त "शास्त्र शलाका परीक्षा" का भी आयोजन किया जाता है।

प्रतियोगिता का स्वरूप भारत की प्राचीन परम्परा की शास्त्र शिक्षण पद्धति से लिया गया है। इसमें छात्र को अपनी स्मृति में टीका सहित सारे मूल-पाठ को रखना होता है और "रजत शलाका" द्वारा प्रकट बिन्दु से वर्णन व व्याख्या करना अपेक्षित होता है। इस प्रतियोगिता का लक्ष्य परम्परा को पुनर्जीवित करना एवं छात्र की स्मरण-शक्ति को तीक्ष्ण करना है।

वर्ष 2006-07 में प्रतियोगिता का आयोजन 'राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मनित विश्वविद्यालय) के श्री सदाशिव परिसर, पुरी में किया गया। निर्णायक पैनल द्वारा कर्नाटक राज्य को प्रथम घोषित किया गया।

6.3 शास्त्र चूड़ामणि योजना

संस्थान के परिसरों, आदर्श संस्कृत पाठशालाओं और राज्य सरकार द्वारा संचालित अन्य संस्कृत कॉलेजों और स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में प्रख्यात साहित्यिक विद्वानों की सेवाओंके उपयोग हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य उन विभिन्न केन्द्रों में विविध शास्त्रीय विषयों के संस्कृत में गहन अध्ययन को बढ़ावा देना है जहाँ छात्रों को पारम्परिक पद्धति से संस्कृत शिक्षण प्रदान किया जाता है। प्राचीन काल में शिक्षण पद्धति में शिष्य और गुरु के न्यूनतम 12 वर्ष तक साहचर्य का पूर्णकालिक होना ध्यान रखा जाता था। उनके पास विभिन्न दुर्बोध शास्त्रीय विषयों की व्याख्या करने का पर्याप्त समय होता था और छात्रों के पास विषय विशेष पर ध्यान व विस्तृत ढंग से नैपुण्य प्राप्त करने का अवसर रहता था। लेकिन हाल के आधुनिक शिक्षा पद्धति में सीमित अवधि के लिए पाठ्य-पुस्तकों में से चयनित व निर्धारित पाठ्यक्रम होता है। इससे संस्कृत शिक्षण पद्धति भी प्रभावित हुई है। परिणामस्वरूप, जहाँ संस्कृत विषय में छात्रों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे स्नातकोत्तर स्तर पर विशेषज्ञता प्राप्त करें, वहीं समयाभाव के कारण उच्चतर पाठ्य-पुस्तकों को विस्तार से एवं सम्पूर्णता से पढ़ाने की कोई सम्भावना नहीं है। परिणामत: इस पद्धति के अध्येता यद्यपि अपने विषयों के मूलभूत सिद्धान्तों में पूर्ण निपुण होते हैं, तथापि उनमें इन विषयों पर लिखित उच्चतर पुस्तकों के गहन एवं व्यापक ज्ञान का अभाव होता है।

स्नातकोत्तर स्तर की परीक्षा में उत्तीर्ण होने के तुरन्त बाद घरेलू आवश्यकताएँ उन्हें आजीविकोपार्जन हेतु किसी व्यवसाय के लिए बाध्य कर देती हैं। इन्हीं स्नातकोत्तर परीक्षोत्तीर्ण व्यक्तियों में से अब हमें तरुण अध्यापक एवं प्राध्यापक भर्ती करने होते हैं। यद्यपि वे अपनी पढ़ाई आगे जारी रखने में अत्यधिक रुचि रखते हैं तथापि जिन संस्थाओं में वे नियुक्त होते हैं उनमें ऐसा करने की सुविधाएँ नहीं होती। परिणामस्वरूप, ये प्राध्यापक अपने छात्रों को सम्बन्धित परीक्षाओं के लिए तैयारी करवाने से सम्बद्ध अपने कर्तव्य का निर्वहण तो प्रवीणता से कर देते हैं, फिर भी उन्हें अपने क्षेत्र में उतनी योग्यता प्राप्त नहीं होती जितनी योग्यता 2 या 3 दशाब्दि पूर्व उनके पूर्ववर्ती प्राप्त करने में सक्षम होते थे। उनकी शैक्षणिक रुचि का शोषण नहीं किया जाना चाहिए और उनकी अध्ययनशील रिक्ति दूर की जानी चाहिए। इससे वे इस उद्देश्य को पूर्ण करने में सक्षम होंगे और छात्रों की एक ऐसी पीढ़ी का निर्माण करने में समर्थ होंगे जो अपने-अपने विषयों में वास्तव में दक्ष होगी।

सौभाग्यवश इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु कुछ पुराने विद्वान् अभी भी जीवित हैं। वे शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से सजग हैं और कुछ अधिक वर्षों के लिए उनका सफल उपयोग किया जा सकता है। यह आवश्यक नहीं है कि वे किसी विश्वविद्यालय की उपाधि या योग्यता के कारण विद्वान् हों। लेकिन फिर भी वे अपने क्षेत्र में निपुण हैं और उनके चरणों में बैठकर तरुण शिक्षकों को अध्ययन करने में कोई अनुताप नहीं होगा। वे संस्था के शैक्षिक वातावरण में वृद्धि करेंगे और अध्यापकों तथा छात्रों के सन्देह-निराकरण करने हेतु सहज ही उपलब्ध रहेंगे।

कार्यान्वयन

इस योजना के अन्तर्गत राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के प्रत्येक परिसर, आदर्श संस्कृत पाठशाला और संस्कृत विश्वविद्यालय में दो विद्वान् और राज्य सरकार द्वारा संचालित अथवा पर्याप्त रूप से वित्तपोषित संस्कृत कालेजों में एवं स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों में एक विद्वान् की नियुक्ति सामान्यतया की जाती है। ऐसी नियुक्तियाँ सम्बद्ध संस्था के माध्यम से प्राप्त आवेदनों के आधार पर विशेषज्ञों से युक्त सहायता अनुदान समिति की संस्तुतियों पर की जाती हैं। इस प्रकार से की गई नियुक्तियां प्रारम्भ में दो वर्ष की अवधि हेतु की जाती है। संस्था के प्रधान की विशिष्ट रिपोर्ट के आधार पर समिति द्वारा एक वर्ष का विस्तार प्रदान किया जाता है। नियुक्त विद्वान् को प्रतिमास रु. 2500/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

इस वर्ष विभिन्न संस्थाओं में 6 शास्त्र चूड़ामणि विद्वानों की नियुक्ति की गई।

6.4 व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना

परम्परागत संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों हेतु "प्रायोगिक प्रशिक्षण" संचालन के लिए पंजीकृत शैक्षिक संगठनों को वित्तीय सहायता

कुछ विशिष्ट विभागों में परम्परागत शिक्षण प्राप्त प्रत्याशियों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पंजीकृत शैक्षिक निकायों को वित्तीय सहायता प्रदान करने की योजना आरम्भ की गई। इसके अन्तर्गत पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं से शिक्षित छात्रों को अल्पकालीन अनुकूलन पाठ्यक्रम प्रदान किए जाते हैं। अध्यापन के विषय पाण्डुलिपि विज्ञान, सूची-निर्माण, पुरालिपि शास्त्र, संस्कृत टंकण व आशुलिपि, ज्योतिष, कर्मकाण्ड व पुरालेखशास्त्र इत्यादि हैं। ये प्रशिक्षण पाठ्यक्रम सामान्यतया तीन से नौ सप्ताह तक की विभिन्न अल्पावधियों के लिए संचालित किए जाते हैं। इस अवधि में छात्रों को शिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से शैक्षिक निकाय से सम्बन्धित क्षेत्रों के विशेषज्ञों को आमन्त्रित किया जा सकता हैं। इच्छुक संस्थाएँ ऐसे किसी भी कार्यक्रम के आयोजन हेतु निर्धारित आवेदन-पत्र में आवेदन कर सकती हैं। उन्हें अल्पावधि पाठ्यक्रमों हेतु स्थानीय समाचार-पत्रों में भी विज्ञापन देना होता है और इसका लाभ प्राप्त करने के इच्छुक छात्रों से आवेदन आमन्त्रित करने होते हैं। प्रत्येक छात्र से रु. 5/- का सामान्य पंजीकरण शुल्क लिया जा सकता है। प्रत्येक छात्र को प्रशिक्षण दिवसों में रु. 10/- प्रति दिन के हिसाब से फुटकर भत्ता दिया जाता है। विशेषज्ञ प्रशिक्षक को सामान्यत: प्रतिदिन रु. 100/- का मानदेय प्रदान किया जाता है।

योग्यता के आधार पर संस्तुति करने हेतु किसी विशेषज्ञ/सहायता अनुदान समिति द्वारा आवेदनों पर विस्तृत विचार किया जाता है। संस्थान द्वारा सम्बद्ध संस्था को समिति द्वारा अनुमोदित कुल अनुमानित व्यय का 75% अग्रिम के रूप में जारी किया जाता है और अवशिष्ट 25% का निर्मोचन लेखा-परीक्षित लेखों की प्राप्ति होने पर तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम की रिपोर्ट मिलने पर किया जाता है।

इस वर्ष अनुस्थापन-पाठ्यक्रमों-संचालन हेतु 18 संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान की गई।

6.5 संस्कृत शब्दकोश परियोजना

1500 ईसा पूर्व से 1900 ई॰ तक ऐतिहासिक सिद्धान्तों पर अति व्यापक संस्कृत कोश तैयार करने की योजना डेकन कॉलेज, पूना द्वारा आरम्भ की गई है। यह वर्ष 1948 में आरम्भ की गई थी। प्रधान सम्पादक द्वारा संस्कृत शब्दकोश परियोजना विभाग, डेकन कॉलेज, पूणे का नेतृत्व किया जा रहा है। अब तक शब्दकोश की 7 जिल्दें प्रकाशित की जा चुकी हैं। आठवीं खण्ड का कार्य प्रगति पर है। यह योजना मुख्य रूप से भारत सरकार द्वारा और कुछ सीमा तक महाराष्ट्र सरकार द्वारा वित्त-पोषित की गई। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा वर्ष 2006-07 में संस्कृत शब्दकोश परियोजना हेतु रु. 34 लाख की राशि का निर्मोचन किया गया।

6.6 संस्कृत, पालि/प्राकृत, अरबी और फ़ारसी विद्वानों को राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना

संस्कृत, अरबी और फ़ारसी भाषाओं के विद्वानों को सम्मानित करने के लिए 'राष्ट्रपति-सम्मान-पत्र प्रदान करने की योजना' 1958 में आरम्भ की गई। इस योजना को 1996 में पालि/प्राकृत तक विस्तारित किया गया। विद्वानों को उनके सम्बद्ध क्षेत्रों में महत्त्वपूर्ण योगदान की स्वीकृति में वर्ष में एक बार स्वतन्त्रता दिवस पर सम्मानित किया जाता है। इस योजना के अधीन राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक विद्वान् को एक सनद तथा शाल प्रदान किए जाने के अतिरिक्त आजीवन रु. 50,000/- का वार्षिक आर्थिक अनुदान देने पर विचार किया जाता है।

इस योजना के अन्तर्गत संस्कृत हेतु 15, अरबी और फ़ारसी में से प्रत्येक के लिए 3 और पाली/प्राकृत के

लिए एक पुरस्कार है।

प्रतिवर्ष इन पुरस्कारों हेतु निम्नलिखित से प्रस्ताव आमन्त्रित किए जाते हैं :

(अ) सभी राज्य सरकारों के मुख्य सचिव।

(आ) सभी राज्य सरकारों/संघ शासित प्रदेशों के शिक्षा-सचिव।

(इ) सभी भारतीय विश्वविद्यालयों और मानित विश्वविद्यालयों के कुलपति।

(ई) सभी केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों के प्राधानाचार्य।

(उ) आदर्श संस्कृत पाठशालाओं के अध्यक्ष।

(ऊ) राष्ट्रपति सम्मान प्राप्त विद्वानों से यह अनुरोध कि वे केवल दो नामों की संस्तुति करें।

(ऋ) भारत सरकार के सभी मन्त्रालय/विभाग।

सर्वप्रथम संस्तुतियों की जाँच एच.आर.एम. द्वारा अनुमोदित प्राथमिक चयन समिति करती है। सदस्य अपने-अपने कार्य क्षेत्र कि अत्यन्त प्रख्यात विद्वान् हैं।

प्राथमिक चयन समिति द्वारा की गई संस्तुतियाँ फिर एच.आर.एम., प्रधान मन्त्री और तब अन्त में भारत के राष्ट्रपति को स्वीकृति हेतु भेजी जाती हैं।

इसके अतिरिक्त संस्कृत, पाली, प्राकृत, अरबी और फ़ारसी के युवा विद्वानों को भी भाषाओं के उन्नयन में श्रेष्ठ योगदान हेतु भारत के राष्ट्रपति द्वारा बादरायण व्यास सम्मान से सम्मानित किया जाता है। ऐसे युवा विद्वानों को प्रमाण-पत्र एवं शाल के अतिरिक्त रु. 1,00,000/- का एकमुश्त आर्थिक अनुदान दिया जाता है।

6.7 संस्कृत वाङ्मय सृजन योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान संदर्भ ग्रन्थ, मूल लेखन, शोध-प्रबन्ध, अनुवाद, हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची, समीक्षात्मक संस्करण, दुर्लभ अप्राप्य ग्रन्थों के पुनर्मुद्रण संस्करण और अन्य किसी भी प्रकार के प्रकाशन जो संस्कृत भाषा तथा साहित्य के प्रोत्साहन हेतु प्रेरक रूप में वैयक्तिक रूप से स्वीकृत हों–जैसे संस्कृत आधारित ग्रन्थों के प्रकाशन के लिए पंजीकृत संगठनों, लेखकों, सम्पादकों एवं अनुवादकों या विशिष्ट व्यक्तियों अथवा विचाराधीन ग्रन्थ का प्रकाशनाधिकार रखने वाले और उस ग्रन्थ के प्रकाशन के इच्छुक व्यक्तियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस योजना के अन्तर्गत सहायता राशि मूल लेखन के मामले में रचना की वास्तविक लागत की अधिकतम 80% स्वीकृत की जाती है और शोध-प्रबन्ध के मामले में यह अधिकतम 50% स्वीकृत की जाती है। तथापि, दुर्लभ हस्तलिपियों की विवरणात्मक सूची के लिए सहायता कुल व्यय का 100% तक हो सकती है।

आवेदकों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र में प्रकाशन अनुदान हेतु आवेदन करना होता है। साथ में दो भिन्न-भिन्न मुद्रकों से रचना की अनुमानित लागत और प्रस्तावित कार्य के लगभग पैंतीस पृष्ठ भी प्रस्तुत करने होते हैं। इस प्रकार से प्राप्त नमूना पृष्ठों को प्रस्तावित कार्य की उपयोगिता पर विशेषज्ञों की राय जानने हेतु भेजा जाता है। फिर प्रस्ताव और विशेषज्ञों की राय को आवश्यक संस्तुतियाँ करने हेतु सहायता अनुदान समिति के समक्ष रखा जाता है। स्वीकृत प्रस्तावों के आवेदकों को संस्वीकृति आदेश की तारीख से दो साल की अवधि के अन्दर ही ग्रन्थ को प्रकाशित करना होता है। मुद्रण के बाद ग्रन्थ की नमूना प्रति और मुद्रक बिल की जाँच विशेषज्ञ अभिकरण द्वारा की जाती है जो रचना की वास्तविक लागत का हिसाब लगाता है। उसके आधार पर निश्चित फॉर्मूला के अनुसार एक प्रति की कीमत निश्चित की जाती है। वास्तविक संस्वीकृत अनुदान सहित इसकी सूचना आवेदक को भेजी जाती है। अनुदान के बदले में आवेदकों को मामले के अनुसार ग्रन्थ की कुछ प्रतियाँ डाक द्वारा सूचीबद्ध पुस्तकालयों को नि:शुल्क भेजनी होती हैं। संस्थान डाक प्रभार अदा करता है और संस्वीकृत अनुदान जारी करता है। इसके साथ, संस्कृत पत्रिकाओं/समाचार-पत्रों के लिए वार्षिक संस्वीकृत प्रकाशन अनुदान भी जारी किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, समय-समय पर सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर संस्थान दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों के

पुनर्मुद्रण हेतु कुछ शर्तों के आधार पर किसी विश्वविद्यालय अथवा पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन या सुप्रतिष्ठित व्यावसायिक प्रकाशकं की सहायता कर सकता है। ऐसी सहायता अनुमोदित निम्न कीमत पर ऐसे प्रत्येक पुनर्मुद्रण की 500 प्रतियाँ खरीद कर की जा सकती है, बशर्ते कि प्रकाशक प्रथम क्रय आदेश की तारीख से तीन वर्ष के भीतर उसी कीमत पर 300 अतिरिक्त प्रतियों की आपूर्ति का वचन देता है।

वर्ष 2006-07 में वित्तीय सहायता से प्रकाशित एवं प्रकाशन अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण क्रमशः संलग्नक ट और ठ में दिया गया है।

6.8 ग्रन्थ क्रय योजना

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान लेखकों, प्रकाशकों, पुस्तकों के विक्रेताओं, संगठनों आदि से संस्कृत भाषा और साहित्य से सम्बद्ध पुस्तकों की प्रतियाँ थोक में खरीद कर उनको वित्तीय सहायता प्रदान करता है, बशर्ते कि ऐसी पुस्तकें संस्थान की किसी अन्य योजना के अन्तर्गत सहायता पाकर प्रकाशित नहीं हुई हैं। हालांकि, जिन पुस्तकों के लिए नकद राज्य पुरस्कारों के माध्यम से अथवा प्रशंसात्मक उल्लेख के माध्यम से मान्यता दी गई है वे भी इसके पात्र हैं।

आवेदक निर्धारित आवेदन-प्रपत्र में संस्थान को आवेदन भेजते हुए पुस्तकों की कम-से-कम दो प्रतियाँ मानार्थ भेजें। ये मानार्थ प्रतियाँ प्रत्यावर्तनीय नहीं हैं। सहायता अनुदान समिति की सिफारिशों पर आवेदकों को क्रय आदेश के साथ उन पुस्तकालयों की सूची भी भेजी जाती है जिन्हें निर्धारित संख्या में पंजीकृत पार्सल के द्वारा प्रतियाँ भेजनी हैं। आवेदक से अपेक्षित है कि वह न्यूनतम 25% व्यापारिक बट्टा प्रदान करे। आवेदक बिल में प्रत्येक प्रति पर 20 पैसे की दर से पैकिंग व्यय और पंजीकृत पार्सल व्यय जोड़ सकता है जिनका वहन भी संस्थान करता है। आवेदक प्रतियों के प्रेषण-सम्बन्धी मूल डाक रसीदों सहित सम्बन्धित बिल भुगतान की संस्वीकृति हेतु प्रस्तुत किया जाता है।

वर्ष 2006-07 में इस योजना के अन्तर्गत रुपये 47.18 लाख की राशि का उपयोग किया गया।

6.9 आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना

उद्देश्य

इस योजना का उद्देश्य पारम्परिक संस्कृत विद्या तथा शोध को सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इस योजना के अन्तर्गत इसी प्रयोजन से, संस्कृत महाविद्यालयों को प्राक्शास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य स्तर पर पाठ्यक्रमों का संचालन करने हेतु और शोध संस्थानों को पी-एच. डी. एवं पी-एच.डी. से उच्च स्तरों पर शोध का आयोजन तथा संचालन हेतु सहायता प्रदान की जाती है। ऐसी अनुदानग्राही संस्थाएं स्वीकृत आवर्ती का 95% स्वीकृत अनावर्त्ती का 75% प्राप्त करती हैं।

मान्यता एवं वित्तीय सहायता की शर्तें :

इस योजना के अन्तर्गत केवल संस्कृत महाविद्यालयों अथवा शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाएँ वित्तीय सहायता हेतु विचारणीय हैं। हालांकि, मान्यता के कारण किसी भी संस्था को स्वतः वित्तीय सहायतार्थ अधिकार नहीं मिलता और न ही सहायता अनुदान का जारी रहना अधिकार की बात होती है।

कोई भी पंजीकृत स्वैच्छिक संगठन जो संस्कृत महाविद्यालय या शोध संस्थान का अनुरक्षण करता हो, यदि वह सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम के अन्तर्गत 'सोसाइटी' अथवा 'पंजीकृत न्यास' है, तो वह मान्यता हेतु आवेदन कर सकता है। निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने पर ही भारत सरकार द्वारा मान्यता देने पर विचार किया जाता है।

(i) महाविद्यालय में पारम्परिक पद्धति से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों का अध्यापन होता हो। शोध संस्थान में विभिन्न पारम्परिक संस्कृत विद्या विशेषों में क्रियात्मक शोध जारी रखा जाता हो;

(ii) महाविद्यालय/शोध संस्थान ऊपर (i) में उल्लिखित स्तर पर कम-से-कम सात साल से अस्तित्व में होना चाहिए। हालांकि, पहली योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने वाले महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का इस संशोधित योजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अधिकार बना रहेगा;

(iii) संस्थाओं के पास उपयुक्त भवनों तथा परिसरों का स्वामित्व एवं नियन्त्रण होना चाहिए। संस्थाओं के पक्ष में 99 वर्ष का पट्टा भी स्वीकार्य होगा;

(iv) इस योजना के अन्तर्गत भविष्य में मान्यता एवं वित्तीय सहायता हेतु आवेदन करने वाले पंजीकृत मूल निकाय को सावधि जमा खाते में न्यूनतम रु. 2.00 लाख की राशि जमा करवानी होगी। हालांकि, पुरानी योजना के अधीन पहले से सहायता प्राप्त जिन संस्थाओं ने महाविद्यालय/शोध संस्थान के पक्ष में रुपये 1 लाख जमा करवाए हैं, उन्हें इस शर्त से छूट दी जाएगी;

(v) महाविद्यालय/शोध संस्थान या तो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार द्वारा अधिनियम बनाकर विधिवत् संस्थापित किसी विश्वविद्यालय से या राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान से सम्बद्ध होना चाहिए;

(vi) एक महाविद्यालय में छात्रों की संख्या 50 से कम नहीं होनी चाहिए, एक शोध संस्थान में 12 सक्रिय शोधकर्ताओं से कम संख्या नहीं होनी चाहिए।

मान्यता प्रदान करने हेतु आवेदन मिलने पर सरकार तत्काल निरीक्षण करवाएगी और विशेषज्ञ समिति द्वारा उसका आकलन होगा तथा मान्यता हेतु इसका निर्णय आवेदनकर्ता संगठन को सूचित किया जाएगा। इसके पश्चात् विशेषत: इस उद्देश्य से संगठित अनुवीक्षण समिति द्वारा वर्तमान स्टाफ की छानबीन की जाएगी।

इस योजना के अन्तर्गत सभी मान्यता-प्राप्त संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान वित्तीय सहायता हेतु विचार किए जाने के पात्र होंगे, बशर्ते कि वे इस योजना में बताई गई शर्तों का पालन करने हेतु वचनबद्ध हों।

इसके अतिरिक्त उन्हें योजना में उल्लिखित अनुसार प्रबन्धन समिति के स्वरूप एवं संरचना, इसके कार्य, स्टाफ का स्वरूप, उपयोज्य अनुदान आदि से सम्बद्ध शर्तों का भी अनुपालन करना होगा।

संस्थान से वार्षिक अनुदान प्राप्त करने वाले आदर्श महाविद्यालयों/शोध संस्थानों की सूची संलग्नक-ढ में दी गई है।

6.10 शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु योजना

इस योजना के अन्तर्गत शिक्षा की + 2 पद्धति, स्नातक, स्नातकोत्तर और पारम्परिक पद्धति के समकक्ष पाठ्यक्रमों एवं पी-एच.डी. की मार्गदर्शक शोध अथवा संस्कृत अध्ययन में समकक्ष उपाधि जिसमें पाली व प्राकृत भाषाएँ भी एक विषय के रूप में सम्मिलित हैं–इन सभी के नियमित छात्रों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। प्रत्येक वर्ष में प्रदत्त छात्रवृत्तियों की संख्या निधि की उपलब्धता पर निर्भर है। अ.जा./अ.ज.जा. वर्ग के छात्रों के लिए क्रमश: 15% और 7.5% छात्रवृत्तियाँ आरक्षित हैं।

संस्कृत में न्यूनतम 50% अंक लेकर अर्हकारी परीक्षा उत्तीर्ण परीक्षार्थी इन छात्रवृत्तियों के पात्र हैं। आरक्षित वर्ग के परीक्षार्थियों के मामले में अंकों की प्रतिशतता की अर्हता को घटाकर 45% किया जा सकता है। प्रार्थी छात्रों से अपेक्षित है कि वे छात्रवृत्तियाँ पाने हेतु अपने आवेदन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को उन संस्थाओं के माध्यम से भेजें जिनमें वे अपना अध्ययन/शोध जारी रखने के इच्छुक हों। ये छात्रवृत्तियाँ इस उद्देश्य से गठित चयन समिति के सिफारिशों के आधार पर प्रदान की जाती है। स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम तक के छात्रों हेतु ये छात्रवृत्तियाँ 1 जुलाई से अगामी 20 अप्रैल तक 10 मास के एक शैक्षिक वर्ष के लिए समर्थनीय हैं। क्योंकि ये वार्षिक परीक्षा परिणामों के आधार पर प्रदान की जाती हैं, अत: छात्रों को प्रति वर्ष नये सिरे से आवेदन करना होता है। शोध छात्रवृत्ति दो पूर्ण वर्षों के लिए दी जाती है और दूसरे वर्ष की छात्रवृत्ति उपयोगिता प्रमाण-पत्र एवं छात्र के कार्य की प्रगति के रिपोर्ट प्राप्त होने पर प्रदान की जाती है।

जो छात्र किसी अन्य संस्था से कोई भी छात्रवृत्ति प्राप्त करता है या छात्रवृत्ति के कार्यकाल में किसी अन्य वृत्तिकारी कार्य में संलग्न रहता है, या किसी अन्य पाठ्यक्रम का अध्ययन करता है जिसमें संस्कृत अध्ययन का प्रावधान नहीं हो, उसे छात्रवृत्ति के अधिकार से वंचित कर दिया जाता है। प्रत्येक प्रत्याशी से सभी आवश्यक शर्तों को प्रमाणित करने की अपेक्षा की जाती है।

अध्ययन के विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु छात्रवृत्ति की निम्नलिखित दरें हैं :

(i) संस्कृत एक विषय के साथ + 2 और समकक्ष पाठ्यक्रम रु. 100/- प्रतिमास

(ii) बी.ए./बी.ए. (ऑनर्स) और समकक्ष जिसमें संस्कृत के साथ रु. 175/- प्रतिमास त्रिवर्षीय डिग्री कोर्स प्रचलित है।

(iii) संस्कृत/पालि/प्राकृत में एम.ए. और समकक्ष रु. 200/- प्रतिमास

(iv) संस्कृत/पालि/प्राकृत में पी-एच.डी. और समकक्ष रु. 400/- प्रतिमास + रु. 500/- प्रतिवर्ष आनुषंगिक अनुदान के रूप में (दो वर्ष तक)

शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियों हेतु विचारित प्रस्तावों की राज्य-वार संख्या का विवरण संलग्नक-ड में दिया गया है।

6.11 असहाय परिस्थितियों वाले प्रसिद्ध संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि देने की योजना

इस योजना के अन्तर्गत, 55 वर्ष की आयु से अधिक वाले प्रसिद्ध उन योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत को अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। ऐसे सुझाव राज्य-सरकारों से सीधे प्राप्त होते हैं अथवा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के माध्यम से पहुंचते हैं। प्रत्येक चयनित विद्वान को रुपये 24000/- प्रतिवर्ष के रूप में, अन्य आय की कटौती बिना दिये जाते हैं। इस उद्देश्य हेतु केवल उन्हीं पंडितों पर विचार किया जाता है जिसकी आय रुपये 24000 प्रतिवर्ष से कम है। किसी अन्य गुणवत्ता का निर्धारण नहीं है। संस्कृत पंडितों को यह वित्तीय सहायता 'राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान', नई दिल्ली के माध्यम से बांटा जाता है तथा लाभार्थी व्यक्ति के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

प्राप्तकर्ता के दुर्भाग्यपूर्ण मृत्यु की दशा में, यह सहायता उसके पति/पत्नी को मृत्युपर्यन्त लगातार दी जाती है।

7. वर्ष 2006-07 की प्रमुख घटनाएँ

7.1 संस्कृत सप्ताहोत्सव (7-12 अगस्त, 2006)

विभिन्न कार्यक्रमों से युक्त, एक सप्ताह वाला 'संस्कृत सप्ताहोत्सव', 7-12 अगस्त 2006 को मनाया गया। कार्यक्रमों में से एक मुख्य कार्यक्रम था 'संस्कृत दिवस समारोह'। यह, मानव संसाधन विकास, केन्द्रीय मंत्रालय, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के संयुक्त प्रयत्नों से 9 अगस्त 2006 को राष्ट्रीय संग्रहालय में मनाया गया। उद्घाटन समारोह का प्रारम्भ शिक्षकों के वेदोच्चार तथा मुख्य अतिथि श्री अर्जुन सिंह जी, आदरणीय मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा दीपक प्रज्जवलन के साथ हुआ। श्री सुदीप बनर्जी, सलाहकर्ता, उच्चतर शिक्षा, मानव संसाधन विकास केंद्रीय मंत्रालय, इस अवसर पर माननीय अतिथि थे, जिसकी अध्यक्षता प्रो. श्रीनिवास रथ, उपाध्यक्ष, महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन तथा पूर्व निदेशक-कालिदास अकादमी, उज्जैन ने की। श्री केशव देसिराजु, संयुक्त सचिव (भाषा) ने एकत्रित अतिथियों, विद्वद्समूह तथा अन्य सभी को सम्बोधित किया। प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली ने अपने स्वागत भाषण से अवसर की शोभा बढ़ाई तथा प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने सभी अतिथियों का धन्यवाद किया।

संस्कृत दिवस समारोह के अवसर पर माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह जी अभिभाषण देते हुए

समारोह में, माननीय श्री अर्जुन सिंह जी ने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के निम्न 12 प्रकाशनों का विमोचन किया:

1. शाब्दबोधमीमांसा (खण्ड 2)
2. विदुर नीति:
3. प्रायश्चितविलोचनम्
4. बालशिक्षा
5. श्री कृष्णविलास महाकाव्यम्
6. भाट्टनयोद्योत:
7. याज्ञसेनी
8. चित्रम् (दो खण्डों में)
9. संस्कृत साहित्य में रहीम
10. सिद्धांजनम्
11. भारतीय ज्योतिष-फलित-परिचय पाठ्यक्रम
12. व्याकरणदर्शनस्य दर्शनान्तरै सह तुलनात्मकाध्ययनम्

सप्ताहोत्सव के प्रथम अधिवेशन का उद्घाटन श्री सुदीप बनर्जी, सलाहकर्ता, उच्चतर शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत-सरकार ने किया तथा प्रो. श्रीनिवास रथ, उपाध्यक्ष, महर्षि संदीपनी राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान तथा पूर्व निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन ने 7 अगस्त 2006 की शाम को इसकी अध्यक्षता की। विभिन्न संस्थाओं से 44 विद्वानों ने प्रशंसा के साथ इसमें भाग लिया। कुलपति, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री ने गर्मजोशी से स्वागत किया तथा कुलसचिव डा. सी.गिरि ने अतिथियों को धन्यवाद दिया।

उद्घाटन सत्र के पश्चात्, एक समसामयिक संस्कृत कवि पर विचार-विमर्श-'कवि सान्निध्यम्' नाम से कार्यक्रमश्रृंखला प्रस्तुत किया गया। प्रो. श्री निवास रथ पहले कवि थे जिन पर विचार-विमर्श हुआ। प्रो. रथ की रचना पर निम्नलिखित विद्वानों ने अपने विचार प्रकट किए-1. डा. रमाकान्त शुक्ल-सेवानिवृत्त रीडर, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा संस्कृत-कवि, 2. डा. इच्छाराम द्विवेदी-रीडर, श्री लालबहादुरशास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, 3. डा. बलदेव आनंद सागर-निदेशक, संस्कृत समाचार चैनल, अखिल भारतीय रेडियो-नई दिल्ली, 4. डा. निलिम्प त्रिपाठी, उपनिदेशक, दिल्ली संस्कृत अकादमी, दिल्ली।

दूसरे दिन, 8 अगस्त 2006 को एक समसामयिक संस्कृत विद्वान्श्रृंखला 'विद्वत सान्निध्यम्' पर विचार विमर्श का दूसरा कार्यक्रम आयोजित किया गया। विचार विमर्श हेतु, प्रथम विद्वान प्रो. सत्यव्रत शास्त्री, पूर्व कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी को लिया गया। निम्नलिखित विद्वानों ने प्रो. शास्त्री के विद्वतापूर्ण लेखनों की व्याख्या की:

1. प्रो. श्रीधर वशिष्ठ-पूर्व कुलपति, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

2. प्रो. सुभाष विद्यालंकार-पूर्व कुलपति, गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार।

3. प्रो. शशिप्रभा कुमार-अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन केंद्र, जे.एन.यू., नई दिल्ली।

अनेक प्रख्यात विद्वानों ने अपनी उपस्थिति से अवसर की शोभा बढ़ाई।

बाएं से-प्रो.वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सुदीप बनर्जी, सलाहकर्ता, उच्चतर शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. श्रीनिवास रथ, उपाध्यक्ष, महर्षि सन्दीपनी राष्ट्रिय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन तथा अन्य विद्वान 'संस्कृत सप्ताहोत्सव' के उद्घाटन समारोह में।

दिल्ली में स्थापित 54 विभिन्न विद्यालयों से 6ठी से 12वीं कक्षाओं के 245 छात्रों ने भी 10 से 12 अगस्त 2006 तक आयोजित विभिन्न समारोहों में भाग लिया। इन्होंने-श्लोक पाठ, भाषा-स्पर्धा तथा लेख आलेखन जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। प्रो. पुष्पेंद्र कुमार तथा प्रो. अवनींद्र कुमार-दिल्ली विश्वविद्यालय से सेवानिवृत्त प्रोफेसर-इन प्रतियोगिताओं हेतु आमंत्रित निर्णायक व्यक्ति थे। डा. गणेश दत्त शर्मा-सेवानिवृत्त रीडर, लाला लाजपत राय कॉलेज, गाजियाबाद, डा. गोविन्द प्रसाद त्रिपाठी-प्रधानाचार्य, मुक्तिनाथ संस्कृत महाविद्यालय, डा. ए.ए. वेतल तथा डा. विश्वप्रकाश-दोनों केंद्रीय विद्यालय के सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, डा. चन्द्रभूषण झा-रीडर, सेंट स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, डा. बलदेवानंद सागर-निदेशक, संस्कृत समाचार चैनल (अखिल भारत रेडियो, दिल्ली), डा. महानंद झा, डा. के. अनंथ, डा. हरेराम त्रिपाठी, डा. शुद्धानंद पाठक, डा. भगीरथी नंद, डा. जयकिशन सभी श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ नई दिल्ली के रीडर तथा सर्वश्री विष्णुप्रसाद शर्मा, भैरव झा, वीरेन्द्र झा, पतिराम शर्मा, राजेन्द्र खेवती-सभी श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, नई दिल्ली के संकायसदस्य आमंत्रित अतिथि थे।

विजयी छात्रों को रु. 100/- से रु. 500/- तक नकद पुरस्कार पदकों तथा प्रमाणपत्र के साथ दिए गए।

श्री केशव देसिराजु, संयुक्त सचिव (भाषाएं), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत-सरकार ने, 12 अगस्त 2006 के समापन समारोह, संस्कृत सप्ताहोत्सव के समापन क्षणों की शोभा बढ़ाई। कुलसचिव, डा. सी.गिरि ने स्वागत-भाषण दिया तथा सप्ताह भर के समारोहों के गतिविधियों का संक्षेप प्रस्तुत किया। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति ने सभी योगदान-कर्ताओं, प्रतिभागियों तथा कार्यक्रमों में साक्ष्यों को धन्यवाद दिया।

संस्कृत सप्ताहोत्सव के दौरान राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के परिसरों में भी विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

श्री केशव देसिराजु, संयुक्त सचिव (भाषाएं), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार संस्कृत सप्ताहोत्सव के समापन समारोह में अभिभाषण देते हुए

7.2 श्री रणवीर परिसर, जम्मू के नये भवन का उद्घाटन (18 मार्च, 2007)

श्री रणवीर परिसर, कोट भलवाल, जम्मू के नये भवन का उद्घाटन समारोह 18 मार्च 2007 आयोजित किया गया। आदरणीय डा. करण सिंह जी, एक प्रख्यात विद्वान तथा संसद-सदस्य ने परिसर की नई इमारत, पुस्तकालय, तथा आवासीय ब्लाक का उद्घाटन किया। उन्होंने महाराजा रणवीर सिंह के चित्र का अनावरण भी किया, जिनके नाम पर परिसर की स्थापना हुई। आदरणीय श्री जुगल किशोर शर्मा, ग्रामीण विकास मंत्री, जम्मू एवं काश्मीर राज्य तथा श्री मदन लाल शर्मा, संसद सदस्य दोनों सम्माननीय अतिथि, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, डा. सी.गिरि, कुलसचिव, प्रो. वी.एम. शास्त्री-प्रधानाचार्य तथा स्थानीय अत्यन्त सम्माननीय व्यक्तिगण इस अवसर पर उपस्थित थे। इस अवसर के दौरान, मुख्य अतिथि, आदरणीय डा. करण सिंह जी ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के विभिन्न परिसरों पर पुस्तक का, कश्मीर शैव दर्शन कोश, परिसर की पत्रिका श्री वैष्णवी का भी विमोचन किया। प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति ने मुख्य अतिथि को एक शाल तथा स्मरण चिह्न भी अर्पित किया। प्रो. वी.एम. शास्त्री ने राज्यमंत्री-श्री जुगलकिशोर शर्मा, सांसद श्री मदन लाल शर्मा, कुलपति प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री तथा कुलसचिव डा. सी.गिरि को एक शाल तथा स्मृतिचिह्न के साथ सम्मानित किया। अपने उद्घाटन भाषण में, आदरणीय श्री करण सिंह जी ने उस वृक्ष रुपी संस्थान के उद्घाटन में अत्यधिक प्रसन्नता दर्शायी जिसके बीज का रोपण उनके पूर्वजों ने लगभग 150 वर्ष पहले किया था।

सम्माननीय अतिथियों ने इस अवसर को सुन्दर विचारों से सुशोभित किया। प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति ने संस्कृत भाषा में जम्मू तथा काश्मीर के योगदान पर रोशनी डाली। प्रो. वी.एम. शास्त्री, प्रधानाचार्य ने अतिथियों का धन्यवाद किया। डा. सी.गिरि ने उपस्थित जनों, सार्वजनिक निकायों तथा मीडिया का धन्यवाद किया।

माननीय डॉ. करण सिंह जी जम्मू परिसर के मुख्य भवन का उद्घाटन करते हुए।

7.3 अतिरिक्त सचिव तथा संयुक्त सचिव (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मंत्रालय का संस्थान में आगमन (7 अप्रैल 2006)

श्री के.एम. आचार्य, अतिरिक्त सचिव तथा श्री एन. के. सिन्हा, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, ने 7 अप्रैल 2006 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली का दौरा किया।

उन्होंने संस्थान के पुस्तकालय, प्रकाशन तथा बिक्री ईकाई का भी निरीक्षण किया। प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति ने प्रकाशनों और वीडियो एलबमों के महत्व और उपयोगिता के विषय में उन्हें बताया। वे बहुत प्रभावित हुए और देश के सभी संस्कृत-कार्यक्रमों के प्रदर्शन हेतु एक दृश्य-श्रव्य पुस्तकालय के विकास पर जोर डाला।

बाएं से-श्री एन.के. सिन्हा, संयुक्त सचिव (भाषाएं), श्री के.एम.आचार्य, अतिरिक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली

7.4 भारतीय विश्वविद्यालय संघ के दल का आगमन (24 मार्च-22 मई, 2006)

भारतीय विश्वविद्यालय संघ द्वारा संगठित एक उच्च शक्तिमय समिति ने राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के मुख्यालयों का तथा देश के विभिन्न भागों में इसके परिसरों का, 24 मार्च से 22 मई 2006 तक दौरा किया। परिणाम फलदायक सिद्ध हुए और संस्थान को सदस्यता प्रदान की गई।

डा. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान बाएं से दूसरे- भारतीय विश्वविद्यालय संघ की उच्चाधिकार प्राप्त समिति से वार्तालाप करते हुए

7.5 डॉ. टी. आर. केम, सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का संस्थान में आगमन (20 अक्टूबर, 2006)

संस्थान के संस्थापन दिवस, 20 अक्टूबर 2006 के अवसर पर डा. टी. आर. केम, सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली में मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया। उन्होंने संस्थान के बगीचे में एक वृक्ष का रोपण किया। इस अवसर पर, 1-14 सितम्बर 2006 में आयोजित हिन्दी पखवाड़े के विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को उन्होंने पुरस्कार वितरित किया। उनहोंने संस्थान के बिक्री इकाई और पुस्तकालय का भी दौरा किया तथा प्रकाशनों, श्रव्य-दृश्य कार्यक्रमों तथा अन्य गतिविधियों की प्रशंसा की। प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया तथा डा. सी.गिरि, कुलसचिव ने धन्यवाद

बाएं से-प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, डॉ. टी.आर. केम, सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, डॉ. सी.गिरि, कुलसचिव एवं राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अन्य अधिकारी

7.6 अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता (27-29 दिसम्बर 2006)

अखिल भारतीय संस्कृत वाक्स्पर्धा प्रतियोगिता का आयोजन, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के श्री सदाशिव परिसर, पुरी के प्रांगण में 27 से 29 दिसम्बर 2006 को किया गया जिसमें देश के 15 राज्यों से 15 शिक्षकों तथा 125 छात्रों ने, समस्यापूर्ति, श्लोकान्त्याक्षरी, भाषा-स्पर्धा तथा न्याय, व्याकरण और साहित्य में शलाका-परीक्षा के अतिरिक्त आठ शास्त्रों में भाग लिया।

इस समारोह का उद्घाटन श्री सुरेश चन्द्र मोहपात्र, आई ए एस, राजस्व डिवीसन आयुक्त, केंद्रीय डिवीसन, कटक तथा मुख्य प्रशासक श्री जगन्नाथ मन्दिर, पुरी ने किया। प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय), नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. एच. के. सत्पथी, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति-उद्घाटन समारोह के सम्माननीय अतिथि थे। प्रो. राम करण शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन का अन्तर्राष्ट्रीय संघ-इस अवसर के प्रमुख वक्ता थे।

न्यायाधीश रंगनाथ मिश्र, पूर्व मुख्य-न्यायाधीश, भारतीय उच्चतम न्यायालय–समापन समारोह में मुख्य अतिथि थे। प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। डा. सुभाष पाणि, सचिव, ग्रामीण विकास मन्त्रालय, भारत-सरकार इस अवसर के सम्माननीय अतिथि थे।

प्रतियोगिता के निर्णायकों के रूप में निम्नलिखित प्रख्यात विद्वानों को आमंत्रित किया गया था–

1. डा. रामकरण शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन का अन्तर्राष्ट्रीय संघ।

2. प्रो. हरे कृष्ण सतपथी, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति।

3. प्रो. आर. कृष्ण मूर्थि, पूर्व प्रधानाचार्य, संस्कृत कालेज, माइलापोर, चेन्नई।

4. प्रो. देवेंद्र मिश्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली।

5. प्रो. वाचस्पति त्रिपाठी, कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा।

6. प्रो. पुष्पा दीक्षित, बिलासपुर, छत्तीसगढ़

7. प्रो. के. ई. देवनाथन, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति

8. डा. डी. प्रभाकर शर्मा, प्रधानाचार्य, संस्कृत कालेज, कोव्वुर, पश्चिम गोदावरी, आंध्र प्रदेश

शलाका सहित प्रतिस्पर्धाओं के विजेताओं को 39 पुरस्कार और पदक (स्वर्ण, रजत तथा कांस्य) प्रदान किए गए।

प्रतिस्पर्धाओं के प्रतिभागी छात्रों की एक झलक :

(क) शलाका – (अ) न्याय-6 (ब) व्याकरण - 8 (स) साहित्य – 9

(ख) श्लोकांत्याक्षरी – 29

(ग) समस्यापूर्ति – 25

(घ) भाषण स्पर्धा – 100

सभी प्रदर्शनों के मध्य कर्नाटक राज्य शीर्ष पर रहा। पुरी परिसर के छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी मंचन किया। छात्रों के अतिरिक्त, संस्कृत विद्वानों, कर्मचारियों तथा प्रतिभागियों और आम जनता ने बड़े उत्साहपूर्वक इस आयोजन का आनन्द लिया।

बाएं से तृतीय न्यायाधीश रंगनाथ मिश्र, भूतपूर्व मुख्य न्यायाधीश, भारतीय उच्चतम न्यायालय मूर्धन्य विद्वानों के साथ

7.7 एडिनबर्ग में विश्व संस्कृत सम्मेलन (10-14 जुलाई 2006)

एडिनबर्ग, स्कॉटलैंड, यू.के. में, 10 से 14 जुलाई, 2006 तक, 13वें विश्व संस्कृत सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर, शास्त्राचारक्षासर तथा कवि सम्मेलन का आयोजन भारत की ओर से प्रथम बार किया गया। उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सम्मेलन हेतु देश के विभिन्न भागों से 30 प्रख्यात विद्वानों का चयन किया। उनमें से 19 विद्वानों ने प्रतिभागिता हेतु अनुदान का उपयोग किया। श्रीमती रश्मि चौधरी, निदेशक (भाषा), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा-विभाग, भारत सरकार ने कार्यालय प्रतिनिधि रूप में प्रतिनिधित्व किया।

प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने शास्त्राचारक्षासर सत्र की अध्यक्षता की। उनका, अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन संघ, पेरिस के अध्यक्ष रूप में निर्वाचन भी किया गया, जिसकी अवधि 6 वर्ष की है।

विश्व संस्कृत सम्मेलन के अवसर पर बाएं से-श्रीमती रश्मि चौधरी, निदेशक (भाषाएं), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति रा.सं.सं., प्रो. जॉन ब्रोकिंगटन एवं प्रो. आर.के. शर्मा, अध्यक्ष, अन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत अध्ययन संघ

7.8 वसंतोत्सव (20-22 फरवरी, 2007)

वसंतोत्सव के अवसर पर, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने, लिटिल थियेटर ग्रुप प्रेक्षागृह, नई दिल्ली में 20-22 फरवरी 2007 के दौरान, अर्न्तपरिसर नाटक प्रतियोगिता का आयोजन किया। समारोह का उद्घाटन, श्री जयंत कस्तौर, सचिव, संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली ने किया। प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने समारोह की अध्यक्षता की। प्रो. के. डी. त्रिपाठी, पूर्व निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन तथा प्रो. राजेन्द्र मिश्र, सलाहकर्त्ता, उत्तरांचल संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार तथा पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी सम्माननीय अतिथि थे। डा. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने अतिथियों का स्वागत किया तथा प्रो. हिन्द केसरी, प्रधानाचार्य जयपुर परिसर, ने उद्घाटन समारोह में अतिथियों का धन्यवाद किया।

अपने उद्घाटन भाषण में, श्री जयन्त कस्तौर ने इस प्रकार के सांस्कृतिक समारोह की प्रशंसा की तथा भविष्य में अकादमी की ओर से सहायता का आश्वासन दिया।

प्रो. वी.कुटुम्ब शास्त्री ने अपने अध्यक्षीय भाषण में, राजधानी में इस प्रकार के आयेजन के उद्देश्यों को उद्धरित किया। उन्होंने संक्षेप में, वसन्तोत्सव समारोह हेतु किये गये प्रयासों को प्रस्तुत किया।

उद्घाटन समारोह के अंश रूप में छात्रों द्वारा 'पूर्व रंग' (सभी नाटकों का) तथा श्री वेंकटेशमूर्ति, शोध-सहायक, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली द्वारा 'दुर्योधन' का एकल अभिनय रूप में मंचन किया गया।

20 फरवरी 2007 की शाम को, पुरी के एक आमंत्रित समूह द्वारा पारम्परिक रूप में 'संस्कृत पल' का मंचन किया गया जिसमें 'कीचकवध' अभिनीत किया गया। यह पल, पंडित गदाधर दास द्वारा निर्देशित किया गया। श्री रघुनाथ पाढ़ि तथा श्री किशोर चन्द्र शतपथी सहित उन्होंने भी मंच पर अभिनय किया।

21 फरवरी 2007 को प्रातः 'कवि सान्निध्यम' कार्यक्रम - समसामयिक संस्कृत कवि श्रृंखला पर विचार-विमर्श का आयोजन किया गया। प्रो. रामकरण शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, भारतीय संस्कृत अध्ययन संघ, पूर्वकुलपति सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा कमलेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा कवि रूप में थे।

निम्नलिखित विद्वानों ने प्रो. रामकरण शर्मा के कार्यों पर अपने विचार प्रगट किए :

1. प्रो. कमलेश दत्त त्रिपाठी– पूर्व निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन

2. प्रो. राजेंद्र मिश्र– पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी तथा सलाहकर्ता, उत्तरांचल संस्कृत विश्वविद्यालय।

3. डा. रामदेव झा– सेवानिवृत्त रीडर, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली।

22 फरवरी 2007 को प्रातः 'विद्वत सान्निध्यम्'' समसामयिक संस्कृत विद्वत- श्रृंखला पर वार्तालाप का आयोजन किया गया। इस श्रृंखला में विद्वान के रूप में प्रो. एन.एस.आर. ताताचार्य, पूर्व कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति थे। प्रो. ताताचार्य की रचनाओं पर निम्नलिखित विद्वानों ने अपने विचार प्रकट किए:

1. प्रो. एन. वीझिनाथन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, मद्रास वि.वि., चेन्नई।

2. प्रो. शशिप्रभा कुमार, अध्यक्ष, संस्कृत अध्ययन केन्द्र, जे.एन.यु., न.दिल्ली।,

3. प्रो. के.ई. धरणीधरन्, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पांडुचेरी वि.वि.।

4. डा. राजाराम शुक्ल, निदेशक, अनुसंधान विज्ञान संकाय, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के सभी परिसरों के छात्रों द्वारा निम्नलिखित दस नाटकों का 20, 21 तथा 22 फरवरी 2007 की शाम को मंचन किया गया।

नाटक

1. स्वप्नवासवदत्तम्
2. हास्यचूड़ामणिप्रहसनम्
3. प्रतिज्ञाश्वाथामीयम्
4. प्रसन्नराघवम्
5. राजवैभवम्
6. बालभरतम्
7. पंचरात्र
8. रघुदासस्य पत्रम्
9. चाणक्यविजयम्
10. विक्रमोर्वशीयम्

परिसर

गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
लखनऊ परिसर, लखनऊ
भोपाल परिसर, भोपाल
श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी
श्री सदाशिव परिसर, पुरी
जयपुर परिसर, जयपुर
गरली परिसर, गरली
श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद
श्री रणवीर परिसर, जम्मू
के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुंबई

गुरुवायूर, लखनऊ तथा भोपाल परिसरों के छात्रों द्वारा अभिनीत नाटक स्वप्नवासवदत्ता, हस्यचूड़ामणि तथा प्रतिज्ञास्वत्थमीयम् क्रमशः प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय निर्णीत किए गए। नाटक हास्य चूड़ामणि में श्री चंचल शर्मा द्वारा अभिनीत ज्ञान राशि का चरित्र, श्रेष्ठ पुरुष चरित्र घोषित किया गया। कु. नीति वेद पाढ़ि ने श्रेष्ठ महिला चरित्र का पुरस्कार, राजवैभवम् नाटक के शव्या के अभिनय हेतु जीता।

इन नाटकों के निर्णायक थे-प्रो. राजेन्द्र मिश्र, पूर्व कुलपति, सम्पूर्णानंद वि.वि. वाराणसी तथा सलाहकर्ता, उत्तरांचल संस्कृत वि.वि., हरिद्वार, प्रो. एन्. वीझिनाथन् सेवानिवृत्त प्रोफेसर, संस्कृत विभाग, मद्रास वि.वि., चेन्नई, प्रो. धरनीधरन्, विभागाध्यक्ष, संस्कृत विभाग, पांडुचेरी वि. वि., डा. राजाराम शुक्ल, निदेशक, अनुसंधान विज्ञान संकाय, सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, डा. नन्दिनी रमानी, निदेशक, डा. वी. राघवन प्रदर्शन कलाकेंद्र, चेन्नई, डा. बलदेवानंद सागर, निदेशक, संस्कृत समाचार, आकाशवाणी भवन, नई दिल्ली तथा श्रीमती विधु खेड़ा, नाटक विशेषज्ञ, राष्ट्रीय नाटक-विद्यालय, नई दिल्ली।

श्री सुदीप बनर्जी, सलाहकर्ता, उच्चतर शिक्षा, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत-सरकार, समापन समारोह के मुख्य अतिथि थे। प्रो. वी.एन. राजशेखरन् पिल्लई, कुलपति, इग्नु, नई दिल्ली तथा प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, नई दिल्ली, सम्माननीय अतिथि थे।

प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री ने स्वागत किया और संबंधित सभी लोगों को बधाई दी। डा. सी.गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान ने अतिथियों का

वसन्तोत्सव-2007 की झलक

उद्घाटन समारोह-
बाएं से-प्रो. राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो. के.डी. त्रिपाठी, भूतपूर्व निदेशक, कालिदास अकादमी, उज्जैन, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री जयन्त कस्तौर, सचिव, संगीत नाटक अकादमी।

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की छात्रा द्वारा कुच्चिपुडि नृत्य

समापन समारोह में प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान स्वागत भाषण देते हुए-बांए से बैठे हुए-प्रो. आर.के. शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, आई.ए.एस.एस., श्री सुदीप बनर्जी, सलाहकर्ता, उच्चतर शिक्षा, मा.सं.वि. मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. वी.एन. राजशेखरन् पिल्लई, कुलपति, इग्नु, प्रो. वाचस्पति उपाध्याय, कुलपति, श्री ला.ब.शा. राष्ट्रिय संस्कृत विद्यापीठ, श्री के.एम. आचार्य, अतिरिक्त सचिव मा.सं.वि. मन्त्रालय, भारत सरकार एवं डॉ. सी. गिरि, कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान।

कवि सान्निध्यम

बाएं से-प्रो. राजेन्द्र मिश्र, भूतपूर्व कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत वि.वि., वाराणसी, प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, प्रो. आर.के. शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, आई. ए.एस.एस., श्रीमती अन्नपूर्णा शर्मा, प्रो. के.डी. त्रिपाठी, भूतपूर्व निदेशक, कालीदास संस्कृत अकादमी, उज्जैन, डॉ. रामदेव झा, पूर्व प्रवाचक, श्री ला.ब.शा.रा.सं.विद्यापीठ।

विद्वत्सान्निध्यम्

बाएं से-प्रो. एन. विज़ीनाथन, भूतपूर्व प्रो., संस्कृत विभाग, मद्रास वि.वि., प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, प्रो. एन.एस. आर. ताताचार्य, प्रो. ई.धरनीधरन, संस्कृत विभागाध्यक्ष, पाण्डिचेरि वि.वि., डॉ. राजेन्द्र शुक्ल, अध्यक्ष, अनुसंधान विज्ञान संकाय, स.सं.वि.वि., वाराणसी, श्रीमती विधु खेड़ा, नाटक विशेषज्ञ, राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय।

संस्कृत पल

परिसरों के छात्रों द्वारा पूर्वरंग

श्री वेंकटेश मूर्ति द्वारा 'दुर्योधन' एकल अभिनय

गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर द्वारा अभिनीत 'स्वप्नवासवदत्तम्'

लखनऊ परिसर, लखनऊ द्वारा अभिनीत ➤
'हास्यचूड़ामणिप्रहसनम्'

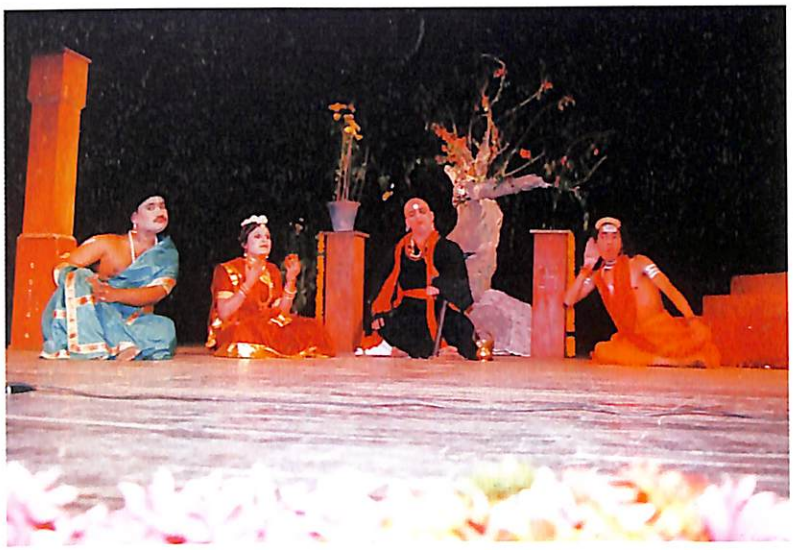

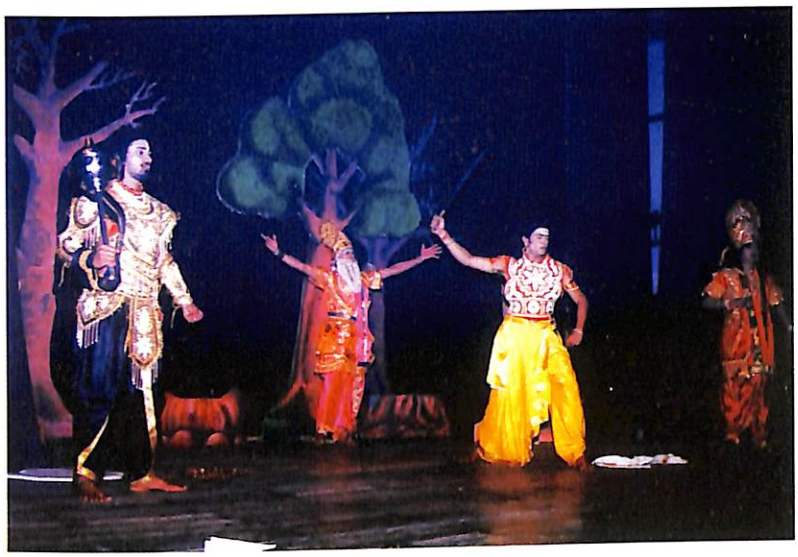

➤ भोपाल परिसर, भोपाल द्वारा अभिनीत
'प्रतिज्ञाश्वथामीयम्'

जयपुर परिसर, जयपुर द्वारा अभिनीत ➤
'बालभरतम्'

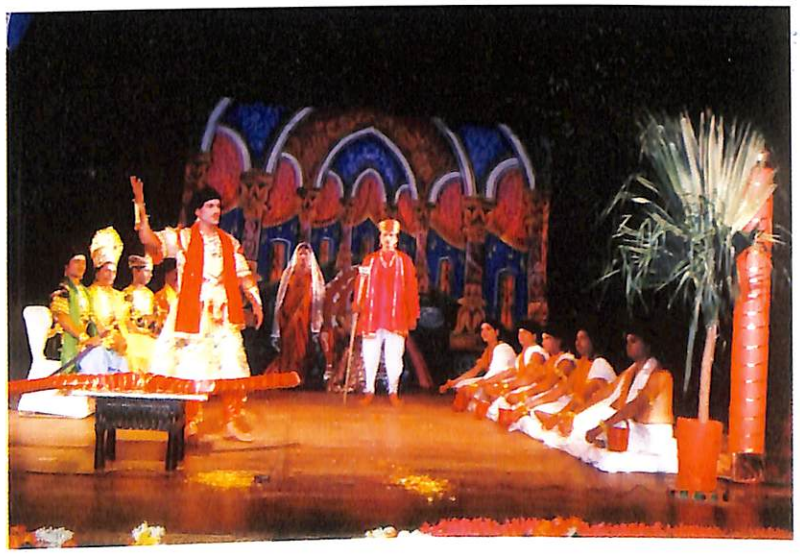

➤ श्री सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा अभिनीत 'राजवैभवम्'

श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी द्वारा अभिनीत ➤ 'प्रसन्नराघवम्'

➤ श्री रणवीर परिसर, जम्मू द्वारा अभिनीत 'चाणक्यविजयम्'

के.जे. सोमैया संस्कृत विद्यापीठम् परिसर, मुम्बई द्वारा अभिनीत 'विक्रमोर्वशीयम्'

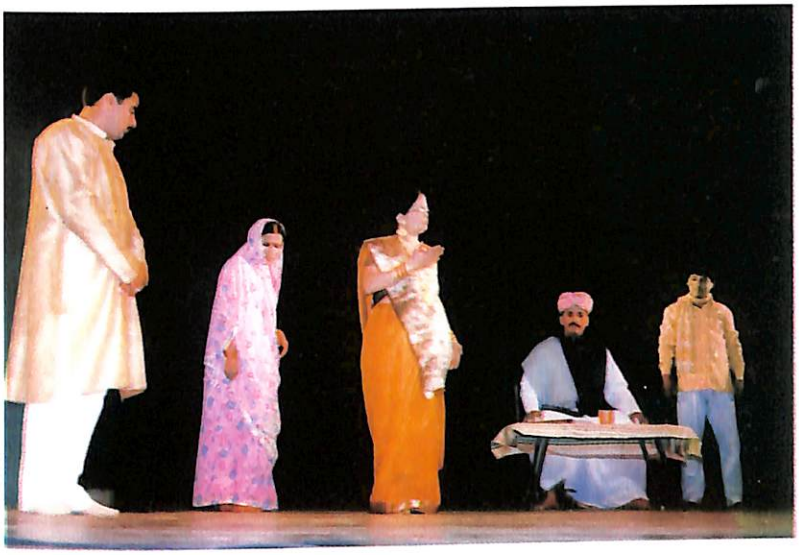

श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद द्वारा अभिनीत 'रघुदासस्य पात्रम्'

गरली परिसर, गरली द्वारा अभिनीत 'पञ्चरात्र'

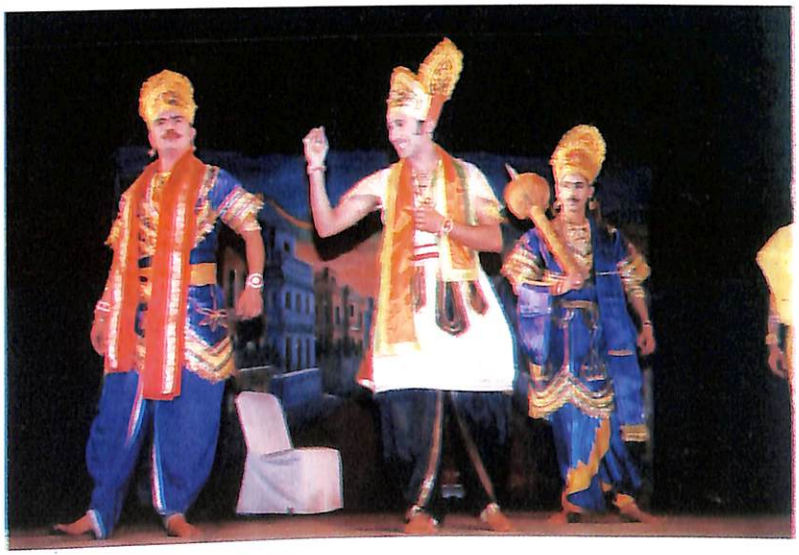

एकल अभिनय की प्रस्तुति पर श्री वेंकटेश मूर्ति पुरस्कार प्राप्त करते हुए

गुरुवायूर परिसर द्वारा अभिनीत श्रेष्ठतम नाटक का प्रथम पुरस्कार प्राप्त करते हुए प्रो. एन.आर. कन्नन, प्राचार्य

द्वितीय स्थान पर रहे लखनऊ परिसर द्वारा अभिनीत नाटक का पुरस्कार प्राप्त करते हुए प्रो. सुरेन्द्र झा, प्राचार्य

तृतीय स्थान पर रहे भोपाल परिसर द्वारा अभिनीत नाटक का पुरस्कार प्राप्त करते हुए संकाय सदस्य

नाट्योत्सव का अवलोकन करते श्रोतावृन्द

प्रबन्धन परिषद् के सदस्यों की सूची

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
4.	प्रो. डी. प्रह्लादाचार 120/2, 15वाँ क्रॉस, गंगम्मा, लेआउट बीएसके प्रथम स्टेज, बेंगलूर–560050	सदस्य
5.	प्रो. सरोजा भाटे भण्डारकर ओरिएण्टल रिसर्च इन्स्टीट्यूट, पूना–411004	सदस्य
6.	प्रो. सीतानाथ गोस्वामी 63/1 ए, सेलमपुर लेन, कोलकाता–700031	सदस्य
7.	प्रो. एस.सी. पाण्डेय नेशनल फेलो, आई.आई.ए.एस., शिमला (हि.प्र.)	सदस्य
8.	प्रो. ए.सी. सारंगी कुलपति, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (उड़ीसा)	सदस्य
9.	डॉ. गोपाराजु रामा प्राचार्य, गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)	सदस्य
10.	डॉ. मिनती रथ वरिष्ठ व्याख्याता, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, श्री सदाशिव परिसर, पुरी, (उड़ीसा)	सदस्य
11.	डॉ. सी. गिरि कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सचिव

क्रमशः...

(पुनर्गठित प्रबन्धन-परिषद)

12 अक्टूबर, 2006 से प्रभावी

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	वित्त सलाहकर्ता मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
4.	प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी संस्कृत-प्राचार्य, डा. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर-470003 (म.प्र.)	सदस्य
5.	प्रो. गंगाधर पण्डा संस्कृत-प्राचार्य, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी-221002 (उ.प्र.)	सदस्य
6.	श्री नितीश सेनगुप्ता 'सुनन्दा'-40/135, सी.आर.पार्क विस्तार, नई दिल्ली-110019	सदस्य
7.	प्रो. श्रीनिवास रथ 12, उदयन मार्ग, उज्जैन-456010 (म.प्र.)	सदस्य
8.	प्रो. बलदेव मेहरा संस्कृत विभाग, महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक-124001 (हरियाणा)	सदस्य
9.	प्रो. आजाद मिश्र राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) भोपाल परिसर, ई-7/62, अरेरा कालोनी भोपाल-462016 (म.प्र.)	सदस्य
10.	डा. कमल नयन शर्मा, रीडर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) जयपुर परिसर, त्रिवेणी नगर (गोपालपुरा बाईपास) जयपुर, राजस्थान	सदस्य

11.	डा. एस. सुब्रमण्यम् शर्मा, वरिष्ठ व्याख्याता राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गुरुवायूर परिसर, पी.ओ.पूर्णट्टुकरा जिला-त्रिचूर-680551 (केरल)	सदस्य
12.	डा. सी.गिरि, कुलसचिव राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सचिव

संलग्नक-ख

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

(नामितगण 16 फरवरी, 2007 तक पदस्थ थे)

1.	प्रो. वी. कुटुम्ब शास्त्री, कुलपति राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली	अध्यक्ष
2.	संयुक्त सचिव (भाषाएं) मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
3.	वित्त सलाहकार मानव संसाधन विकास मन्त्रालय माध्यमिक व उच्चतर शिक्षा विभाग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य
4.	प्रो. सत्यव्रत शास्त्री नई दिल्ली	सदस्य
5.	डॉ. (श्रीमती) निलोफर ए. काज़मी संयुक्त सचिव, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू.जी.सी. की नॉमिनी) वेस्टर्न रीजनल ऑफिस गणेश खण्ड, पूणे विश्वविद्यालय परिसर, पुणे–7	सदस्य
6.	प्रो. एस.सी. पाण्डेय नेशनल फेलो, आई.आई.ए.एस., शिमला (हि.प्र.)	सदस्य
7.	डॉ. सी. गिरि कुलसचिव, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली	सचिव

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) के संकाय-सदस्यों का परिसर-वार विवरण

1. श्री गंगानाथ झा परिसर, इलाहाबाद (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
1.	प्रो. गोपाराजु रामा	प्राचार्य	साहित्य, व्याकरण
2.	डॉ. (श्रीमती) एस. के. मिश्र	रीडर	साहित्य
3.	डा. ललित कुमार त्रिपाठी	रीडर	न्याय व्याकरण
4.	डॉ. वी. एन. गिरि	रीडर	साहित्य
5.	डॉ. बनमाली बिस्वल	रीडर	व्याकरण
6.	डॉ. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	रीडर	साहित्य
7.	डॉ. प्रदीप कुमार पाण्डेय	व्याख्याता	व्याकरण
8.	डॉ. पवन कुमार	व्याख्याता	साहित्य
9.	श्रीमती बीना मिश्र	संग्रहाध्यक्ष	शोध
10.	श्री राम रूप	पुस्तकालयाध्यक्ष	शोध
11.	डॉ. (श्रीमती) शैलजा पाण्डेय	शोध सहायक	शोध
12.	श्री रामचन्दर	शोध सहायक	शोध
13.	डॉ. राम किशोर झा	प्रतिलिपिक	शोध
2.	**श्री सदाशिव परिसर, पुरी**		
1.	डॉ. जी. गंगन्ना	प्राचार्य	अद्वैत वेदान्त
2.	प्रो. के.बी. सुभरयादु	प्रोफेसर	अद्वैत वेदान्त
3.	प्रो. सीएच. एल. एन. शर्मा	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
4.	डॉ. आर. टी. मिश्रा	रीडर	पुराणेतिहास
5.	डॉ. एफ. एम. पण्डा	रीडर	पुराणेतिहास
6.	डॉ. खगेश्वर मिश्र	रीडर	धर्मशास्त्र
7.	डॉ. सीएच. एन. वी. प्रसाद राव	रीडर	अद्वैत वेदान्त
8.	श्री एस.वी.आर. मूर्ति	रीडर	अंग्रेजी
9.	डॉ. एस. एन. मिश्रा (14.11.2006 को सेवानिवृत्त)	रीडर	ज्योतिष
10.	डॉ. ए. के. नन्दा	रीडर	धर्मशास्त्र

क्रमश:....

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
11.	डॉ. एच. के. मोहापात्र	रीडर	व्याकरण
12.	डॉ. के.व्ही. सोमैयजुलु	रीडर	व्याकरण
13.	डॉ. एस.एम. रथ	रीडर	साहित्य
14.	डॉ. एम.एम. झा	रीडर	शिक्षा शास्त्र
15.	डॉ. एस.के. सेनापति	रीडर	सर्वदर्शन
16.	श्री बी.पी. मोहन्ती	व्याख्याता (पी.ई.) चयन श्रेणी	शारीरिक शिक्षा
17.	डॉ. (श्रीमती) एम.रथ	वरिष्ठ व्याख्याता	पुराणेतिहास
18.	डॉ. एल.के. साहू	वरिष्ठ व्याख्याता	धर्मशास्त्र
19.	डॉ. यू.एन. झा	वरिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
20.	डॉ. आर.के. बर्मन	वरिष्ठ व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
21.	डॉ. सत्यम कुमारी	वरिष्ठ व्याख्याता	न्याय
22.	श्रीमती गौरा प्रिया दाश	व्याख्याता	सांख्य योग
23.	डॉ. (श्रीमती) अनुपम पृस्ति	व्याख्याता	व्याकरण
24.	डॉ. पी.के. मोहपात्र	व्याख्याता	ज्योतिष
25.	डॉ. एस. एन. आचार्य	व्याख्याता	साहित्य
26.	डॉ. (श्रीमती) शुभस्मिता मिश्रा	व्याख्याता	ज्योतिष
27.	डॉ. (श्रीमती) एनं. पाणिग्रही	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
28.	डॉ. के. ई. मधुसूदनन	व्याख्याता	न्याय
29.	डॉ. वी.पी. कच्छवाह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
30.	डॉ. बृंदाबन पात्र	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
31.	डॉ. एस.जी. पाण्डेय	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
32.	डॉ. दुर्गा च. सारंगी	व्याख्याता	व्याकरण
33.	डॉ. महेश झा	व्याख्याता	न्याय
34.	डॉ. श्रीमती के. मोहापात्रा	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	हिन्दी
35.	डॉ. एन.सी. साहू	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	उड़िया
36.	श्री पी.सी. मोहपात्र	कनिष्ठ व्याख्याता (वरिष्ठ)	इतिहास
37.	कुमारी स्नेहा नन्दा	वरिष्ठ पी.जी.टी.	साहित्य
38.	डॉ. श्रीमती एस. सतपथी	वरिष्ठ पी.जी.टी.	सर्वदर्शन
39.	डॉ. एस. आचार्य	वरिष्ठ पी.जी.टी.	हिन्दी
40.	डॉ. पी.सी. साहू	वरिष्ठ टी.जी.टी.	हिन्दी, डी.सी.एस. गणित

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
41.	श्रीमती बी.एल. मोहन्ती	वरिष्ठ टी.जी.टी.	साहित्य
42.	डॉ. (श्रीमती) आर.एम. प्रतिहारी	वरिष्ठ टी.जी.टी.	साहित्य
43.	श्री डी.पी. दास मोहपात्र	वरिष्ठ टी.जी.टी.	इतिहास
44.	डॉ. एन.के. पाण्डेय	टी.जी.टी.	व्याकरण
45.	श्री सुशान्त कुमार सतपथी	वरिष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षक	कम्प्यूटर शिक्षा
46.	श्री बिस्वनाथ मिश्र	कनिष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षक	कम्प्यूटर शिक्षा
3.	**श्री रणवीर परिसर, जम्मू**		
1.	प्रो. वी.एम. शास्त्री	प्रधानाचार्य	साहित्य
2.	डॉ. वी.एन. झा	रीडर	साहित्य
3.	डॉ. अपराजिता मिश्रा	व्याख्याता	साहित्य
4.	डॉ. डी.के. सिंहदेव	व्याख्याता	साहित्य
5.	डॉ. एस.के. शर्मा	पी.जी.टी.	साहित्य
6.	डॉ. वाई.पी. खजूरिया	प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. के.पी. शर्मा	प्रवाचक	व्याकरण
8.	डॉ. हरि नारायण तिवारी	प्रवाचक	व्याकरण
9.	डॉ. रामजी पाण्डेय	पी.जी.टी.	व्याकरण
10.	डॉ. एस.एन. शर्मा	टी.जी.टी.	व्याकरण
11.	डॉ. आई.एम. दास	प्रोफेसर	ज्योतिष
12.	डॉ. बी.बी. मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
13.	श्री राम दास	टी.जी.टी.	ज्योतिष
14.	डॉ. बी.एन. झा	रीडर	दर्शन
15.	श्री के. रघुनाथन	रीडर	दर्शन
16.	डॉ. जे.भानु मूर्ति	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. बच्चा भारती	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. नागेन्द्र झा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
19.	डॉ. जे.आर. शर्मा	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
20.	श्री दरयाव सिंह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
21.	श्री एस.सी. शर्मा	रीडर	अंग्रेजी
22.	डॉ. रमेश सिंह	रीडर	शारीरिक शिक्षा
23.	डॉ. विनोद कुमार गुप्ता	कनिष्ठ व्याख्याता	हिन्दी

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
24.	श्रीमती रेणु मल्होत्रा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
25.	श्रीमती निर्मल गुप्ता	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
26.	श्रीमती विजय शर्मा	टी.जी.टी.	डोगरी/हिन्दी
27.	डॉ. आर.सी. होता	शोध सहायक	शोध
28.	डॉ. एम.के. मारवाह	शोध सहायक	शोध
29.	डॉ. सुरेश पाण्डे	शोध सहायक	शोध
30.	डॉ. सुनीता गुप्ता	शोध सहायक	शोध
4.	**गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर**		
1.	डॉ. एन.आर. कन्नन	प्रधानाचार्य	न्याय,मीमांसा, वेदान्त
2.	प्रो. के.टी. माधवन	प्रोफेसर	साहित्य
3.	डॉ. एम.ए. बाबू	प्रोफेसर	शिक्षा-शास्त्र
4.	डॉ. पी.जी. श्रीनिवासन	रीडर	व्याकरण
5.	डॉ. वी.के. शैलजा	रीडर	व्याकरण
6.	डॉ. सी.एल. सिसिली	रीडर	व्याकरण
7.	डॉ. आर. प्रथिभा	रीडर	अद्वैत वेदान्त
8.	श्री एस. सुब्रमानिया शर्मा	वरिष्ठ व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
9.	डॉ. इन्दिरा पी.	व्याख्याता	साहित्य
10.	डॉ. के.के. हर्षकुमार	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
11.	डॉ. एन. आर. श्रीधरन्	व्याख्याता	न्याय
12.	डॉ. सम्भुनाथ महालिक	व्याख्याता	वेदान्त
13.	डॉ. आर. बालामुरूगन	व्याख्याता	न्याय
14.	श्री विश्वानाथन् के.	व्याख्याता	साहित्य
15.	डॉ. बी. पीएम श्रीनिवास	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
16.	डॉ. चन्द्रकान्त	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
17.	डॉ. अशोक कुमार कछवाह	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
18.	श्री त्रिविक्रमन नम्बूदिरी ए.एम.सी.	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
19.	डॉ. कृष्णन नम्बूदिरी के.	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
20.	डॉ. के. सरलादेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
21.	डॉ. प्रसन्ना उन्निथान	कनिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
22.	डॉ. के. यू. जया	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य इतिहास

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
23.	श्रीमती वी. के. सुबैदा	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य हिन्दी
24.	डॉ. सी. सान्था	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
25.	डॉ. पी.वी. श्रीदेवी	कनिष्ठ व्याख्याता	साहित्य
26.	के. ए. जेस्सी	कनिष्ठ व्याख्याता	सामान्य मलयालम
27.	श्रीमती जयश्री पी.	वरिष्ठ प्रशिक्षक	कम्प्यूटर
28.	श्रीमोहन के. आर.	कनिष्ठ प्रशिक्षक	कम्प्यूटर
29.	डॉ. ललिता चन्द्रन	शोध सहायक	शोध
30.	डॉ. (श्रीमती) विजयलक्ष्मी राधाकृष्णन	शोध सहायक	शोध
5.	**जयपुर परिसर, जयपुर**		
1.	डॉ. हिन्द केसरी	प्रधानाचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. वासुदेव शर्मा	प्रोफेसर	ज्योतिष
3.	डॉ. अर्कनाथ चौधरी	प्रोफेसर	व्याकरण
4.	डॉ. कमल नयन शर्मा	रीडर	धर्मशास्त्र
5.	डॉ. (श्रीमती) भगवती सुदेश	रीडर	धर्मशास्त्र
6.	डॉ. शिवकान्त झा	रीडर	व्याकरण
7.	डॉ. टी.के. शर्मा	रीडर	शिक्षाशास्त्र
8.	डॉ. वाई.एस. रमेश	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
9.	डॉ. श्रियांस कुमार सिंघई	रीडर	जैन-दर्शन
10.	डॉ. सुदेश कुमार शर्मा	रीडर	शिक्षाशास्त्र
11.	डॉ. (श्रीमती) संतोष मित्तल	रीडर	शिक्षाशास्त्र
12.	डॉ. फतेह सिंह	रीडर	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. सोहन लाल पाण्डेय	रीडर	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. के. पी. केशवन	रीडर	साहित्य
15.	डॉ. ओ. पी. मदाना	रीडर	शारीरिक शिक्षा
16.	डॉ. रमाकान्त पाण्डेय	रीडर	साहित्य
17.	डॉ. विजय पाल शास्त्री	रीडर	साहित्य
18.	डॉ. श्रीधर मिश्रा	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
19.	डॉ. ईश्वर भट्ट	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
20.	डॉ. बत्ती लाल मीना	व्याख्याता (मुम्बई परिसर को स्थानान्तरित)	शिक्षा-शास्त्र
21.	डॉ. कमलेश कुमार जैन	व्याख्याता	जैन दर्शन
22.	डॉ. उमाकान्त चतुर्वेदी	व्याख्याता	साहित्य
23.	डॉ. विष्णुकान्त पाण्डेय	व्याख्याता	व्याकरण
6.	**लखनऊ परिसर, लखनऊ**		
1.	प्रो. सुरेन्द्र झा	प्रधानाचार्य	शिक्षा-शास्त्र
2.	प्रो. एस.एन. झा	प्रोफेसर	ज्योतिष
3.	डॉ. एस.के. चतुर्वेदी	रीडर	व्याकरण
4.	डॉ. एम. चन्द्रशेखर	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
5.	डॉ. बटोही झा	रीडर	साहित्य
6.	डॉ. एल.एन. पाण्डे	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. वी.के. जैन	रीडर	बौध दर्शन
8.	डॉ. एस.के. पाण्डे	रीडर	हिन्दी
9.	डॉ. एस.के. पाठक	रीडर	व्याकरण
10.	डॉ. राम लखन पाण्डेय	रीडर	साहित्य
11.	डॉ. जी.पी. शर्मा	रीडर	शारीरिक शिक्षा
12.	डॉ. (श्रीमती) ए. अग्रवाल	रीडर	शिक्षा-शास्त्र
13.	डॉ. डी.के. झा	व्याख्याता	व्याकरण
14.	डॉ. पी.व्ही.बी. सुब्रह्मण्यम	व्याख्याता	ज्योतिष
15.	डॉ. जय प्रकाश नारायण	व्याख्याता	साहित्य
16.	डॉ. भारत भूषण त्रिपाठी	व्याख्याता	व्याकरण
17.	डॉ. गणेश शंकर विद्यार्थी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. शामदेव मिश्र	व्याख्याता	ज्योतिष
19.	कुमारी गजल अंसारी	व्याख्याता	साहित्य
20.	डॉ. गुरचरन सिंह नेगी	व्याख्याता	बौद्ध दर्शन
21.	श्री जगन्नाथ झा	कनिष्ठ व्याख्याता	राजनीति विज्ञान
22.	श्रीमती कविता बिसरिया	कनिष्ठ व्याख्याता	अंग्रेजी
23.	डॉ. एस.पी. सिंह	कनिष्ठ व्याख्याता	अर्थशास्त्र
24.	डॉ. आर.बी. दुबे	शोध सहायक	शोध

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
7.	**श्री राजीव गान्धी परिसर, शृंगेरी**		
1.	प्रो. आर. देवनाथन	प्रधानाचार्य (15.06.06 से)	व्याकरण
2.	डॉ. ए.पी. सच्चिदानन्द	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. ई.एम. राजन	रीडर	साहित्य
4.	डॉ. महाबलेश्वर पी.भट्ट	रीडर	अद्वैत वेदान्त
5.	डॉ. सुब्रय वी. भट्ट	वरिष्ठ व्याख्याता	मीमांसा
6.	डॉ. रमाकान्त मिश्र	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
7.	डॉ. ई.पी. श्रीदेवी	व्याख्याता	साहित्य
8.	डॉ. रामचन्द्रुल बालाजी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. सी.एस.एस.एन. मूर्थि	व्याख्याता	व्याकरण
10.	डॉ. नवीना होल्ला	व्याख्याता	न्याय
11.	डॉ. चन्द्रशेखर भट्ट	व्याख्याता	व्याकरण
12.	डॉ. कृष्णनाथन पद्मनाभम्	व्याख्याता	व्याकरण
13.	श्री गणेश ईश्वर भट्ट	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
14.	डॉ. राघवेन्द्र भट्ट	व्याख्याता	साहित्य
15.	श्री हरि प्रसाद के.	व्याख्याता (16.10.06 तक)	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. भगवान समथराय	व्याख्याता	अद्वैत वेदान्त
17.	डॉ. सोमनाथ साहु	व्याख्याता	शिक्षा-शास्त्र
18.	डॉ. सुशान्त कुमार राज	व्याख्याता	साहित्य
8.	**गरली परिसर, गरली**		
1.	प्रो. आर.एन. दास	प्रधानाचार्य	व्याकरण
2.	डॉ. सुबोध शर्मा	रीडर	व्याकरण
3.	डॉ. ए.सी. गौड़	वरिष्ठ व्याख्याता	व्याकरण
4.	डॉ. एम.एम. पाठक	रीडर	ज्योतिष
5.	डॉ. सी.एम. रैना	व्याख्याता	ज्योतिष
6.	डॉ. वी.के. निर्मल	व्याख्याता	ज्योतिष
7.	डॉ. आर.के. शर्मा	रीडर	साहित्य
8.	डॉ. एस.एन. तिवारी	रीडर	साहित्य
9.	डॉ. के.के. दलाल	व्याख्याता	साहित्य
10.	डॉ. एस.के. त्रिपाठी	व्याख्याता	साहित्य

क्रमांक	नाम	पदनाम	विशिष्टीकरण
9.	**भोपाल परिसर, भोपाल**		
1.	प्रो. पी.एन. शास्त्री	प्रोफेसर/ओ.एस.डी.	शिक्षाशास्त्र
2.	डॉ. वी.एन. चौधरी	रीडर	शिक्षाशास्त्र
3.	डॉ. पी.डी. चौधरी	रीडर	शिक्षाशास्त्र
4.	डॉ. देवी प्रसाद द्विवेदी	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. पवन कुमार	व्याख्याता	शिक्षाशास्त्र
6.	प्रो. आजाद मिश्र	प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. बोध कुमार झा	रीडर	व्याकरण
8.	श्री ब्रजभूषण ओझा	व्याख्याता	व्याकरण
9.	डॉ. कैलाश चन्द्र दाश	व्याख्याता	व्याकरण
10.	डॉ. सुज्ञान कुमार महन्ती	व्याख्याता	साहित्य
11.	डॉ. नारायणन ई. आर.	व्याख्याता	साहित्य
12.	डॉ. रामचन्द्र जोइस	व्याख्याता	साहित्य
13.	डॉ. हंसधर झा	वरिष्ठ व्याख्याता	ज्योतिष
14.	श्री अमित शुक्ल	व्याख्याता	ज्योतिष
15.	डॉ. के.के. शिने	व्याख्याता (मुम्बई परिसर को स्थानांतरित)	शिक्षाशास्त्र
16.	श्री देवदत्त सरोदे	व्याख्याता (मुम्बई परिसर को स्थानांतरित)	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. अर्चना दूबे	व्याख्याता	हिन्दी
10.	**के.जे. सौमैया संस्कृत विद्यापीठम् (परिसर), मुम्बई**		
1.	डॉ. कमल चन्द्र योगी	प्रधानाचार्य (शृंगेरी परिसर से स्थानान्तरित)	व्याकरण
2.	डॉ. प्रकाश चन्द्र	रीडर	व्याकरण
3.	डॉ. (श्रीमती) राधा	रीडर	साहित्य
4.	डॉ. लोकमान्य मिश्र	रीडर (लखनऊ परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
5.	डॉ. के.के. शिने	रीडर (भोपाल परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
6.	डॉ. बत्तीलाल मीना	व्याख्याता (जयपुर परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
7.	श्री देवदत्त सरोदे	व्याख्याता (भोपाल परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
8.	श्री वी.एस.वी.भास्कर रेड्डी	व्याख्याता (भोपाल परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. (श्रीमती) चन्द्रकला आर. कोंदि	व्याख्याता	साहित्य
10.	श्री हरिप्रसाद के.	व्याख्याता (शृंगेरी परिसर से स्थानान्तरित)	शिक्षाशास्त्र

विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
1.	कु. संध्यारानी पट्टनायक	पुरी परिसर	अध्यात्मरामायण पंच दशिग्रन्थयो: वेदान्तदृष्टया तुलनात्मकमध्ययनम्	अद्वैत वेदान्त
2.	श्री अनिल कुमार सिंह तोमर	लखनऊ परिसर	वेदन्यायस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	न्याय
3.	श्री बालकृष्ण त्रिपाठी	लखनऊ परिसर	रुपगोस्वामिन: काव्यसिद्धान्तानाम् पर्यालोचनम्	साहित्य
4.	कु. सुनीता गोहन्ती	पुरी परिसर	श्राद्धकल्प-श्राद्धमयुख्योस्तुलनात्मकमध्यनम्	धर्मशास्त्र
5.	श्री इन्द्रदेव मिश्र	जे.एन.बी., लग्मा	पारस्करगृहसूत्रस्य हरिहर गदाधरयो: समीक्षात्मकमध्ययनम्	वेद
6.	कु. पुष्पारानी शर्मा	लखनऊ परिसर	ललितविस्तरस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	बौद्ध दर्शन
7.	कु. ज्योत्स्ना रानी दास	पुरी परिसर	आचारेंद्रु आचारदर्शयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
8.	कु. अन्नपूर्णा देवी	पुरी परिसर	अजन्त पुल्लिंगान्त लघुशब्देन्दुशेखरस्य तिलकनाम्नि टीकाया: तत्त्वलोचनम्	व्याकरण
9.	कु. कमला ओझा	इलाहाबाद परिसर	श्री विष्णु पुराणस्य साहित्यिकम् समीक्षिकम् च	साहित्य
10.	श्री ललित कुमार झा	जे.एन.बी., लग्मा	सुपद्मव्याकरणस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	व्याकरण
11.	श्री कालिदास चंद्र सैनी	जयपुर परिसर	श्रीधरिभास्करगृहोत्रिप्रणितस्य परिभाषाभास्करस्य समीक्षासहितम् सम्पादनम्	साहित्य
12.	श्री रामकिशोर बाजपेई	लखनऊ परिसर	आचार्य श्री आनंद झा शर्मणम् संस्कृत साहित्ये योगदानम्	साहित्य
13.	श्री राममणि पाठक पाण्डे	लखनऊ परिसर	रामकर्णामृतकाव्यस्य साहित्य शास्त्रीयम् समीक्षणम्	साहित्य
14.	श्रीमती ऊषा तिवारी	लखनऊ परिसर	रुक्मणिपरिणय चम्पुकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
15.	श्री कृष्णगोपाल जंगिद	जयपुर परिसर	परिभाषेन्दुशेखरस्य गदाभूति टीकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
16.	श्रीमती सुषमा देवी श्रीवास्तव	लखनऊ परिसर	पुराणेषु नादि विवेचनम् काव्यशास्त्रदृष्टया	पुराण

क्रमश:....

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
17.	श्री रघुनाथ त्रिपाठी	पुरी परिसर	दानतत्वदानमयुखयोस्तुलनात्मक-मध्ययनम्	साहित्य
18.	श्री प्रभुदयाल बैरभ	जयपुर परिसर	पाणिनियव्याकरणशास्त्रपद्धतिमासृत्य ललासोतलोकभाषायाः समीक्षात्मकाध्ययनम्	व्याकरण
19.	श्री अश्विनी कु. शर्मा	जम्मू परिसर	त्रिविक्रमात्मजलल्लभट्ट विरचित ज्योतिष रत्नकोषया विश्लेषणात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
20.	श्री हंसराज शर्मा	जम्मू परिसर	जातकजैमिनिग्रन्थोक्त दशफल समीक्षणम्	ज्योतिष
21.	श्री जनार्दन तिवारी	इलाहाबाद परिसर	आनन्दकन्द चम्पुकाव्यस्य समीक्षिकम् साहित्यकमचाध्ययनम्	साहित्य
22.	श्रीमती नीलम मिश्र	लखनऊ परिसर	भासनाट्यकृतिषुनाट्यशास्त्रोक्त दिशा रस विशेषानुसारम् छन्दोलंकारविधान विमर्श	साहित्य
23.	श्री ओंकारनाथ पाण्डे	इलाहाबाद परिसर	वाक्यपदीय हेलराजकृतिकायाः अवदानम्	नव्य व्याकरण
24.	कु. सुजाता मिश्र	पुरी परिसर	सुतसंहितायाः ज्ञानयोग शिवमाहात्म्य-खण्डयोः समीक्षणम्	पुराणेतिहास
25.	श्री शिशिरकुमार पाधि	पुरी परिसर	श्रीमन् महाभारतीयप्रशर गीतायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	पुराणेतिहास
26.	श्री चंद्रभूषण शुक्ल	लखनऊ परिसर	शिष्यहितान्यासे संधि प्रकरण समीक्षणम्	व्याकरण
27.	श्री मनमोहन तिवारी	इलाहाबाद परिसर	प्रौढ़मनोरमा शब्दरत्नशब्देंदुशेखर काशिकावृत्तिम् च अधिकृत्य स्त्रीप्रत्ययनम् तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
28.	कु. प्रियदर्शिनि मेकप	पुरी परिसर	गौतमधर्म सूत्रस्य मस्करिमितक्षर टीकयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
29.	श्री कर्ण सिंह	जम्मू परिसर	वक्रोक्तिदृष्टया कालिदास साहित्यस्य समीक्षणम्	साहित्य
30.	श्री रामकुमार कौल	गरली परिसर	वास्तुराज वल्लभस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
31.	विदुषी शान्तला हेगदे	पूर्ण प्रज्ञा विद्यापीठ बैंगलौर	उपाहरण महाकाव्य समीक्षात्मक-मध्ययनम्	अलंकारशास्त्र
32.	कु.एम.एस.रागिनि	गुरुवायूरु परिसर	विश्वेश्वरपंडित्राविरचितयः रसचन्द्रिकायाः समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
33.	श्री राजकुमार मिश्र	इलाहाबाद परिसर	कारकप्रकरणमधिकृत्य काशिकाप्रौढ़मनो-रमाशब्देन्दु-शेखरव्युत्पत्तिवादग्रन्थानाम् तुलनात्मकम् समीक्षात्मकमध्ययनम्	व्याकरणम्

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
34.	कु. सजनी बाला	जम्मू परिसर	पञ्चमहाकाव्येषु संकर संसृत्यालंकारस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
35.	कु. सीमा श्रीवास्तव	लखनऊ परिसर	भगवन्तरायामाखि प्रणितस्य राघवाभ्युदयाभिधास्य नाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
36.	कु. नम्रता श्रीवास्तव	लखनऊ परिसर	जानकीजीवनमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
37.	श्री प्रियरंजन रथ	पुरी परिसर	व्यवहार विषये विज्ञानेश्वर कुल्लुकमतयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	धर्मशास्त्र
38.	श्री उत्तम सिंह	लखनऊ परिसर	आचार्य धर्मकीर्तिकृतप्रमाणवर्तिका आचार्य विद्यानन्दकृतप्रमाणपृक्षयोश्च तुलनात्मकमध्ययनम् .	बौद्धदर्शन
39.	श्री लोकेश कौशिक	जयपुर परिसर	भट्टनारायणविरचितस्य प्रयोगरत्नस्य समीक्षासहितम् सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
40.	कु. सोनालिसा शतपथी	पुरी परिसर	श्री द्वारकाधीश महाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
41.	कु. प्रभासि मंजरी साहु	पुरी परिसर	शतरुद्रसंहिताया: समीक्षणम्	पुराणेतिहास
42.	कु. सुनीता सिंह गौतम	इलाहाबाद परिसर	चम्पुकाव्यपरम्परायाम् तिरुमालम्बकृतस्य वरदाम्बिकापरिणयचम्पुकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
43.	कु. दयावती गौतम	लखनऊ परिसर	सद्धर्म पुण्डरीकसूत्रस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	बौद्ध दर्शन
44.	श्री महेश बाबु एस.एन.	गुरुवायूरु परिसर	प्रक्रिया सर्वस्वे आपारिणीय प्रयोग विमर्श:	व्याकरण
45.	कु. गुंजन	इलाहाबाद परिसर	शृंगाररस राशिरसिकजीवनयोस्तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य
46.	श्रीमतीपद्मिनि टिक्कु	जम्मू परिसर	श्रीकंठचरिते औचित्यनिर्वाह समीक्षा	साहित्य
47.	श्री शिवस्वरूप तिवारी	इलाहाबाद परिसर	नारायणभट्ट-विरचितस्य धातुकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
48.	श्री अरविंद कुमार सिंह	इलाहाबाद परिसर	शंकरमिश्र प्रनितस्य कनादरहस्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	न्यायवैशेषिक
49.	श्री महेंद्र कुमार	गरली परिसर	कृततिङन्त पदनाम अंसुशीलनम्	व्याकरण
50.	श्री सन्तोष कुमार आचार्य	पुरी परिसर	अविकृत परिणामवादस्य सर्वदर्शन अन्तरादीय पर्यलोचनम्	सर्वदर्शन

क्रमांक	शोध छात्र	शोध केन्द्र	शीर्षक	विषय
51.	श्री रमेशचन्द्र शर्मा	जम्मू परिसर	जातकजैमिनिग्रन्थोक्त दशसाधनम् ततफलम् समीक्षणम च	ज्योतिष
52.	श्री राजेश कुमार गुप्ता	जयपुर परिसर	कविवर श्री दिनेशचंद्रदातस्य व्यक्तित्वं त्वदीयम् कृतिनाम समीक्षणम् च	साहित्य
53.	श्री तीर्थराम खजूरिया	जम्मू परिसर	ज्योतिषग्रन्थेषु आयुनिर्णायक पद्धतिनाम् समीक्षा	ज्योतिष
54.	श्री रजनीकांत	पुरी परिसर	ज्योतिषसंहितोक्त दिव्यप्रभावानाम समीक्षणम्	ज्योतिष
55.	श्री कमल किशोर	जयपुर परिसर	ज्योतिष-शास्त्रे पञ्चमभाव संबंधितफलित-विवरणम् पर्यालोचनम्	ज्योतिष
56.	श्री राहुवीर प्रसाद शर्मा	जयपुर परिसर	वैयाकरण सिद्धान्त कौमुद्या सज्जनेंद्र प्रयोग कल्पद्रुमस्य कारण तद्धित तिङन्तप्रकारणम् तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
57.	श्री गजानंद शर्मा	जयपुर परिसर	पं. काशीनाथप्रणितया: धातुमंजरय: समीक्षासहितम् संपदानामध्ययनम् च	व्याकरण
58.	श्री राघवेंद्र त्रिपाठी	इलाहाबाद परिसर	आधुनिक विधिव्यवस्थाया: संदर्भे कौटिल्यार्थशास्त्रस्य पर्यालोचनम्	साहित्य
59.	श्री सुभाषचंद्र सैनी	जयपुर परिसर	चन्द्रचूड़भट्टप्रणीतस्य काव्यसिद्धान्त-ग्रन्थस्य समीक्षात्मकम् संपादनम्	साहित्य
60.	श्री कृष्णकांत द्विवेदी	इलाहाबाद परिसर	श्री नरसिंहप्रणीतस्य कादम्बरी कल्याण नाटकस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
61.	श्री भुवनेश भारद्वाज	पुरी परिसर	पाणिने: व्याकरणशिक्षण विषय: शैली विज्ञानम् च	व्याकरण

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित बिश्वविद्यालय)
से सम्बद्ध संस्थाएं

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
बिहार		
1.	जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम संस्कृत विद्यालय ग्राम-पो. लगमा, (रामभद्र पुर) वा. लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
2.	देवराहा बाबा भक्त शिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, रामचन्द्रपुर, अन्धैल, पो. पटेली, जिला–समस्तीपुर, पिन–848132	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
3.	डॉ. रामजी मेहता संस्कृत महाविद्यालय मालीघाट, मुजफ्फरपुर (बिहार) 842001	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यव्याकरण, सिद्धान्त ज्योतिष, फलित ज्योतिष, सर्वदर्शन, प्राचीन व्याकरण)
4.	राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ कोलहन्टा पटोरी, पो. पटोरी बसंत, जिला–दरभंगा (बिहार) 846003	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय, प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य--प्रथम, द्वितीय (साहित्य, ज्योतिष-सिद्धान्त व फलित, व्याकरण)। विद्यावारिधि
5.	सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेगूसराय, बिहार–851101	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
6.	रामसुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान रमोल बेलान (लक्ष्मीनाथ नगर) वा. बहेरा, जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय, आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, वेद, ज्योतिष)

क्रमशः....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
7.	डॉ. मंडन मिश्र माध्यमिक संस्कृत विद्यालय, संजात, जिला–बेगुसराय (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
8.	अजित कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकान्त नगर, पो. लदौरा, जिला–समस्तीपुर–848302 (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
9.	लक्ष्मी हरिकान्त प्राथमिक संस्कृत माध्यमिक विद्यालय झंझारपुर, जिला–मधुबनी, बिहार–847404	प्रथमा–तृतीय. पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
10.	दीनानाथ मिथिला संस्कृत महाविद्यालय पो. कथरा–847423 जिला–दरभंगा (बिहार)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
11.	जे.एन.बी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. ऑ. लगमा, वाया लोहना रोड, जिला–दरभंगा (बिहार) 847407	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (वेद, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष और धर्मशास्त्र)। विद्यावारिधि
	दिल्ली	
12.	श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली–15	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, नव्य न्याय)
13.	ब्रह्मर्षि राम प्रपन्नाचार्य संस्कृत वेद वेदांग महाविद्यालय राजघाट के पीछे, पुराना पावर हाऊस, नई दिल्ली–2	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
14.	श्रीराम ज्योतिष कर्मकाण्ड महाविद्यालय, (राम विद्या मन्दिर एजुकेशन सोसायटी के अन्तर्गत) मंडावली, दिल्ली–110092	आचार्य–प्रथम, द्वितीय (कर्मकाण्ड, पौरोहित्य, ज्योतिष-फलित और सिद्धांत)
15.	वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
16.	राम दल संस्कृत महाविद्यालय 1612 दरीबा कलाँ, दिल्ली–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
17.	शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, 1021–1024, गली शक्ति मन्दिर दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
18.	समन्त भद्र संस्कृत महाविद्यालय दरियागंज, नई दिल्ली–110002	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, जैन-दर्शन)
19.	श्री महावीर विश्वविद्यापीठ ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली–110063	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण, सर्वदर्शन), विद्यावारिधि
20.	श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय एफ-487/3, रघुवीर नगर नई दिल्ली–110027	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
21.	आर्य कन्या गुरुकुल न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली–110060	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
22.	रामऋषि संस्कृत महाविद्यालय करावला, दिल्ली–110081	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
23.	आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवली, दिल्ली–110039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
24.	बाल विद्या मन्दिर रोहिणी, पूठ कलाँ दिल्ली–110041	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
गुजरात		
25.	श्री समर्थ संस्कृत महाविद्यालय, समर्थेश्वर महादेव एलिस ब्रिज, अहमदाबाद–6	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
26.	श्री रघुवर रामानंद वेदांत महाविद्यालय श्री कौशलेन्द्र मठ, सुरखेज रोड, पो. पलाडी, अहमदाबाद, गुजरात–380007	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (रामानंद वेदांत)
27.	एम.जे.पी. संस्कृत विद्यालय नरुनपुर, मीलाम्बिका रोड, अहमदाबाद–13	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
28.	दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय सरखेज गांधी नगर, हाईवे, छरोडी–382421	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
हरियाणा		
29.	आलोक संस्कृत महाविद्यालय चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, महेन्द्रगढ़ (हरियाणा) – 123039	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
30.	हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ पो. बघौला, तहसील–पलवल जिला–फरीदाबाद (हरियाणा)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
31.	श्री रामकृष्ण संस्कृत विद्यालय जी.टी. रोड, मुरथल, जिला–सोनीपत (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
32.	श्री रामानन्द ब्रह्मर्षि महाविद्यालय विराट नगर, पिंजौर (हरियाणा)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
33.	श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय तीर्थ, पाण्डु पिण्डारा, जीन्द (हरियाणा)	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमश:....

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
जम्मू व कश्मीर		
34.	श्री गुरु गंगादेव संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुन्दरवनी जिला–राजौरी, जम्मू	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
झारखण्ड		
35.	लक्ष्मी देवी शर्राफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, काली रेखा, वैद्यनाथ धाम देवघर, झारखण्ड पिन : 814112 (झारखण्ड)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
कर्नाटक		
36.	पूर्णप्रज्ञा संशोधन मन्दिर पूर्णप्रज्ञा विद्यापीठ, पूर्णप्रज्ञा नगर, कठरीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर–560028	विद्यावारिधि
केरल		
37.	भारतीय संस्कृत महाविद्यालय पिल्हारा रोड, वाया मंडुर जिला–कन्नूर – 670501 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य)
38.	श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय रामकृष्ण मठ, पो.–अरुणापुरम, पलै जिला–कोट्टायम – 686574 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (अद्वैत वेदान्त)
39.	श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ पो. इड्डाकाडोम, वा. इजहूकोन, जिला–क्वीलोन (केरल)	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
40.	कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो. बालूसरी, जिला–कालीकट – 673612	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
41.	कोडंगलूर विद्वत्पीठम् पैलेस रोड, पो. कोडंगलूर जिला–त्रिचूर (केरल) - 680664	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
42.	श्री शंकर संस्कृत महाविद्यापीठम्, देवस्वम् बोर्ड जंक्शन, कावदिअर, पो. त्रिवेन्द्रम–695003	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
43.	श्री भारती संस्कृत महाविद्यालय, मुजुंगावु, पो. एडनाड कासरगोड (केरल) - 671321	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
44.	महेश्वरी संस्कृत कॉलेज गाँव व पो. कक्कुर जिला–कोजीकोड–673619 (केरल)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
महाराष्ट्र		
45.	मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय भारतीय विद्याभवन, के.एम. मुन्शी मार्ग मुम्बई–400007	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
46.	श्री अंबाजी संस्कृत महाविद्यालय निवेतिया रोड, मलाड (पूर्व) मुम्बई (महाराष्ट्र) – 400097	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
47.	विवेकानंद संस्कृत पाठशाला विवेकानंद आश्रम, विवेकानंद नगर, पो. हिवाटा, (बी.यू.), तहसील मेहकर, जिला–बुलढ़ाना (महाराष्ट्र) 443301	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
मणिपुर		
48.	मणिपुर संस्कृत विद्यापीठ डी.एम. कॉलेज कैम्पस, इम्फाल, मणिपुर–795001	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
49.	राधा माधव संस्कृत महाविद्यालय, पो. नाम्बोल, मणिपुर–795134	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण, फलित ज्योतिष व सर्वदर्शन)
पंजाब		
50.	बाबा हरदित गिरि संस्कृत विद्यालय संस्कृत-प्रचारिणी अखारा सरहिन्द शहर, जिला–फतेहगढ़ साहिब, पंजाब	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
51.	श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज खन्ना–141401 जिला–लुधियाना (पंजाब)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
राजस्थान		
52.	नवजागृति संस्कृत विद्यापीठ, गंगापुर सिटी–322201 जिला–सवाई माधोपुर (राजस्थान) 322201	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
उत्तर-प्रदेश		
53.	रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इन्द्रपुर, (शिवपुर) वाराणसी	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय
54.	श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय बी-22/195, द्वारिकाधीश मन्दिर, शंकुलधारा, वाराणसी–221010	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, व्याकरण)
55.	गिन्नी देवी संस्कृत विद्यापीठ, मोदीनगर, जिला गाजियाबाद–201204 उत्तर प्रदेश	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
56.	श्री टिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली, उत्तर प्रदेश–248005	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
57.	गान्धी संस्कृत महाविद्यालय, पँवरी गौहनिया, पो. जसरा, इलाहाबाद	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
58.	अनन्ता देवी संस्कृत महाविद्यालय पी.ओ. कौंधियार, इलाहाबाद (उ.प्र.)	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्य व्याकरण)
59.	रानी पद्मावती योग तन्त्र उच्च माध्यमिक विद्यालय इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी (उ.प्र.)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
उत्तराञ्चल		
60.	देववाणी संस्कृत विद्यालय पो. त्रियुगी नारायण जनपद जिला–चमोली	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
61.	ज्वल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय ज्वल्पा देवी मन्दिर, पो. पति सैन पौडी–गढ़वाल	शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
62.	आदर्श संस्कृत विद्यापरिषद् सलड महादेव जिला–पौडी–गढ़वाल–246279	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
पश्चिम बंगाल		
63.	पगलानन्द संस्कृत विद्यालय दौरा पो. (कंटई) जिला–मिदनापुर पश्चिम बंगाल–72140	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
64.	श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड, कोलकाता–700035	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, नव्यन्याय, व्याकरण, वेदान्त, ज्योतिष, बौद्ध दर्शन, धर्म-शास्त्र)
65.	ठाकुर गदाधर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय पो. आरामबाग (कालीपुर) जिला–हुगली (पश्चिम बंगाल) – 712601	प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (व्याकरण, साहित्य, नव्यन्याय)
66.	हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय लिंग्से, दांर्जीलिंग हरलोक लिंग्से, वाया रीनोक (प. बं.) – 737133	प्रथमा–तृतीय, पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
67.	कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गाँव–कालियाचक पोस्ट ऑफिस हेरिया जिला–मिदनापुर (पश्चिम बंगाल) – 721430	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय आचार्य–प्रथम, द्वितीय (साहित्य, धर्मशास्त्र, व्याकरण, सांख्ययोग, नव्यन्याय, वेदान्त)

क्रमांक	संस्था का नाम	पाठ्यक्रम जिसके लिए सम्बद्धता है
68.	मदर उषा मेमोरियल ओरियन्टल सैन्ट्रल इंस्टीट्यूशन एण्ड आगम (तंत्र) रिसर्च सेन्टर, तेनोहरी, थाना रानीगंज जिला–उत्तर दीनाजपुर (पश्चिम बंगाल) – 733123	प्रथमा–प्रथम, द्वितीय, तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय
69.	भारती चतुष्पथी श्री श्रीगुरु कर्ण निकेतन, अमूल्य पारा, नवद्वीप, नादिया, (पश्चिम बंगाल) – 741302	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय प्राक्शास्त्री–प्रथम, द्वितीय शास्त्री–प्रथम, द्वितीय, तृतीय
70.	रामकृष्ण मठ विवेवकानन्द वेद विद्यालय, पो. ओ. वेलूर मठ जिला–हावड़ा (पश्चिम बंगाल) – 711202	पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय उत्तरमध्यमा–प्रथम, द्वितीय
71.	ठाकुर गदाधर संस्कृत विद्यापीठ पो. ओ. आरामबाग (कालीपुर) जिला–हुगली – 712601 (पश्चिम बंगाल)	प्रथमा–तृतीय पूर्वमध्यमा–प्रथम, द्वितीय

संलग्नक-च

उन सरकारों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार, कैबिनेट सचिवालय, कार्मिक विभाग, नई दिल्ली नं. 6/12/71 स्थापना (डी)	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पीं-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्.
2.	मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग नं. 796/786/1 (3)/72 दिनांक 5.12.1972	–वही–
3.	पंजाब सरकार, नं. 472-468-II/72/2686 दिनांक जनवरी, 1971	–वही–

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
4.	गोआ, दमन और दीयु, विशेष-स्थापना-2065-II दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	–वही–
5.	भारत सरकार, मानव संसाधन विकास मंत्रालय/शिक्षा, नई दिल्ली सं.एफ. 7-2/83-संस्कृत-2, दि. 31.12.1992	शिक्षा आचार्य-एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार, ज्ञापन सं. 94120/एच-172-2-शिक्षा पत्र संख्या-एल.डिस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी, 1973	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 2. प्रथमा-मिडिल स्कूल 3. मध्यमा-उच्चतर माध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार, 82/ दिनांक 24-9-92 अनुशेष सं. एस.एस.एन. 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्तूबर, 1972	1. उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री- उच्चविद्यालय प्रमाणपत्र
8.	उत्तर प्रदेश सरकार, सं. 10/3/1972 नियुक्ति (4) लखनऊ, दिनांक 27 अगस्त, 1973	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल (आठवीं कक्षा) 2. पूर्वमध्यमा-हाई स्कूल 3. उत्तरमध्यमा-इण्टर 4. शास्त्री-बी.ए. 5. आचार्य-एम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 8. वाचस्पति-डी.लिट्
9.	हरियाणा सरकार, सं. 278, जी. शिक्षा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़, दिनांक 13.5.1974 ज्ञापन सं.-डी 4/50-73-सीओ (2) चंडी दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिल स्कूल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी या इण्टरमीडिएट 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट् 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (हरियाणा में संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार, प्रस्ताव सं. एसएसएन-3266/72127 (73) ई 78583-जी सचिवालय, गान्धीनगर, दिनांक 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षा-शास्त्री-बी.एड.

	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार, सं. 23-62/70/सेक्रे/ एजु-ए वोल् 3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
12.	त्रिपुरा सरकार, सं. एफ. 83 (4-12) डीई/73 अगरतला, दिनांक 15.7.1972	-वही-
13.	राजस्थान सरकार, पी 9 (75) एस.पी./71/शिक्षा-5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) सं. एफ 10 व 74 शिक्षा (ग्रुप 4)/72 दिनांक 22 मई, 1978	1. प्रथमा-मिडिल 2. मध्यमा हायर सेकेण्डरी 3. शास्त्री बी.ए. 4. आचार्य एम.ए. 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 6. विद्यावारिधि-पी-एच.डी. 7. वाचस्पति-डी.लिट्
14.	जम्मू व कश्मीर सरकार, सं एजु. - 9/ई/74 रेकोग. दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकेण्डरी अथवा पी.यू.सी. 2. शास्त्री बी.ए. 3. आचार्य एम.ए. 4. शिक्षाशास्त्री बी.एड. 5. विद्यावारिधि पी एच.डी. 6. वाचस्पति डी.लिट्
15.	उड़ीसा सरकार 176/10/ईवाईई दिनांक 19.6.1975 सं. 20/32/75/828	1. शास्त्री बी.ए. 2. आचार्य एम.ए.
16.	पश्चिम बंगाल सरकार, शिक्षा विभाग सेक. ब्राँच, सं. 441 - एजु. (एस) 6 सी II/89	शिक्षाशास्त्री बी.एड.
17.	बिहार सरकार, संकल्प सं. 8/आर.-2003/86 के.ए. 9139/पटना दि. 25-6-1987	1. प्रथमा मिडिल 2. मध्यमा पूर्व मैट्रिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रजी सहित 3. शास्त्री (अग्रजी सहित) बी.ए. 4. आचार्य (बी.ए. अंग्रेजी सहित उत्तीर्ण) एम.ए.

उन विश्वविद्यालयों के नामों की सूची जिन्होंने संस्थान की परीक्षाओं को मान्यता दे दी है

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सायाजीराव बडौदा विश्वविद्यालय, पत्र सं. एसी/II/221 दिनांक 4.9.73	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र सं. सामान्य/मान्यता/974 दिनांक 16.6.73 तथा दिनांक 9.4.1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	इंटरमीडिएट बी.ए. एम.ए.
3.	विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन (म.प्र.) पत्र सं. प्रशासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त, 1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
4.	आन्ध्र विश्वविद्यालय, पत्र सं. 1 (6) 3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर पत्र सं. एफ-4-1/72 शैक्षिक-II/1146/ए दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी.ए.
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ सं. जी ए (डी 4) 899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पी-एच.डी. डी.लिट्
7.	श्री वेंकटेश्वर विश्वविद्यालय तिरुपति संख्या-सी.आई. 33017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजन से)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोध गया पत्र सं. 4767/48-23 डी II/बोध गया	मध्यमा शास्त्री	हायर सेकेण्डरी बी.ए.

क्रमशः....

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
	दिनांक 4.12.73	आचार्य	एम.ए.
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू	मध्यमा	पूर्व-विश्वविद्यालय
	पत्र संख्या-एफ शैक्षिक/V/153/74/4195-99	शास्त्री-भाग-1	बी.ए. (भाग-1)
	दिनांक 14.2.1974	शास्त्री-भाग-3	बी.ए. (अंतिम वर्ष)
		आचार्य	एम.ए., संस्कृत या साहित्याचार्य
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय	शास्त्री	बी.ए.
	एल. डिस्. पी-बी 21/83/73	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.2.1974		
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बर्दवान	मध्यमा	विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम
	आर.सी.आई/सम/141/376/74		
	दिनांक 24.6.74	शास्त्री	कला-स्नातक परीक्षा (त्रिवर्ष)
		आचार्य	एम.ए.
		विद्यावारिधि	पी-एच.डी.
		वाचस्पति	डी.लिट्
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर	शास्त्री	बी.ए.
	पी एस के वी/बोर्ड/4318/74-75	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 22.11.74		
13.	उत्कल विश्वविद्यालय, पत्र सं.	शास्त्री	बी.ए. (द्रष्टव्य क्रम सं. 32 भी)
	ए सी-1/आर.एम./171/51046/75		
	दिनांक 1.7.1975		
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूना	प्राक्शास्त्री	प्री-डिग्री
	ईएलजी/सम-109/3949	शास्त्री	बी.ए. (संस्कृत)
	दिनांक 26.4.1975	आचार्य	एम.ए. (संस्कृत)
		शिक्षाशास्त्री	बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय,	शास्त्री	बी.ए.
	पत्र सं. ई./3013	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 13.5.1975		
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र	शास्त्री	बी.ए., शास्त्री
	पत्र सं. ए सी एम-II/6115	आचार्य	एम.ए.
	दिनांक 6.6.1975 और ए सी एम/II/137/76/18904		

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
	दिनांक 7.8.76, ए सी एम-II/137/81/4139 दिनांक 19.3.81		
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद, परीक्षा/बी. मान्यता सं. 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
18.	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली पत्र संख्या-एफ. 36/ओईन 31/संस्कृत/22721 दिनांक 23.12.74	प्रथमा	मिडिल स्कूल तथा बोर्ड से सम्बद्ध विद्यालयों में नवीं कक्षा में प्रवेश हेतु।
19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम पत्र सं. सी.-3/720/76 जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76. एसी. सी 3/1600/77 दिनांक 3.1.81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
20.	विश्व भारती सं. जी-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
21.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ संघ पत्र सं. ईवी II/227/76/32765 दिनांक 7.2.76 नई दिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला पत्र सं. 3-8-74-एच पी यू (शैक्षिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4.7.80	शास्त्री शिक्षा-शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए. बी.एड. एम.ए. पी-एच.डी. डी.लिट्
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली पत्र सं.-1/मान्यता/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री	बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन से)
24.	संभलपुर विश्वविद्यालय, संभलपुर पत्र सं. 11727/शैक्षिक दिनांक 4.5.79, 6824/शैक्षिक दिनांक 27.9.85	आचार्य शास्त्री आचार्य	एम.ए. बी.ए. पासकोर्स (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के प्रयोजन हेतु) एम.ए.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
25.	श्री कामेश्वर सिंह दरभंगा विश्वविद्यालय पत्र संख्या-9356/74 दिनांक 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्या वाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय, धारवाड़ पत्र सं.-मान्यता/के-108/शैक्षिक/1504 दिनांक 12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
27.	गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर पत्र सं. सामान्य/मान्यता/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए.
28.	मद्रास विश्वविद्यालय पत्र सं. सी आर-III/मान्यता/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी.ए. एम.ए. (यदि पाठ्यक्रम में अंग्रेजी एक विषय के रूप में हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़ पत्र सं. एस-16981 दिनांक 28.11.1980	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्राज्ञ विशारद शास्त्री आचार्य
30.	श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र सं. 5163/84/एस.जे.एस.बी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहमपुर विश्वविद्यालय/भंज विहार, बरहमपुर, जिला-गंजाम उड़ीसा पत्र सं. 5131/शैक्षिक-II/बी यू/84 दिनांक 16.4.84	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) एम.ए. (संस्कृत)
32.	उत्कल विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्र सं. ए सी/आर एम/171ए/16292 दिनांक 31.3.84, ए सी/ मान्यता/सामान्य/ए-16178/84 दिनांक 29.3.84	आचार्य शिक्षा-शास्त्री	एम.ए. (संस्कृत) बी.एड.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मछली टेकू, काठमांडू, नेपाल पत्र सं. 372/04 दिनांक 19.9.84	प्राक्शास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी पत्र सं. जी-458/4019/74-85 दिनांक 28.5.85	प्रथमा/पूर्वमध्यमा प्राक्शास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य	प्रथमा/पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री/शिक्षा-आचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल पत्र सं. 1112/बी यू/शैक्षिक/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री/आचार्य शिक्षा-शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी.ए./एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्
36.	संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी पत्र सं. शै.-1722/92 दिनांक 22.12.92	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)	आचार्य विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) वाचस्पति (डी.लिट्)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र पत्र सं.-एसीएम/II/137/92/32489 दिनांक 28.12.92	शास्त्री (अंग्रेजी विषय के साथ) शास्त्री आचार्य	बी.ए. (पास) टी डी सी (10+1+3 योजना के अंतर्गत) परंतु विद्यार्थी को अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्ण होना चाहिए। शास्त्री एम.ए. (यदि अभ्यर्थी बी.ए. अंग्रेजी विषय के साथ पास हुआ हो)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम् सं.एसी.AI 3/305/86 (3) दि. 24.10.86	प्राक्शास्त्री तथा उत्तरमध्यमा शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य विद्यावारिधि एवं वाचस्पति	प्रि.डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) बी.एड. एम.ए. पी.एच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर-इम्फाल नोटिस दिनांक 3 जनवरी, 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी.ए.
40.	अजमेर विश्वविद्यालय, अजमेर पत्र सं. एफ 14 (193) शैक्षिक-II/यू ओ ए/92/3400/3506 दिनांक 6 फरवरी, 1992	शिक्षाशास्त्री	बी.एड.

	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर, द्वारा सं. परीक्षा/मान्यता/ए/3667 दिनांक 1.4.78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I प्रवेश प्राप्ति हेतु)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर, द्रष्टव्य सं. ई/3013 दिनांक 13.5.75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर के अंग्रेजी विषय में उत्तीर्ण) एम.ए. (यदि एम.ए. स्तर का अंग्रेजी विषय उत्तीर्ण हो)
43.	ओस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, द्रष्टव्य सं. 1866/1-942/II/शैक्षिक दिनांक 20.4.73 सं. 265/एल/2001/शै.दि. 27.1.2001	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि शिक्षाशास्त्री	बी.ए. एम.ए. पी-एच.डी. बी.एड.
44.	महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक, द्रष्टव्य सं. ए सी-/III/आर./81/2472 दिनांक 2.3.81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश हेतु
45.	माध्यमिक शिक्षा केंद्र बोर्ड, नई दिल्ली, द्रष्टव्य डी. ओ. सं. 80628 दिनांक 27.5.88	प्रथमा पूर्वमध्यमा, द्वितीय वर्ष उत्तर मध्यमा/प्राक्शास्त्री II	मिडिल हाई स्कूल/सेकण्डरी इंटरमीडिएट/सीनियर सेकण्डरी
46.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड, भिवानी, द्रष्टव्य सं.ए.पी.बी./10000/472/प्रकाश/25-9-03 दिनांक 19.5.05	पूर्व मध्यमा उत्तर मध्यमा	मैट्रिक सीनियर सेकण्डरी
47.	शिक्षा निदेशक, दिल्ली एफ-32/1/25/शिक्षा/72 दिनांक : 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षा शास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिल उच्च माध्यमिक बी.ए. एम.ए. बी.एड. पी-एच.डी. डी.लिट्.
48.	शिक्षा निदेशक, मणिपुर 11/3/71-से दि. 30 अगस्त 1972	वही	वही

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मुख्यालय में कर्मचारियों की अनुभागवार कार्यरत संख्या

1.	**शैक्षणिक अनुभाग**		
	I	शोध सहायक	1
	II	अवर श्रेणी क्लर्क (लिपिक)	1
	III	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
2.	**शोध एवं प्रकाशन अनुभाग**		
	I	शोध सहायक	2
	II	सहायक	1
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	3
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	1
3.	**पत्राचार पाठ्यक्रम तथा अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा अनुभाग**		
	I	शोध सहायक	2
	II	अनुभाग अधिकारी	1
	III	प्रशिक्षक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	3
4.	**परीक्षा अनुभाग**		
	I	सहायक निदेशक (परीक्षा)	1
	II	शोध सहायक	1
	III	अनुभाग अधिकारी	1
	IV	सहायक	3
	V	प्रशिक्षक	1
	VI	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	VII	अवर श्रेणी लिपिक	3
	VIII	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2

क्रमशः....

5.	**प्रशासन अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	वरिष्ठ आशुलिपिक	1
	IV	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	V	अवर श्रेणी लिपिक	5
	VI	गेस्टेटनर आपरेटर	1
	VII	स्टाफ कार चालक	2
	VIII	चतुर्थ श्रेणी/चौकीदार	10
6.	**वित्त अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	2
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक/खजांची	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
7.	**योजना अनुभाग**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	सहायक	1
	III	प्रवर श्रेणी लिपिक	3
	IV	चतुर्थ श्रेणी	1
8.	**पुस्तकालय**		
	I	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	1
	II	पुस्तकालय सहायक	1
	III	सहायक	1
	IV	अवर श्रेणी लिपिक	2
	V	चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी	2
9.	**आदर्श पाठशाला योजना एकक**		
	I	अनुभाग अधिकारी	1
	II	अवर श्रेणी लिपिक	2

सम्बद्ध राज्य सरकारों के माध्यम से प्रेषित आवेदनों के आधार पर जिन स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को वर्ष 2006-07 के मध्य वार्षिक अनुदान स्वीकृत किया गया, उनकी राज्यवार संख्या का विवरण

क्रमांक	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आन्ध्र प्रदेश	16
2.	आसाम	1
3.	बिहार	31
4.	छत्तीसगढ़	1
5.	दिल्ली	9
6.	गुजरात	6
7.	हरियाणा	29
8.	हिमाचल प्रदेश	2
9.	जम्मू और कश्मीर	2
10.	झारखण्ड	4
11.	कर्नाटक	20
12.	केरल	26
13.	मध्य प्रदेश	23
14.	महाराष्ट्र	19
15.	मणिपुर	3
16.	उड़ीसा	14
17.	पाण्डिचेरी	1
18.	पंजाब	8
19.	राजस्थान	33
20.	सिक्किम	6
21.	तमिलनाडु	24
22.	उत्तर प्रदेश	173
23.	उत्तरांचल	52
24.	पश्चिम बंगाल	264
	कुल	**767**

संस्थान की वित्तीय सहायता से प्रकाशित प्रकाशनों का विवरण

क्रमांक	अनुदानप्राप्तकर्ता/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
1.	डा. पुष्पा सिंह, दिल्ली	वैदिक व्याख्या पद्धति में शतपाठ ब्राह्मण का योगदान	अनुदानदाता	35,142.00
2.	डा. रमाकांत शुक्ला, दिल्ली	श्रीमद् रामचरित मानसम्	सचिव/देववाणी परिषद, दिल्ली	53,151.00
3.	डा. सुक्षम	धर्मशास्त्रीय विचाराधार का आधार	एम/एस. डियाइन प्रकाशन, दिल्ली	59,493.00
4.	डा. सुरेंद्र कुमार शर्मा पर्वानू (हिमाचल प्रदेश)	वृहद् कथाश्लोक संग्रह	एम/एस. परिमल प्रकाशन, दिल्ली	1,01,053.00
5.	डा. सुनील कुमार उपाध्याय मिर्जापुर	श्री तन्त्रोदुर्गा सप्तशती	एम/एस. परिमल प्रकाशन दिल्ली	25,630.00
6.	डा. प्रेम कुमार शर्मा नई दिल्ली	सिद्धान्तशिरोमणे गौला ध्यायस्योपपत्तीः	एम/एस. नाग प्रकाशन दिल्ली	37,959.00
7.	डा. निरंजन मिश्र, हरिद्वार	काव्यकुंजम्	एम/एस. सत्यम् प्रकाशन दिल्ली	13,468.00
8.	श्रीकृष्णदत्त शास्त्री दिल्ली	वेदामृतम्	एम/एस. सूर्यप्रभा प्रकाशन दिल्ली	31,730.00
9.	श्री गोविन्द प्रसाद शर्मा दिल्ली	ऋजुसिद्धान्त कौमुदी	एम/एस. यतीशन प्रकाशन दिल्ली	59,191.00
10.	डा. पद्माकर विष्णुवर्तक पुणे	स्वयंभू	एम/एस. नाग प्रकाशन दिल्ली	26,563.00
11.	डा. भास्कराचार्य त्रिपाठी भोपाल	अक्षर	एम/एस. नाग प्रकाशन दिल्ली	28,406.00
12.	प्रो. ओमप्रकाश पाण्डे उज्जैन	राशप्रिय विभावनम्	एम/एस. नाग प्रकाशन दिल्ली	31,928.00
13.	डा. रामसुमेर यादव उत्तराखण्ड	भागवतन्तरायमाखि प्रणीतस्य राघवाभ्युदयाभिध्येयस्य नाटकस्य सम्पादनम् समीक्षणम् च	एम/एस. ममता प्रकाशन दिल्ली	21,976.00
14.	डा. ज्ञान प्रकाश शास्त्री हरिद्वार	वैदिक साहित्य के परिप्रेक्ष्य में निघण्टु कोश के पर्यायवाची नामपदों में अर्थाभिन्नता	एम/एस. परिमल प्रकाशन दिल्ली	70,330.00

क्रमशः....

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
15.	डा. शशिकान्त पाण्डे, पटना	अद्वैत वेदान्त में मायावाद	अनुदानग्राही	62,705.00
16.	प्रो. पी.एन.कवथेकर इन्दौर	भूलोक विलोकनम्-3 बानानाम सुखबोधाय	एम/एस. नाग प्रकाशन दिल्ली	24,328.00
17.	डा. राजेन्द्र मिश्र शिमला	मत्तवरणी	अनुदानग्राही	26,897.00
18.	श्री दुर्गादत्त उपाध्याय मिर्जापुर	अन्योक्ति मुक्तशतकम्	एम/एस. ए.के. प्रिंटिंग प्रेस, मिर्जापुर	13,936.00
19.	डा. बलभद्रप्रसाद शास्त्री बरेली	सैरन्द्रि नाटकम्	अनुदानग्राही	20,868.00
20.	डा. रमेश कुमार पाण्डे दिल्ली	धर्मसंहितादशकम् (I व II खण्ड)	अनुदानग्राही	1,51,105.00
21.	डा. राजेन्द्र मिश्र शिमला	चित्रपर्णी	एम/एस. विजयन्त प्रकाशन, इलाहाबाद	23,594.00
22.	डा. पुष्पा दीक्षित विलासपुर	अष्ठाध्याये सहजबोध	एम/एस. पाणिनीय शोध संस्थान, बिलासपुर	1,42,962.00
23.	डा. वसंत कुमार मिश्र कंजौर	भवभूतिरुपकेषु मनोवैज्ञानिक-तत्वानाम् समीक्षणम्	एम/एस. सर्वन मिश्राः बालेश्वरम्	26,402.00
24.	डा. श्रीधर मिश्र, जयपुर	अजन्तलिंगत्रयस्य तत्वबोधिनि लघुशब्देंदुशेखरयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	एम/एस. जगदीश संस्कृत पुस्तकालय, जयपुर	15,649.00
25.	डा. कनन शर्मा नई दिल्ली	रस सिद्धान्त की दार्शनिक मीमांसा	एम/एस. रोमा प्रकाशन नई दिल्ली	14,971.00
26.	डा. कृष्ण कुमार, हरिद्वार	वत्साधिपति	अनुदानग्राही	31,234.00
27.	डा. कृष्ण कुमार, हरिद्वार	बन्धुजीवनम्	अनुदानग्राही	51,198.00
28.	डा. गोपबन्धु मिश्र, वाराणसी	कृतप्रत्यय विश्लेषनम्	एम/एस. संस्कृत प्रसार आरा	52,284.00
29.	श्री ए.रामचंद्र पति धारवाड़	कनवोकेशन (शास्त्र)	कुलसचिव, सी.एम. धारवाड़	38,325.00
30.	डा. नारायन दाश जगपति	संगनक दृष्टया श्रृंगार प्रकाशस्य नाट्यविषयकध्य-नमध्ययनम्	अनुदानग्राही	10,937.00

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
31.	डा. केशवप्रसाद गुप्त कौशाम्बि	वसंतविलास महाकाव्य का तत्वानुशीलन	एम/एस. शिल्पी प्रकाशन इलाहाबाद	15,807.00
32.	डा. पुष्पलता अग्रवाल लखनऊ	काव्यालंकार सारसंग्रह एक समीक्षात्मक अध्ययन	एम/एस. विभा प्रकाशन इलाहाबाद	15,577.00
33.	डा. सुन्दर नारायण झा ऊना (हिमाचल प्रदेश)	पुरुषमेघयज्ञस्य समीक्षा-त्मकाध्ययनम्	एम/एस. सत्यम प्रकाशन दिल्ली	15,028.00
34.	आचार्य रामयत्न शुक्ल वाराणसी	व्याकरणदर्शने सृष्टिप्रक्रिया विमर्श:	अनुदानग्राही	32,898.00
35.	डा. विजय कुमार लखनऊ	कर्ण: एक विशिष्ट व्यक्तित्व	एम/एस. यश प्रकाशन दिल्ली	22,762.00
36.	डा. कृष्णकांत होशियारपुर	छत्रसाल विजयम्	एम/एस. जगत प्रकाशन होशियारपुर	20,092.00
37.	डा. विष्णुपद महापात्र नई दिल्ली	शब्दशक्ति प्रकाशिका समीक्षणम्	एम/एस. मान्यता प्रकाशन दिल्ली	26,333.00
38.	डा. वैद्यनाथ झा जम्मू	प्रौढ़ मनोरमा	एम/एस. रचना प्रकाशन जयपुर	75,880.00
39.	डा. इंदुमति मिश्र वाराणसी	वैदिक बौद्ध जैन तर्कभाषणम् तुलनात्मकमध्ययनम्	अनुदानग्राही	14,038.00
40.	डा. गौरीनाथ मिश्र भास्कर, बेगुसराय	महामहोपाध्याय पं. मुकुंद झा बक्शी-व्यक्तित्व एवं कृतित्व	अनुदानग्राही	17,634.00
41.	कौस्तुभानंद पांडे अल्मोड़ा	मनमेय प्रकाशिका का दार्शनिक अध्ययन	एम/एस. बांकेबिहारी प्रकाशन, आगरा	57,111.00
42.	श्री रामजीवन मिश्र वाराणसी	सिद्धान्त शिरोमणि गणिता ध्यायस्य तुलनात्मकमध्ययनम्	एम/एस. ठाकुर प्रकाशन	20,194.00
43.	श्री रामजीवन मिश्र वाराणसी	मानदशिघ्रफलसाधनसमीक्षा	अनुदानग्राही	17,079.00
44.	श्री रामकुमार शर्मा दरभंगा	कोविदानंद विमर्शिनि	एम/एस. बांके बिहारी प्रकाशन, आगरा	42,283.00
45.	श्री टी.शंकरम् भत्तितिरि कन्नूर	पंचामृतम्	एम/एस. मुरली ग्रंथशाला अलप्पदम्ब	6,287.00
46.	डा. पी.एन्. कावठेकर इन्दौर	भूलोकविलोकनम्	एम/एस. प्रमिला प्रकाशन इन्दौर	52,570.00

क्रमांक	अनुदानग्राही/लेखक	शीर्षक	प्रकाशक	प्रदत्त अनुदानराशि (रुपयों में)
47.	डा. जी. गंगन्ना पुरी	ब्रह्मतत्व विमर्श:	एम/एस. ठाकुर प्रकाशन जम्मू	13,288.00
48.	डा. विश्वनाथ स्वांई पुरी	वशिष्ठ स्मृति	एम/एस. सी.ए. कंप्यूटर पुरी	44,556.00
49.	डा. के.वी. सोमयजुलु, पुरी	व्याकरणशास्त्रे शब्द-विमर्श:	एम/एस. अन्नुपूर्व प्रिंटर्स	16,215.00
50.	श्रीमती इंदिरा रानी सैनी दिल्ली	भोजराज ग्रन्थमाला	एम/एस. नाग प्रकाशन दिल्ली	1,93,266.00

संलग्नक-ट

प्रकाशन-अनुदान हेतु संस्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
1.	डा. देवकुमार यादव व्याख्याता, भवंस मेहता पी.जी.कालेज, भरवरी, कौशाम्बि	श्रीमद्भगवद्गीता में अन्तर्निहित दार्शनिक तत्वों का समीक्षणात्मक अध्ययन	59,560.00
2.	डा. आनंद कुमार श्रीवास्तव सी-632, गुरु तेग बहादुर नगर, इलाहाबाद	लेटर संस्कृत रेटोरिशियन्स	40,020,00
3.	श्री कृपाशंकर राय, डी. उड़िया, खरीदा, गाजीपुर	शिशुपालवधम्	64,460.00
4.	डा. कृष्ण कुमार 9-बी, विष्णु गार्डन, हरिद्वार	ऋषिक दृष्टानाम् ऋग्वेदमन्त्रानां व्याख्या	80,994.00
5.	श्री अरुणकुमार उपाध्याय बी-9, सी.वी. 9 कंटिजेंट रोड, कुटकसक, उड़ीसा	पुरुष सूक्त	56,025.00
6.	श्री शंकर लाल शास्त्री, निदेशक, राजस्थान ग्रामोत्थान एवं संस्कृत अनुसंधान संस्थान, शाहपुरा, जयपुर	संस्कृत वाङ्मय में पर्यवरण	70,500.00
7.	डा. मनमोहन सहगल, 263, अजीत नगर, पटियाला	पंजाब में उपलब्ध संस्कृत में श्री कृष्ण-संबंधी साहित्य की गुरुमुखी पाण्डुलिपियों पर आधारित श्री कृष्णचरित का विभिन्न पहलुओं से अध्ययन	53,000.00

क्रमश:....

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता एफ.नं. सहित	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
8.	डा. राजकुमारी त्रिखा बी.एफ-95, जनकपुरी, नई दिल्ली	महाभारत परिशीलन : विविध-चिन्तन	53,140.00
9.	प्रो. पुष्पेंद्र कुमार ए-11/146, सेक्टर-5 राहिणी, दिल्ली	श्रीमद् भागवत पुराण (हिंदी अनुवाद)	29,920.00
10.	डा. रेनु द्विवेदी सी 24/27-ए, कबीरछोर, वाराणसी	भारतीय दर्शन में कारणतावाद : एक समीक्षात्मक अध्ययन	64,790.00
11.	डा. मो. हनीफ शास्त्री, डी-2, ए/10सी, जनकपुरी, नई दिल्ली	मन्त्र शास्त्र एवम् उपयोग	2,15,750.00
12.	डा. परवेश सक्सेना ए.एन., 7वां, शलिमार बाग, दिल्ली	भारतीय संस्कृति के विविध आयाम	66,785.00
13.	डा. ऋषभ चन्द्र जैन, प्राकृत जैन शास्त्र शोध संस्थान, वैशाली (बिहार)	नियमसरपहुदसुत्तस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	51,786.00
14.	डा. कृष्णमूर्थि नितिलपुर योगानंद, उडुपि	तौलवमण्डलस्य संस्कृत कृति समीक्षा	52,000.00
15.	डा. सुदर्शन कुमार शर्मा एच.आई.जी.ब्लाक, 61/बी-3, सेक्टर-6, पर्वनू (हि.प्र.)	भोजराज का समरंगन सूत्रधार	3,14,500.00
16.	डा. राजशेखर प्रसाद मिश्र कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय (कुरुक्षेत्र)	मेघदूतम् (उत्तर भाग)	38,900.00
17.	डा. ज्योत्सना मोहन एफ-403, रश्मि अपार्टमेंटस हर्ष विहार, दिल्ली-34	संस्कृत साहित्य में प्रतिष्ठित नारियों द्वारा संरक्षित पर्यावरण संस्कृति	45,750.00
18.	डा. रामलखन पाण्डे राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) गरली परिसर, गरली (हि.प्र.)	सत्रहवीं शताब्दी के संस्कृत महाकाव्य	
19.	आकृति प्रकाशक, ए 112, भाग्यनगर, आर.टी.सी.रोड., अहमदाबाद	तत्वामृतम्	67,650.00
20.	डा. ई.पी.श्रीदेवी, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) राजीव गांधी परिसर शृंगेरी (कर्नाटक)	केरलीयकुटीयत्तनाट्यकलाया: समालोचनात्मकमध्ययनम्	75,000.00

क्रमांक	आवेदक का नाम व पता एफ.नं. सहित	शीर्षक	रचना की अनुमानित लागत
21.	श्री सुधिशेखर भट्टाचार्य वी.पी.ओ. खोजताड़, मेदिनिपुर, प.बंगाल	नेपालराज वाघम्	78,870.00
22.	डा. प्रनम शर्मा द्वारा-डा. नन्दकिशोरशर्मा नई कॉलोनी, खबरा, मुजफ्फरपुर	डा. रामकरण शर्मा : व्यक्तित्व एवं कृतित्व	52,680.00
23.	डा. रघुवीर वेदालंकार रामजस कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	वेदों में प्राप्त व्यक्तिवाची नाम आख्यानों की समीक्षा	79,900.00
24.	डा. दिनेश प्रसाद तिवारी 427/11, शास्त्री नगर, कानपुर	भारतीय तथा पाश्चात्य दर्शन में आत्मा एवं परमात्मा	47,840.00
25.	डा. जनार्दन पाण्डे सरकारी पी.जी. कॉलेज, लेंसडाउन पौड़ी गढ़वाल, उत्तरांचल	संस्कृत वाङ्मय में कवि शिक्षा	83,728.00
26.	डा. सूर्यमनि रथ, मातामठ लेन, पुरी (उड़ीसा)	सूर्यमणे : शतकत्रयम्	42,200.00
27.	श्री प्रताप कुमार मिश्र गनेश राज पी.जी. कालेज, दोभि, जौनपुर	खानखाना अब्दुर्रहीम और संस्कृत	77,600.00

संलग्नक-ठ

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) से वार्षिक अनुदान प्राप्तकर्ता आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ शोध संस्थानों का विवरण

1. कालीकट
   आदर्श संस्कृत विद्यापीठ,
   पीओ. बालुसरी,
   जिला-कोजीकोड,
   केरल-673612
2. श्री रंगलक्ष्मी
   आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
   वृन्दावन, उत्तर प्रदेश-281121
3. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ,
   पीओ. बघोला, (पलवल),
   जिला-फरीदाबाद,
   हरियाणा
4. वैदिक संशोधन मंडल,
   तिलक विद्यापीठ,
   गुटेकडी,
   पुणे-400037

5. जे.एन.बी. आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पीओ. लगमा,
वाया-लोहना रोड,
जिला-दरभंगा,
बिहार-847407

6. श्री भगवानदास आदर्श
संस्कृत महाविद्यालय,
पीओ. गुरुकुल कांगड़ी,
जिला-हरिद्वार,
उत्तराञ्चल

7. मद्रास संस्कृत कॉलेज
एवं एस.एस.वी. पाठशाला
84, रायीथा हाई रोड,
मइलापुर, चेन्नई-600004,
तमिलनाडु

8. लक्ष्मी देवी सर्राफ
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
काली रेहा, जिला-देवघर,
झारखण्ड-814112

9. श्री एकरसानन्द
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
जिला-मणिपुर,
उत्तर प्रदेश

10. मुम्बा देवी संस्कृत महाविद्यालय
द्वारा भारतीय विद्या भवन,
के.एम. मुंशी मार्ग, मुम्बई
महाराष्ट्र-400007

11. एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
डोहगी, जिला-ऊना,
हिमाचल प्रदेश

12. हिमाचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय
जंगला (रोहरू), जिला-शिमला
हिमाचल प्रदेश-171207

13. श्री दीवान कृष्ण किशोर
एस.डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज,
अम्बाला कैंट, हरियाणा-133001

14. राजकुमारी गणेश शर्मा
संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा, पटोरी,
जिला-दरभंगा, बिहार-846003

15. पूर्णप्रज्ञा संशोधन मंदिरम,
काठीगुप्पा मेन रोड, बैंगलोर,
कर्नाटक-560028

16. स्वामी प्राणकुशाचार्य आदर्श संस्कृत
महाविद्यालय, हुलासगंज, गया,
बिहार-804407

17. श्री सीताराम वैदिक
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
7/2 पी.डब्ल्यू.डी. रोड,
कोलकाता-700035
पश्चिम बंगाल

18. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
मालीघाट, मुजफ्फरपुर,
बिहार

19. कालियाचक विक्रम किशोर
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
ग्राम-कालियाचक, पीओ. हरिया
जिला-मिदनापुर, पश्चिम बंगाल-721430

20. रानी पद्मावती तारा योग तन्त्र
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय,
इन्द्रपुर (शिवपुर), वाराणसी
उत्तर प्रदेश

21. संस्कृत अकादमी
ओसमानिया यूनिवर्सिटी,
हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश

संलग्नक-ड

आगामी वर्ष में शोध एवं उच्चमाध्यमिकोत्तर छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने हेतु विचारित प्रस्तावों का राज्य-वार संख्या विवरण

क्रमांक	राज्य का नाम	छात्रवृत्तियों की कुल संख्या
1.	आंध्र प्रदेश	171
2.	अरुणाचल प्रदेश	13
3.	आसाम	82
4.	बिहार	116
5.	चण्डीगढ़	71
6.	छत्तीसगढ़	01
7.	दिल्ली	205
8.	गोवा	03
9.	गुजरात	278
10.	हरियाणा	1973
11.	हिमाचल प्रदेश	230
12.	जम्मू और कश्मीर	06
13.	झारखण्ड	76
14.	कर्नाटक	1307
15.	केरल	133
16.	मध्य प्रदेश	71
17.	महाराष्ट्र	115
18.	उड़ीसा	495
19.	पंजाब	221
20.	राजस्थान	692
21.	सिक्किम	06
22.	उत्तरांचल	15
23.	उत्तर प्रदेश	484
24.	पश्चिम बंगाल	53
	सर्वयोग	**6817**

वर्ष 2006-07 के लिए राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान नई दिल्ली के लेखाओं पर लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

1. प्रस्तावना:

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (रा. सं. सं.) समिति पंजीकरण अधिनियम, 1860 के पंजीकृत एक स्वायत्त संगठन (अब मानित विश्वविद्यालय) नई दिल्ली में अपने मुख्यालय के साथ, की स्थापना भारत सरकार द्वारा अक्टूबर 1970 में की गई थी। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के मुख्य उद्देश्य (i) संस्कृत अध्ययन का प्रचार, विकास व प्रोत्साहन करना (ii) शिक्षकों के प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपियों को शामिल करते हुए संस्कृत अध्ययन में अनुसंधान सहायता देना, प्रोत्साहन एवं समन्वय करना तथा प्रकाशनों को प्रकाशित करना तथा (iii) देश के विभिन्न भागों में केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठों की स्थापना करना, अधिकार में लेना तथा संचालन करना है। वर्ष 2006-07 के दौरान ऐसे दस विद्यापीठ राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के अधीन थे।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के लेखाओं की लेखापरीक्षा नियंत्रक महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अंतर्गत की गई है।

राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान अपने क्रियाकलापों के लिए भारत सरकार से प्राप्त अनुदानो से मुख्यत: वित्तपोषित है। वर्ष 2006-07 के दौरान, इसने माध्यमिक शिक्षा तथा उच्चतर शिक्षा विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय से रुपये 4882.53 लाख रू. (3097.53 लाख रू. योजनागत तथा 1785 लाख रू. योजनेत्तर) के अनुदान प्राप्त किए। इसके अतिरिक्त, संस्थान ने 159.90 लाख रू. की आय अपने स्रोतों से भी अर्जित की। संस्थान ने कुल उपलब्ध प्राप्त निधियों में से, 31 मार्च 2007 को 352.88 लाख रू. का अव्ययित शेष छोड़ते हुए 4689.55 लाख रू. (योजनागत 2768.79 लाख रू. तथा योजनेत्तर 1920.76 लाख रू.) का उपयोग किया।

2. लेखाओं पर टिप्पणियां

2.1 तुलन पत्र

2.1.1 देयताएं

उपदान, पेंशन एवं छुट्टी नकदीकरण का प्रावधान न करने के फलस्वरूप व्यय एवं देयताओं को कम बताया गया। राशि का प्रमात्रीकरण नहीं किया जा सका।

2.1.2 स्थायी परिसम्पत्तियाँ

स्थायी परिसम्पत्तियों में के.लो.नि.वि. को भवन निर्माण के लिए दी गई 831 लाख रू. की अग्रिम राशि को भी सम्मिलित किया गया। इसके परिणामस्वरूप स्थायी परिसम्पत्तियों को अधिक बताया गया चालू परिसम्पत्तियां अग्रिम को कम बताया गया।

स्थायी परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास का प्रावधान न करने के फलस्वरूप परिसम्पत्तियों को अधिक बताया गया एवं व्यय को कम बताया गया। राशि का प्रमात्रीकरण नहीं किया जा सका।

विद्यमान परिसंपत्तियों की पुष्टि करने के लिए, सा.वि.नि. के नियम 192(1) में समाविष्ट प्रावधानों के अनुसार परिसम्पत्तियों का प्रत्यक्ष सत्यापन किया जाना चाहिए। तथापि, वर्ष 2002-03 से प्रत्यक्ष सत्यापन नहीं किया

गया था। अत: लेखाओं में दर्शाई गई परिसम्पत्तियों की उपलब्धता एवं मूल्य की परिशुद्धता का निश्चित रूप से पता नहीं लगाया जा सका।

2.1.3 निवेश

निवेश के सम्बन्ध में प्रत्यक्ष सत्यापन प्रमाण पत्र नहीं प्रस्तुत किया गया।

2.2 आय एवं व्यय लेखा

2.2.1 आय को अधिक बताया जाना

वर्ष 2005-06 के 6,19,87,173 रु. के अव्ययित शेष को आय में दर्शाए जाने के फलस्वरूप आय को 6,19,87,173 रु. से अधिक बताया गया। परिणामत: इससे 1,15,63,991 रु. से कमी की बजाय 5,04,23,182 रु. व्यय पर आय का आधिक्य हो गया।

लेखाओं के सामान्य प्रारूप के अनुसार चित्रण नहीं किया गया था।

2.3 लेखाओं का समान्य प्रारूप

रा. सं. सं. ने भारत सरकार, वित्त मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखाओं के सामान्य प्रारूप को नहीं अपनाया है।

2.4 सामान्य

2.4.1 अभी संस्थान द्वारा लेखाओं के तीन सैट तैयार किए गए हैं जो कि एक दूसरे से पूर्णत: स्वतंत्र है एवं संगठन के वित्तीय स्थिति का एक बृहत विवरण नहीं दर्शाते हैं। अत: प्रत्येक शाखा एवं सा.भ.नि आदि के लिए पृथक कॉलम का प्रयोग करते हुए समेकित तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखा तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखा बनाया जाना चाहिए।

2.4.2 रा.सं.सं. ने अपनी "महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों" का उल्लेख नहीं किया था।

3. लेखाओं पर लेखापरीक्षा टिप्पणियों का निवल प्रभाव

पूर्ववर्ती पैराओं में दी गई टिप्पणियों का निवल प्रभाव यह है कि आय को 619.87 लाख रू. से अधिक बताया गया है।

4. कमियाँ, जिन्हें प्रबन्धन के आश्वासन की आवश्यकता है, लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में सम्मिलित नहीं किया गया है, को सुधारात्मक एवं उपचारी कार्रवाई हेतु पृथक रूप से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से रजिस्ट्रार राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के ध्यान में लाया गया है।

ह०

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 21.2.2008

महानिदेशक लेखापरीक्षा
केन्द्रीय राजस्व

क्रमश: ...

लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र

मैंने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के 31 मार्च 2007 के संलग्न तुलनपत्र तथा 31 मार्च 2007 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय लेखा, प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं की लेखापरीक्षा कर ली है। इन वित्तीय विवरणों में दस क्षेत्रीय कैम्पसों के लेखे भी शामिल है। इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने की जिम्मेदारी संस्थान के प्रबन्धन की है। मेरी जिम्मेदारी इन मेरी वित्तीय विवरणें पर मेरी लेखापरीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करने की है।

मैंने अपनी लेखापरीक्षा, सामान्यतः भारत में स्वीकृत लेखापरीक्षा मानकों और लागू नियमों के अनुरूप की है। इन मानकों में अपेक्षित है कि वित्तीय विवरणों के आर्थिक अयथार्थ विवरणों से मुक्त होने के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए मैं योजना तथा लेखापरीक्षा निष्पादित करूं। लेखापरीक्षा में वित्तीय विवरणों में राशियों तथा प्रकटन समर्थित साक्ष्य की नमूना आधार पर जांच शामिल है। मुझे विश्वास है कि मेरी लेखापरीक्षा मेरे विचारों को उचित आधार प्रदान करती है।

हमारी लेखापरीक्षा के आधार पर मैं सूचित करता हूँ कि:-

1. हमारी लेखापरीक्षा के उद्देश्य के लिए हमारी सर्वोत्तम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार मैंने आवश्यक सूचना एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं।

2. इसके साथ संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में अभ्युक्तियों के अधीन मैं सूचित करता हूँ कि इस प्रतिवेदन से संबंधित तुलनपत्र, आय एवं व्यय लेखे, प्राप्ति एवं भुगतान लेखाओं को सही प्रकार से तैयार किए गए हैं तथा लेखा बहियों के अनुरूप है।

3. मेरे विचार और मेरी सर्वोत्तम सूचना और मुझे दिए गए स्पटीकरणों के अनुसार:-

(i) लेखे, लेखाओं के निर्धारित प्रारूप के अन्तर्गत अपेक्षित सूचना देते हैं।

(ii) लेखांकन नितियों तथा उन पर टिप्पणियों के साथ पठित इसके साथ संलग्न लेखापरीक्षा प्रतिवेदन में उल्लेखित विषयों के अधीन कथित तुलन पत्र, आय एवं व्यय लेखे तथा प्राप्ति एवं भुगतान लेखे सही और उचित रूप प्रस्तुत करते हैं।

(क) जहां तक यह 31 मार्च 2007 को राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान के कार्यकलापों के तुलन पत्र से संबंधित है, तथा

(ख) जहा तक यह उसी तिथि को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखे के आधिक्य से संबंधित है।

ह०

स्थान : नई दिल्ली

दिनांक : 21.02-2008

महानिदेशक लेखापरीक्षा

केन्द्रीय राजस्व

क्रमशः ...

संलग्नक-ढ (क्रमश:.....)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2006-07 वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ तथा भुगतान का विवरण

प्राप्तियां	चालू वर्ष				भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
1. पूर्व बकाया					अनुसूची (एफ)				
I. हाथ में रोकड	1,68,534.00	2,59,111.00	4,27,645.00	4,05,125.00	I. स्थापना में व्यय	2,18,02,050.00	11,93,45,863.00	14,11,47,913.00	11,98,30,202.00
बैंक में जमा					अनुसूची (जी)				
i. बचत खाता	1,57,87,583.00	4,57,71,945.00	6,15,59,528.00	9,07,78,090.00	2. i. प्रशासनिक में व्यय	44,34,389.00	3,24,39,720.00	3,68,74,109.00	3,32,81,886.00
ii. बचत खाता (फैलोशिप)	2,84,980.00	—	2,84,980.00	80,614.00	ii. विन्यास निधि	—	17,196.00	17,196.00	40,654.00
iii. बचत खाता (पत्राचारकैसेट प्रोजेक्ट)	—	—	—	4,50,706.00	अनुसूची (एच)				
2. मंत्रालय से अनुदान					3. योजना	17,26,00,722.00	5,23,13,036.00	22,49,13,758.00	17,63,31,474.00
i. अनुरक्षण	26,29,00,000.00	17,85,00,000.00	44,14,00,000.00	32,07,00,000.00	अनुसूची (आई)				
ii. केन्द्रीय योजना	74,20,870.00	—	74,20,870.00	90,69,000.00	4. प्रेषण	42,61,914.00	3,64,38,631.00	4,07,00,545.00	4,31,08,220.00
iii. फेलोशिप (यू.जी.सी.)	2,46,800.00	—	2,46,800.00	6,08,200.00	अनुसूची (जे)				
iv. सम्मान राशि	3,94,32,000.00	—	3,94,32,000.00	—	5. पूंजीगत व्यय	8,59,44,623.00	29,77,422.00	8,89,22,045.00	4,74,82,207.00
3. अनुसूची (ए)					अनुसूची (के)				
i. विविध प्राप्तिया	16,64,703.00	1,16,06,501.00	1,32,71,204.00	1,40,36,501.00	6. सावधि योजना	—	19,22,29,917.00	19,22,29,917.00	9,01,54,226.00
ii. प्रकाशन	5,44,438.00	17,95,039.00	23,39,477.00	34,80,908.00	7. पत्राचार कैसेट प्रोजेक्ट	—	—	—	4,50,706.00
iii. अन्य स्रोत से आय	2,09,650.00	1,69,626.00	3,79,276.00	4,36,599.00	अनुसूची (एल)				
iv. पुस्तकालय पुस्तकें	0.00	1,007.00	1,007.00	—	8. अग्रिम खाता	11,74,973.00	66,84,584.00	78,59,557.00	49,72,993.00
कुल योग =	24,18,791.00	1,35,72,173.00	1,59,90,964.00	1,79,54,008.00	10. नकद रोकड़				
विन्यास निधि पर ब्याज					i हाथ में रोकड़	68,858.00	2,55,045.00	3,23,903.00	4,27,645.00
i. ब्याज (दूबे सम्मान)	—	368.00	368.00	337.00	बैंक में शेष राशि				
ii. ब्याज (जिन्दल ट्रस्ट)	—	9,096.00	9,096.00	8,322.00	ii. बचत खाता	38,34,065.00	3,08,37,248.00	3,46,71,313.00	6,15,59,528.00
iii. ब्याज (सौमेया ट्रस्ट)	—	21,252.00	21,252.00	21,251.00	iii. बचत खाता फेलोशिप	49780.00	—	49,780.00	2,84,980.00
कुल योग =	—	30,716.00	30,716.00	29,910.00	iv. बचत खाता सम्मानराशि	3,94,32,000.00	—	3,94,32,000.00	—
4. अनुसूची (बी)									
प्रेषण	42,00,720.00	3,63,22,312.00	4,05,23,032.00	4,31,21,759.00					
5. अनुसूची (सी)									
i. सावधी योजना	—	19,22,29,917.00	19,22,29,917.00	9,01,54,226.00					
6. अनुसूची (डी)									
अग्रिम खाता	7,43,096.00	68,52,488.00	75,95,584.00	45,73,083.00					
कुल योग	33,36,03,374.00	47,35,38,662.00	80,71,42,036.00	57,79,24,721.00	कुल योग	33,36,03,374.00	47,35,38,662.00	80,71,42,036.00	57,79,24,721.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2006-07 वर्षीय समेकित आय एवं व्यय का विवरण

क्र.सं.	व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये		लेखा शीर्ष		रुपये	रुपये
	अनुसूची (ओ)			1.	पूर्व वर्ष की बकाया राशि		6,19,87,173.00	9,11,83,215.00
1.	स्थापना व्यय	12,61,47,913.00	11,98,30,202.00	2.	मंत्रालयसे प्राप्त अनुदानराशि	44,14,00,000.00		
	अनुसूची (पी)				अनुसूची (एम)			
2.	प्रशासनिक व्यय	3,68,74,109.00	3,32,81,886.00	3.	कम पूंजीगत	9,17,15,277.00	34,96,84,723.00	28,15,71,869.00
	अनुसूची क्यू				अनुसूची (एन)			
3.	योजना	21,42,17,656.00	17,52,12,716.00	4.	i. विविध प्राप्ति (आय)		1,32,72,211.00	1,40,36,501.00
4.	आय से व्यय की अधिकता	5,04,23,182.00	6,23,84,288.00		ii. प्रकाशन		23,39,477.00	34,80,908.00
					iii. अन्य स्रोतों से प्राप्ति		3,79,276.00	4,36,599.00
कुल योग		42,76,62,860.00	39,07,09,092.00	कुल योग			42,76,62,860.00	39,07,09,092.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

संलग्नक-ढ (क्रमशः.....)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2007 का समेकित तुलन पत्र

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	चालू वर्ष रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	देनदारियां			
	अनुसूची (यू)			
1.	पूंजीगत धन			
	a. पूर्व बकाया	46,07,18,078.00		
	वर्ष में जमा	10,07,47,681.00		
	वर्ष में समायोजन	1,03,11,174.00	55,11,54,585.00	46,07,18,078.00
	अनुसूची (वी)			
2.	विन्यास निधि (निवेश)			
	पूर्व बकाया	5,64,084.00		
	वर्ष में जमा	21,14,903.00		
	वर्ष में समायोजन	17,196.00	26,61,791.00	5,64,084.00
3.	आय से व्यय की अधिकता			
	पूर्व बकाया	7,02,25,210.00		
	वर्ष में समायोजन	1,15,63,991.00	5,86,61,219.00	7,02,25,210.00
	अनूसूची (डब्ल्यू)			
4.	अन्य दायित्व			
	पूर्व बकाया	4,96,576.00		
	वर्ष में जमा	6,00,55,627.00		
	वर्ष में समायोजन	2,10,46,340.00	3,95,05,863.00	4,96,576.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		13,86,29,324.00	12,50,59,791.00
6.	छात्रकोष फंड		17,78,825.00	18,10,168.00
	कुल योग		**79,23,91,607.00**	**65,88,73,907.00**

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	चालू वर्ष रुपये	पूर्व वर्ष रुपये
	परिसम्पतियां			
	अनुसूची (आर)			
1.	अचल आस्तियां			
	पूर्व बकाया	46,07,18,078.00		
	वर्ष में जमा	10,07,47,681.00		
	वर्ष में समायोजन	1,03,11,174.00	55,11,54,585.00	46,07,18,078.00
	अनुसूची (एस)			
2.	प्राभृत (निवेश)			
	पूर्व बकाया	7,86,000.00		
	वर्ष में जमा	1,70,84,187.00		7,86,000.00
	वर्ष में समायोजन	10,000.00	1,78,60,187.00	
	अनुसूची (टी)			
3.	पुनः प्राप्त करने योग्य अग्रिम राशि			
	पूर्व बकाया	82,27,717.00		
	वर्ष में जमा	78,59,557.00		
	वर्ष में समायोजन	75,95,584.00	84,91,690.00	82,27,717.00
4.	नकद बकाया			
	i. हाथ में राशि		3,23,903.00	4,27,645.00
	बैंक मे बकाया			
	i. बचत खाता		3,46,71,313.00	6,15,59,528.00
	ii. बचत खाता (फेलोशिप)		49,780.00	2,84,980.00
	iii बचत खाता सम्मान राशि		3,94,32,000.00	—
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		13,86,29,324.00	12,50,59,791.00
6.	छात्रकोष		17,78,825.00	18,10,168.00
	कुल योग		**79,23,91,607.00**	**65,88,73,907.00**

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
उप कुलसचिव (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमशः......

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

संलग्नक-ढ (क्रमश:.....)

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2006-07 वर्षीय समेकित प्राप्तियाँ एवं भुगतान की अनुसूचियाँ

प्राप्तियां		चालू वर्ष		
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (ए)				
1. विविध प्राप्तियां				
i. पत्राचार	—	21,778.00	21,778.00	13,522.00
ii. परीक्षा	—	34,18,602.00	34,18,602.00	26,42,129.00
iii. अन्य विविध प्राप्तियां	2,96,058.00	27,07,500.00	30,03,558.00	21,78,895.00
iv. स्थानान्तरित अ.भ.नि. ब्याज	3,68,129.00	12,07,080.00	15,75,209.00	11,14,487.00
v. पी.एस.एस.टी. प्राप्तियां	—	42,51,541.00	42,51,541.00	43,19,029.00
vi. संस्थान प्रकाशन	—	17,95,039.00	17,95,039.00	28,78,761.00
vii. मंत्रालय प्रकाशन	5,44,438.00	—	5,44,438.00	6,02,147.00
viii. छुट्टी वेतन	—	—	—	—
ix. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	9,33,366.00	—	9,33,366.00	17,18,187.00
x. ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट	67,150.00	—	67,150.00	20,50,252.00
xi. पुस्तकालय	—	1007.00	1007.00	—
xii. अन्य स्रोतों से आय	2,09,650.00	1,69,626.00	3,79,276.00	4,36,599.00
कुल =	24,18,791.00	1,35,72,173.00	1,59,90,964.00	1,79,54,008.00
विन्यास निधि पर ब्याज				
i. सावधि योजना पर ब्याज (दूबे सम्मान)	—	368.00	368.00	337.00
ii. सावधि योजना पर ब्याज (जिन्दल सम्मान)	—	9,096.00	9,096.00	8,322.00
iii. सावधि योजना पर ब्याज (सौमेया सम्मान)	—	21,252.00	21,252.00	21,251.00
कुल =	—	30,716.00	30,716.00	29,910.00

भुगतान		चालू वर्ष		
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (एफ)				
1. स्थापना व्यय				
i. वेतन एवं भत्ते	2,03,53,365.00	8,78,22,612.00	10,81,75,977.00	9,92,25,102.00
ii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	1,04,049.00	22,59,418.00	23,63,467.00	15,58,404.00
iii. सेवा निवृत्ति लाभ				
a. परिवर्तित पेंशन/संशासित	—	98,29,433.00	98,29,433.00	1,13,33,466.00
b. उपदान	—	8,73,597.00	8,73,597.00	16,03,602.00
c. अवकाश का नकदीकरण	—	5,56,891.00	5,56,891.00	13,54,941.00
d. पेंशन फंड	—	1,50,00,000.00	1,50,00,000.00	—
iv. अंशदायी भविष्य निधि पर ब्याज	9,36,966.00	22,70,802.00	32,07,768.00	43,73,199.00
v. सामान्य भविष्य निधि पर अंशदान	—	1,83,014.00	1,83,014.00	1,82,028.00
vi. छुट्टियों का भत्ता एवं पेंशन अंशदान	—	89,664.00	89,664.00	29,788.00
vii. N.P.S. पर संस्थान का अंशदान	3,74,149.00	4,29,068.00	8,03,217.00	1,69,672.00
viii. N.P.S. पर ब्याज	33,521.00	31,364.00	64,885.00	—
	2,18,02,050.00	11,93,45,863.00	14,11,47,913.00	11,98,30,202.00
अनुसूची (जी)				
2. प्रशासनिक व्यय				
i. किराया एवं कर	9,53,907.00	11,10,591.00	20,64,498.00	49,70,584.00
ii. अनुरक्षण एवं मरम्मत	35,843.00	6,32,105.00	6,67,948.00	15,22,574.00
iii. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	80,826.00	11,86,428.00	12,67,254.00	11,99,186.00
iv. दूरभाष	97,643.00	7,50,695.00	8,48,338.00	6,59,565.00
v. यात्रा भत्ता	5,25,165.00	29,98,697.00	35,23,862.00	34,38,102.00
vi. विज्ञापन	95,977.00	4,63,135.00	5,59,112.00	3,14,844.00
vii. लेखन सामग्री एवं छपाई	3,01,471.00	12,34,215.00	15,35,686.00	16,18,818.00
viii. लेखा परीक्षा शुल्क	32,060.00	2,28,584.00	2,60,644.00	3,32,060.00
ix. पानी एवं बिजली	2,29,359.00	20,56,502.00	22,85,861.00	23,52,734.00
x. विविध व्यय	18,24,695.00	70,24,483.00	88,49,178.00	66,90,136.00
xi. परीक्षा व्यय	17,620.00	32,49,646.00	32,67,266.00	29,82,843.00
xii. पत्राचार व्यय	—	—	—	1,052.00
xiii. वर्दियां	—	45,550.00	45,550.00	84,786.00

क्रमश:.....

प्राप्तियां		चालू वर्ष			भुगतान		चालू वर्ष		
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (बी)					xiv. कानूनी व्यय	—	2,00,523.00	2,00,523.00	1,61,490.00
2. प्रेषण					xv. कार	—	3,52,907.00	3,52,907.00	2,66,538.00
i. आयकर	8,93,815.00	36,34,097.00	45,27,912.00	42,65,872.00	xvi. पूर्व परीक्षा/शास्त्री	—	16,11,814.00	16,11,814.00	10,94,027.00
ii. जी.पी.एफ.	18,67,610.00	1,97,04,193.00	2,15,71,803.00	2,30,35,769.00	xvii. सम्मेलन/कार्यशाला	—	—	—	—
iii. एन.पी.एस.	3,77,134.00	5,39,287.00	9,16,421.00	—	xviii. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	—	—	—	77,073.00
iv. जी.आई.एस.	48,100.00	2,06,350.00	2,54,450.00	89,969.00	xix. विश्व संस्कृत सम्मेलन	—	36,03,539.00	36,03,539.00	—
v. जीवन बीमा	—	9,02,561.00	9,02,561.00	15,13,826.00	xx. कम्प्यूटर शिक्षा	—	44,27,337.00	44,27,337.00	32,23,350.00
vi. अन्य विभागों से वसूली	10,14,061.00	94,55,815.00	1,04,69,876.00	1,11,99,202.00	xxi. Convocation & Annual Fun.	2,15,783.00	3,49,568.00	5,65,351.00	11,88,270.00
vii. जीवन बीमा निगम (वेतन से)	—	12,57,170.00	12,57,170.00	4,56,497.00	xxii. वसन्तोत्सव	24,040.00	9,13,401.00	9,37,441.00	11,03,854.00
viii. आर.डी. (पी.ओ.)	—	2,10,000.00	2,10,000.00	1,13,400.00					
ix. टी.डी.एस.	—	2,75,485.00	2,75,485.00	2,35,191.00	कुल =	44,34,389.00	3,24,39,720.00	3,68,74,109.00	3,32,81,886.00
x. छात्रकोश	—	5,000.00	5,000.00	6,200.00					
xi. धरोहर राशि की वापसी	—	10,000.00	10,000.00	—	विन्यास निधि				
xii. जीव बीमा	—	—	—	10,000.00	i. छात्र सम्मान (सौमेया ट्रस्ट)	—	3,021.00	3,021.00	33,885.00
xiii. पी.एल.आई.	—	55,454.00	55,454.00	—	ii. छात्र सम्मान (जिन्दल ट्रस्ट)	—	14,175.00	14,175.00	5,569.00
xiv. धरोहर राशि एवं जमानत	—	33,400.00	33,400.00	14,700.00	iii. छात्र सम्मान (दूबे ट्रस्ट)	—	—	—	1,200.00
xv. प्रधानमंत्री राहत कोष	—	—	—	53,834.00					
xvi. पुस्तकालय एवं सुरक्षा धन	—	33,500.00	33,500.00	29,900.00	कुल =	—	17,196.00	17,196.00	40,654.00
xvii. संस्कृत नेट	—	—	—	10,62,500.00	अनुसूची (एच)				
xviii. संस्कृत शिक्षा का विकास	—	—	—	8,31,000.00	3. योजना				
xix. विविध	—	—	—	2,03,899.00	i. शास्त्र चूडामणि	20,36,933.00	—	20,36,933.00	18,45,082.00
कुल =	42,00,720.00	3,63,22,312.00	4,05,23,032.00	4,31,21,759.00	ii. विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	2,67,060.00	—	2,67,060.00	1,59,600.00
					iii. प्रोडक्शन संस्कृत साहित्य	33,39,282.00	—	33,39,282.00	26,50,708.00
अनुसूची (सी)					iv. संस्कृत किताब की खरीद	47,17,654.00	—	47,17,654.00	7,14,924.00
3. सावधी योजना					v. संस्कृत किताब की खरीद(पुनर्मुद्रण)	27,93,232.00	—	27,93,232.00	28,78,776.00
i. सावधि योजना से प्राप्त	—	19,00,00,000.00	19,00,00,000.00	9,00,00,000.00	vi. डक्कन कालेज पुणे	62,56,000.00	34,00,000.00	96,56,000.00	36,75,000.00
ii. सावधि योजना से प्राप्त (जिन्दल ट्रस्ट)	—	1,48,226.00	1,48,226.00	1,48,226.00	vii. राष्ट्रपति पुरस्कार	—	1,54,27,771.00	1,54,27,771.00	2,11,76,140.00
iii. सावधि योजना से प्राप्त (दूबे ट्रस्ट)	—	6,000.00	6,000.00	6,000.00	viii. आदर्श पाठशाला	3,00,44,935.00	2,34,47,874.00	5,34,92,809.00	5,20,17,885.00
iv. सावधि योजना से प्राप्त (पी.एफ.)	—	20,75,691.00	20,75,691.00	—	ix. छात्रवृत्ति	20,16,777.00	1,00,37,391.00	1,20,54,168.00	74,43,237.00
कुल =	—	19,22,29,917.00	19,22,29,917.00	9,01,54,226.00	x. स्वैच्छिक संस्थायें	7,51,42,178.00	—	7,51,42,178.00	4,33,52,530.00
					xi. अ.भा. वादविवाद प्रतियोगिता	7,37,777.00	—	7,37,777.00	6,58,026.00
					xii. एन.ई.आर	67,46,845.00	—	67,46,845.00	39,78,089.00
					xiii. कन्टैन्ट जनरेशन	—	—	—	1,33,671.00
					xiv. दूरवर्ती शिक्षा	111.00	—	111.00	50,125
					xv. केन्द्रीय योजना	1,23,13,390.00	—	1,23,13,390.00	1,18,75,000.00

क्रमश:.....

प्राप्तियां		चालू वर्ष			भुगतान		चालू वर्ष		
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (डी)					xvi. अनौपचारिक संस्कृत शिक्षा	2,26,44,011.00	—	2,26,44,011.00	1,98,57,913.00
4. अग्रिम अदायगी					xvii. संस्कृत नेट/ज्ञान दर्शन	28,87,537.00	—	28,87,537.00	34,60,934.00
i. छुट्टी यात्रा भत्ता	65,828.00	8,72,358.00	9,38,186.00	2,88,350.00	xviii. फेलोशिप	4,82,000.00	—	4,82,000.00	4,03,834.00
ii. यात्रा भत्ता	2,97,924.00	9,42,904.00	12,40,828.00	8,18,924.00	xix. सी.डेक.प्रोजेक्ट	1,75,000.00	—	1,75,000.00	—
iii. त्योहार	15,600.00	1,95,900.00	2,11,500.00	2,31,000.00		17,26,00,722.00	5,23,13,036.00	22,49,13,758.00	17,63,31,474.00
iv. वाहन	52,270.00	8,62,001.00	9,14,271.00	9,82,510.00	अनुसूची (आई)				
v. विविध	3,07,474.00	28,39,828.00	31,47,302.00	15,10,069.00	4. प्रेषित राशि				
vi. ग्रह निर्माण अग्रिम	—	3,37,054.00	3,37,054.00	5,16,510.00	i. आयकर	8,93,815.00	36,34,097.00	45,27,912.00	42,65,872.00
vii. चिकित्सा	—	5,73,622.00	5,73,622.00	75,000.00	ii. जी.पी.एफ.	18,67,610.00	1,97,04,193.00	2,15,71,803.00	2,30,35,769.00
viii. कम्प्यूटर	4,000.00	1,88,380.00	1,92,380.00	1,48,720.00	iii. एन.पी.एस.	3,77,134.00	5,39,287.00	9,16,421.00	—
ix. पंखा	—	—	—	2,000.00	iv. जी.आई.एस.	41,763.00	1,86,791.00	2,28,554.00	70,841.00
x. परीक्षा	—	40,441.00	40,441.00	—	v. जीवन बीमा	—	10,79,344.00	10,79,344.00	15,29,060.00
	7,43,096.00	68,52,488.00	75,95,584.00	45,73,083.00	vi. अन्य विभागों को भेजा	10,81,592.00	94,71,260.00	1,05,52,852.00	1,12,81,661.00
					vii.वेतन से जीवन बीमा	—	12,57,170.00	12,57,170.00	4,56,076.00
					viii.आर.डी. (पी.ओ.)	—	2,10,000.00	2,10,000.00	1,13,400.00
					ix.टी.डी.एस.	—	2,75,485.00	2,75,485.00	2,35,191.00
					x. धरोहर राशि एवं जमानत	—	—	—	10,900.00
					xi. पुस्तकालय सुरक्षा धन	—	22,250.00	22,250.00	20,400.00
					xii. छात्रकोष	—	3,300.00	3,300.00	3,600.00
					xiii.जीन बीमा निगम	—	—	—	10,000.00
					xiv. पी.एल.आई.	—	55454.00	55,454.00	—
					xv.प्रधानमंत्री राहत कोष	—	—	—	53,834.00
					xvi. संस्कृत नेट	—	—	—	10,62,500.00
					xvii.संस्कृत शिक्षा का विकास	—	—	—	8,31,000.00
					xviii.विविध	—	—	—	1,28,116.00
					कुल =	42,61,914.00	3,64,38,631.00	4,07,00,545.00	4,31,08,220.00
					अनुसूची (जे)				
					5. पूंजीगत व्यय				
					i. गृहनिर्माण प्रगति	8,31,19,400.00	—	8,31,19,400.00	3,50,00,000.00
					ii. फर्नीचर	26,56,696.00	16,25,671.00	42,82,367.00	1,07,25,774.00
					iii. मशीनरी एवं साज सज्जा	93,136.00	6,08,630.00	7,01,766.00	5,20,681.00
					iv. पुस्तकालय पुस्तकें	52,626.00	57,591.00	1,10,217.00	3,26,203.00
					v. प्रकाशन	22,765.00	6,34,600.00	6,57,365.00	9,08,669.00
					vi. प्रयोगशाला यन्त्र	—	50,930.00	50,930.00	880.00
					कुल =	8,59,44,623.00	29,77,422.00	8,89,22,045.00	4,74,82,207.00

क्रमश:.....

प्राप्तियां	चालू वर्ष				भुगतान	चालू वर्ष			
क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	योजनागत	योजनेत्तर	योग	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये	रुपये
					अनुसूची (के)				
					6. i. एफ.डी.आर. खरीद	—	19,00,00,000.00	19,00,00,000.00	9,00,00,000.00
					ii. एफ.डी.आर. खरीद (जिन्दल ट्रस्ट)	—	1,48,226.00	1,48,226.00	1,48,226.00
					iii. दूबे अवार्ड	—	6,000.00	6,000.00	6,000.00
					iv. (प्रो. फंड)	—	20,75,691.00	20,75,691.00	—
					vi. सी.सी. कैसेट प्रोजेक्ट	—	—	—	4,50,706.00
						—	19,22,29,917.00	19,22,29,917.00	9,06,04,932.00
					अनुसूची (एल)				
					7. अग्रिम खाता				
					i. अवकाश यात्रा भत्ता	1,13,128.00	8,59,250.00	9,72,378.00	3,09,950.00
					ii. यात्रा भत्ता	4,60,795.00	9,49,840.00	14,10,635.00	9,07,410.00
					iii. त्योहार	15,000.00	1,80,750.00	1,95,750.00	2,19,900.00
					iv. वाहन	2,10,000.00	5,51,200.00	7,61,200.00	17,19,490.00
					v. विविध	2,98,050.00	28,63,622.00	31,61,672.00	15,20,493.00
					vi. चिकित्सा	—	5,93,622.00	5,93,622.00	74,000.00
					vii. पंखा	—	—	—	—
					viii. एच.बी.ए.	—	4,00,300.00	4,00,300.00	—
					ix. कम्प्यूटर	78,000.00	2,86,000.00	3,64,000.00	2,21,750.00
						11,74,973.00	66,84,584.00	78,59,557.00	49,72,993.00
					8. नकद रोकड़				
					1. हाथ में रोकड़	68,858.00	2,55,045.00	3,23,903.00	4,27,645.00
					बैंक बकाया				
					i. बचत खाता	38,34,065.00	3,08,37,248.00	3,46,71,313.00	6,15,59,528.00
					ii. फैलोशिप	49,780.00	—	49,780	2,84,980.00
					iii. सम्मान राशि	3,94,32,000.00	—	3,94,32,000.00	—
कुल योग	7362607.00	249007606.00	256370213.00	155832986.00	कुल योग	33,36,03,374.00	47,35,38,662.00	80,71,42,036.00	57,79,24,721.00

क्रमश:.....

संलग्नक-ढ (क्रमश:.....)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2006-07 वर्षीय समेकित आय एवं व्यय की अनुसूचियाँ

क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
अनुसूची (ओ)		
1. स्थापना व्यय		
i. वेतन एवं भत्ते	10,81,75,977.00	9,92,25,102.00
ii. चिकित्सा प्रतिपूर्ति	23,63,467.00	15,58,404.00
iii. सेवा निवृत लाभ		
i. पेंशन	98,29,433.00	1,13,33,466.00
ii. ग्रेच्यूटी	8,73,597.00	16,03,602.00
iii. अवकाश का नगदीकरण	5,56,891.00	13,54,941.00
iv. जी.पी.एफ. पर ब्याज	32,07,768.00	43,73,199.00
v. सामान्य भविष्य निधि पर अंशदान	1,83,014.00	1,82,028.00
vi. छुट्टियां एवं पेंशन अंशदान	89,664.00	29,788.00
vii. एन.पी.एस. पर संस्थान का अंशदान	8,03,217.00	1,69,672.00
viii. एन.पी.एस. पर ब्याज	64,885.00	—
कुल	12,61,47,913.00	11,98,30,202.00
अनुसूची (पी)		
2. प्रशासनिक व्यय		
i. किराया दरें एवं कर	20,64,498.00	49,70,584.00
ii. अनुरक्षर एवं मरम्मत	6,67,948.00	15,22,574.00
iii. पोस्ट एवं टेलीग्राफ	12,67,254.00	11,99,186.00
iv. दूरभाष	8,48,338.00	6,59,565.00
v. यात्रा भत्ता	35,23,862.00	34,38,102.00
vi. विज्ञापन	5,59,112.00	3,14,844.00
vii. लेखन सामग्री एवं छपाई	15,35,686.00	16,18,818.00
viii. लेखा परीक्षा शुल्क	2,60,644.00	3,32,060.00
ix पानी एवं बिजली	22,85,861.00	23,52,734.00
x. विविध व्यय	88,49,178.00	66,90,136.00
xi. परीक्षा व्यय	32,67,266.00	29,82,843.00
xii. सी.सी. व्यय	—	1,052.00
xiii. वर्दियां	45,550.00	84,786.00

क्र.सं. आय		चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष		रुपये		रुपये
1. पूर्व वर्ष का बकाया		6,19,87,173.00		9,11,83,215.00
2. मन्त्रालय से अनुदान	44,14,00,000.00		32,07,00,000.00	
अनुसूची (एम)				
3. कम पूंजीगत व्यय				
i. निर्माण कार्य (प्रगति पर)	8,31,19,400.00		3,50,00,000.00	
ii. फर्नीचर	42,43,292.00		1,07,25,774.00	
iii. मशीनरी उपकरण	7,40,841.00		5,20,681.00	
iv. पुस्तकालय पुस्तकें	1,10,217.00		3,26,203.00	
v. प्रकाशन	6,57,365.00		9,08,669.00	
vi. प्रयोगशाला यन्त्र	50,930.00		880.00	
vii. संस्कृत पुस्तक खरीद (पुर्नमुद्रण)	27,93,232.00		7,14,924.00	
कुल	9,17,15,277.00	34,96,84,723.00	4,81,97,131.00	28,15,71,869.00
अनुसूची (एन)				
विविध प्राप्तियां				
i. सी.सी. प्राप्तियां		21,778.00		13,522.00
ii. परीक्षा		34,18,602.00		26,42,129.00
iii. अन्य प्राप्ति		30,03,558.00		21,78,895.00
iv. भविष्य निधि ब्याज		15,75,209.00		11,14,487.00
v. पूर्व शिक्षा शास्त्री		42,51,541.00		43,19,029.00
vi. संस्थान प्रकाशन		17,95,039.00		28,78,761.00
vii. मंत्रालय प्रकाशन		5,44,438.00		6,02,147.00
viii. विविध स्रोतों से आय		3,79,276.00		—
ix. अनोपचारिक संस्कृत शिक्षा		9,33,366.00		4,36,599.00
x. ज्ञान दर्शन/संस्कृत नेट		67,150.00		17,18,187.00
xi. पुस्तकालय		1,007.00		20,50,252.00
		1,59,90,964.00		1,79,54,008.00

क्रमश:.....

क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं. व्यय	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
अनुसूची (ओ)					
xiv. कानूनी व्यय	2,00,523.00	1,61,490.00			
xv. कार व्यय	3,52,907.00	2,66,538.00			
xvi. पूर्व शिक्षा शास्त्री	16,11,814.00	10,94,027.00			
xvii. संस्कृत सम्मलेन	—	77,073.00			
xviii. कम्प्यूटर शिक्षा	44,27,337.00	32,23,350.00			
xix. वसन्तोत्सव	9,37,441.00	11,03,854.00			
xx. वार्षिक सम्मेलन	5,65,351.00	11,88,270.00			
xxi. विश्व संस्कृत सम्मेलन	36,03,539.00	—			
	3,68,74,109.00	3,32,81,886.00			
1. योजना					
i. शास्त्र चूड़ामणि	20,36,933.00	18,45,082.00			
ii. स्पेशल औरियन्टल कोर्स	2,67,060.00	1,59,600.00			
iii. संस्कृत पुस्तकों की खरीद	47,17,654.00	26,50,708.00			
iv. संस्कृत साहित्य का उत्पादन	33,39,282.00	28,78,776.00			
v. डक्कन कालेज पुणे	96,56,000.00	36,75,000.00			
vi. राष्ट्रपति सम्मान	1,54,27,771.00	2,11,76,140.00			
vii. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	5,34,92,809.00	5,20,17,885.00			
viii. छात्रवृत्ति	1,20,54,168.00	74,43,237.00			
ix. स्वैच्छिक संस्कृत संस्थायें	7,51,42,178.00	4,33,52,530.00			
x. अखिल भारतीय प्रतियोगिता	7,37,777.00	6,58,026.00			
xi. एन.ई.आर.	67,46,845.00	39,78,089.00			
xii. कन्टैट जनरेशन	—	1,33,671.00			
xiii. डिस्टेंस एजूकेशन	111.00	50,125.00			
xiv. केन्द्रीय योजना	48,92,520.00	1,18,75,000.00			
xv. अनोपचारिक संस्कृत शिक्षा	2,26,44,011.00	1,98,57,913.00			
xvi. संस्कृत नेट/ज्ञान दर्शन	28,87,537.00	34,60,934.00			
xvii. C.DAC प्रोजेक्ट	1,75,000.00	—			
कुल	21,42,17,656.00	17,52,12,716.00			
आय से व्यय की अधिकता	5,04,23,182.00	6,23,84,288.00			
कुल योग :	**42,76,62,860.00**	**39,07,09,092.00**	कुल योग :	**42,76,62,860.00**	**39,07,09,092.00**

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

संलग्नक-ढ (क्रमशः.....)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31.3.2007 का समेकित तुलन पत्र

क्र.सं. देनदारियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (यू)			
देनदारियां			
1 पूंजीगत निधि			
पूर्व बकाया	25,73,62,954.00		
वर्ष में जमा	1,76,28,281.00		
वर्ष में समायोजन	23,74,984.00	27,26,16,251.00	25,73,62,954.00
2 सी.पी. डब्ल्यू./पी.डब्ल्यू.डी. के पास जमा			
पूर्व बकाया	20,33,55,124.00		
वर्ष मे जमा	8,31,19,400.00		
वर्ष में समायोजन	79,36,190.00	27,85,38,334.00	20,33,55,124.00
कुल =		551154585.00	46,07,18,078.00
अनुसूची (वी)			
3 a विन्यास निधि (जिन्दल ट्रस्ट)	—	1,48,226.00	1,48,226.00
b आचार्य छात्रों को पुरस्कार (दूबे)		6000.00	6,000.00
c विन्यास निधि (सौमेया ट्रस्ट)		2,50,000.00	2,50,000.00
d विन्यास निधि (जिन्दल ट्रस्ट)			
पूर्व बकाया	13,667.00		
वर्ष में जमा	9,096.00		
वर्ष मे समायोजन	14,175.00	8,588.00	13,667.00
e विन्यास निधि पर ब्याज (दूबे सम्मान)			
पूर्व बकाया	1,281.00		
वर्ष में जमा	368.00	1649.00	1,281.00
f ब्याज भविष्य निधि (सौमेया ट्रस्ट)			
पूर्व बकाया	—		
वर्ष मे जमा	21,251.00		
वर्ष में समायोजन	3,021.00	18,231.00	—

क्र.सं. अस्तियां	चालू वर्ष		पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष (सम्पतियां)	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (आर)			
1. अचल अस्तियां			
a. भूमि एवं भवन			
पूर्व बकाया	18,91,01,762.00		
वर्ष में जमा	79,36,190.00	19,70,37,952.00	18,91,01,762.00
b. मशीनरी उपकरण			
पूर्व बकाया	1,37,04,842.00		
वर्ष में जमा	7,40,841.00		
वर्ष में जमा	5,30,134.00*		
वर्ष में समायोजन	34,500.00#	1,49,41,317.00	1,37,04,842.00
c. फर्नीचर			
पूर्व बकाया	2,31,51,914.00		
वर्ष में जमा	42,43,292.00		
वर्ष में समायोजन	22,536.00*	2,74,17,742.00	2,31,51,914.00
d. पुस्तकालय पुस्तकें			
पूर्व बकाया	1,50,11,941.00		
वर्ष में जमा	1,10,217.00		
वर्ष में जमा	5,43,544.00@		
वर्ष में समायोजन	1007.00	1,56,64,695.00	1,50,11,941.00
e. प्रकाशन			
पूर्व बकाया	1,17,52,052.00		
वर्ष में जमा	6,57,365.00		
वर्ष में समायोजन	17,95,039.00	1,06,14,378.00	1,17,52,052.00
f. संस्कृत पुस्तकों की खरीद			
पूर्व बकाया	29,66,426.00		
वर्ष में जमा	27,93,232.00		
वर्ष में समायोजन	5,44,438.00	52,15,220.00	29,66,426.00
g. प्रयोगशाला उपकरण			
पूर्व बकाया	3,74,564.00		
वर्ष में जमा	50,930.00	4,25,494.00	3,74,564.00
h. कार		12,99,453.00	12,99,453.00
2. जमा एवं अग्रिम			
a. सी.पी.डब्ल्यू डी में जमा			
पूर्व बकाया	20,33,55,124.00		
वर्ष में जमा	8,31,19,400.00		
वर्ष में समायोजन	79,36,190.00	27,85,38,334.00	20,33,55,124.00
कुल =		551154585.00	46,07,18,078.00

क्र.सं. देनदारियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
g. विन्यास निधि (जी)		301.00	301.00
h. बैंक में जमा (जी)			
पूर्व बकाया	1,44,609.00		
वर्ष में जमा	8,496.00	1,53,105.00	1,44,609.00
i. F.D.R.(P.F.)			
पूर्व बकाया	—		
वर्ष में जमा	20,75,691.00	20,75,691.00	—
		26,61,791.00	5,64,084.00
4. आय से व्यय की अधिकता			
पूर्व बकाया	7,02,25,210.00		
वर्ष में समायोजन	1,15,63,991.00	5,86,61,219.00	7,02,25,210.00
अनुसूची (डब्ल्यू.)			
a. अन्य जगहों को भेजने वाली राशि			
पूर्व बकाया	(-)66,846.00		
वर्ष में जमा	1,04,69,876.00		
वर्ष में समायोजन	1,05,52,852.00	(-)1,49,822.00	(-)66,846.00
b. ब्याना एवं जमानत			
पूर्व बकाया	24,900.00		
वर्ष में जमा	33,400.00	58,300.00	24,900.00
c. पुस्तकालय सुरक्षित धन			
पूर्व बकाया	1,54,857.00		
वर्ष में जमा	33,500.00		
वर्ष में समायोजन	22,250.00	1,66,107	1,54,857.00
d. सामूहिक बीमा योजना			
पूर्व बकाया	63,501.00		
वर्ष में जमा	2,54,450.00		
वर्ष में समायोजन	2,28,554.00	89,397.00	63,501.00
e. जीवन बीमा प्रीमीयम			
पूर्व बकाया	13,063.00		
वर्ष में जमा	9,02,561.00		
वर्ष में समायोजन	10,79,344.00	(-)1,63,720.00	13,063.00

क्र.सं. अस्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
अनुसूची (एस)			
3. विन्यास निधि			
i. डी.ए.वी.पी. में जमा		53,100.00	53,100.00
ii. विन्यास निधि व्यय (जिन्दल ट्रस्ट)		1,48,226.00	1,48,226.00
iii. आचार्य छात्रों को पुरस्कार(दूबे)		6,000.00	6,000.00
iv. विन्यास निधि व्यय (सौमेया ट्रस्ट)		2,50,000.00	2,50,000.00
v. बैंक में जमा (जी)			
पूर्व बकाया	1,44,609.00		
वर्ष में जमा	8,496.00	1,53,105.00	1,44,609.00
vi. जमा लोजिंग हाउस			
पूर्व बकाया	10,000.00		
वर्ष में समायोजन	10,000.00		
vii. बी.एस.ई.एस. में जमा		1,74,065.00	1,74,065.00
viii. एफ.डी.आर.			
पूर्व बकाया	—	—	—
वर्ष में जमा	1,70,75,691.00	1,70,75,691.00	0.00
कुल =		1,78,60,187.00	7,86,000.00
अनुसूची (टी) अग्रिम वसूली			
4. अग्रिम वसूली			
a. विविध व्यय			
पूर्व बकाया	76,986.00		
वर्ष में जमा	31,61,672.00		
वर्ष में समायोजन	31,47,302.00	91,356.00	76,986.00
b. अग्रिम एल.टी.एस.			
पूर्व बकाया	39,810.00		
वर्ष में जमा	9,72,378.00		
वर्ष में समायोजन	9,38,186.00	74,002.00	39,810.00
c. अग्रिम टी.ए.			
पूर्व बकाया	1,45,943.00		
वर्ष में जमा	14,10,635.00		
वर्ष में समायोजन	12,40,828.00	3,15,750.00	1,45,943.00

क्रमशः.....

क्र.सं.	देनदारियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
	f. छात्रकोष			
	पूर्व बकाया	21,500.00		
	वर्ष में जमा	5,000.00		
	वर्ष मे समायोजन	3,300.00	23,200.00	21,500.00
	g. इन्कम टैक्स	0.00	200.00	200.00
	h. फैलोशिप			
	पूर्व बकाया	2,84,980.00		
	वर्ष में जमा	2,46,800.00		
	वर्ष में समायोजन	4,82,000.00	49,780.00	2,84,980.00
	i. भविष्य निधि (वेतन योजना)			
	पूर्व बकाया	421.00		
	वर्ष में जमा	12,57,170.00		
	वर्ष में समायोजन	12,57,170.00	421.00	421.00
	j. सेन्ट्रल प्लान योजना			
	पूर्व बकाया	—		
	वर्ष में जमा	74,20,870.00		
	वर्ष में समायोजन	74,20,870.00	0.00	0.00
	k. सम्मान राशि			
	पूर्व बकाया	0.00		
	वर्ष में जमा	3,94,32,000.00	3,94,32,000.00	0.00
	कुल =		3,95,05,863.00	4,96,576.00
5.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		13,86,29,324.00	12,50,59,791.00
6.	छात्रकोष फंड		17,78,825.00	18,10,168.00
	कुल योग		79,23,91,607.00	65,88,73,907.00

क्र.सं.	अस्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	रुपये
	d. अग्रिम किराया			
	पूर्व बकाया	43,22,520.00		
	वर्ष में जमा	7,61,200.00		
	वर्ष मे समायोजन	9,14,271.00	41,69,449.00	43,22,520.00
	e. अग्रिम त्योहार			
	पूर्व बकाया	1,22,490.00		
	वर्ष में जमा	1,95,750.00		
	वर्ष में समायोजन	2,11,500.00	1,06,740.00	1,22,490.00
	f. अग्रिम भवन निर्माण			
	पूर्व बकाया	22,82,593.00		
	वर्ष में जमा	4,00,300.00		
	वर्ष में समायोजन	3,37,054.00	23,45,839.00	22,82,593.00
	g. अग्रिम पंखा		40.00	40.00
	h. परीक्षा अग्रिम			
	पूर्व बकाया	40,441.00		
	वर्ष में समायोजन	40,441.00	0.00	40,441.00
	i. कम्प्यूटर अग्रिम			
	पूर्व बकाया	11,76,345.00		
	वर्ष में जमा	3,64,000.00		
	वर्ष में समायोजन	1,92,380.00	13,47,965.00	11,76,345.00
	j. अग्रिम चिकित्सा			
	पूर्व बकाया	7,000.00		
	वर्ष मे जमा	5,93,622.00		
	वर्ष में समायोजन	5,73,622.00	27,000.00	7,000.00
	k. अन्य		13,549.00	13,549.00
			84,91,690.00	82,27,717.00
4.	**नकद रोकड़**			
	I. हाथ मे रोकड़		3,23,903.00	4,27,645.00
5.	**बैंक में बकाया**			
	i. बचत खाता		3,46,71,313.00	6,15,59,528.00
	ii. बचत खाता फैलोशिप		49,780.00	2,84,980.00
	iii. बचत खाता सम्मान राशि		3,94,32,000.00	0.00
6.	अंशदायी भविष्य निधि/सामान्य भविष्य निधि		13,86,29,324.00	12,50,59,791.00
7.	छात्रकोष फंड		17,78,825.00	18,10,168.00
	कुल योग		79,23,91,607.00	65,88,73,907.00

क्रमश:.....

संलग्नक-ढ (क्रमश:.....)

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2006-2007 वर्षीय समेकित अं.भ.नि./सा.भ.नि. की प्राप्तियाँ एवं भुगतान का विवरण

प्राप्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	प्राप्तियां		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	रुपये	रुपये
1.	पूर्व बकाया	1,27,15,152.00	75,95,840.00	1.	अन्तिम भुगतान	87,16,054.00	1,18,07,303.00
2.	अशदायी भविष्य निधि	1,45,56,405.00	1,06,17,081.00	2.	भविष्य निधि अग्रिम	79,84,620.00	72,65,017.00
3.	भविष्य निधि अग्रिम से वसूली	66,96,308.00	93,29,054.00	3.	सावधि योजना की खरीद	5,61,38,148.00	4,70,93,276.00
4.	भविष्यनिधि नकद अग्रेम वसूली	2,77,635.00	3,87,026.00	4.	अन्य संस्थाओं को भेजी राशि	27,94,713.00	85,75,303.00
5.	सावधि योजना से प्राप्त	3,87,15,376.00	4,09,77,817.00	5.	भविष्य निधि का ब्याज मुख्य खातो में	16,87,393.00	11,58,987.00
6.	सावधि योजना से प्राप्त ब्याज	58,29,617.00	84,44,432.00	6.	बैंक चार्ज	10,032.00	4,833.00
7.	बचत खाते से ब्याज	2,95,861.00	2,00,126.00	7.	नई पैंशन स्कीम में रुपान्तरण	0.00	76,956.00
8.	दूसरी संस्थाओ से प्राप्त	33,37,270.00	73,46,603.00		नकद शेष		
9.	संस्थान का अशदान	2,01,302.00	1,68,318.00	1.	बैंक में शेष	78,51,236.00	1,27,15,152.00
10.	भविष्य निधि ब्याज का मुख्य खाते से स्थानान्तरण	24,73,289.00	36,18,232.00				
11.	स्थानान्तरण जमा की वसूली	83,981.00	12,298.00				
	कुल योग	8,51,82,196.00	8,86,96,827.00		कुल योग	8,51,82,196.00	8,86,96,827.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31-3-2007 का अं.भ.नि./सा.भ.नि. का तुलन पत्र

क्र.सं.	दायित्व	चालूवर्ष		पूर्व वर्ष	क्र.सं.	अस्तियां		चालूवर्ष	पूर्व वर्ष
	रोकड़ निधि	रुपये	रुपये	रुपये			रुपये	रुपये	रुपये
1.	पूर्व बकाया	11,51,28,836.00			1.	भविष्य निधि अग्रिम			
	वर्ष में जमा	12,86,05,192.00				पूर्व बकाया	99,30,955.00		
	वर्ष में समायोजन	11,60,46,336.00	12,76,87,692.00	11,51,28,836.00		वर्ष में जमा	79,84,620.00		
						वर्ष में समायोजन	69,73,943.00	1,09,41,632.00	99,30,955.00
2.	भविष्य निधि अग्रिम				2.	सावधि जमा			
	पूर्व बकाया	99,30,955.00				पूर्व बकाया	10,24,13,684.00		
	वर्ष में जमा	79,84,620.00				वर्ष में जमा	5,61,38,148.00		
	वर्ष में समायोजन	69,73,943.00	1,09,41,632.00	99,30,955.00		वर्ष में समायोजन	3,87,15,376.00	11,98,36,456.00	10,24,13,684.00
					3.	बचत खाता			
						पूर्व बकाया	1,27,15,152.00		
						वर्ष में जमा	7,24,67,044.00		
						वर्ष में समायोजन	7,73,30,960.00	78,51,236.00	1,27,15,152.00
	कुल योग		13,86,29,324.00	12,50,59,791.00		कुल योग		13,86,29,324.00	12,50,59,791.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

क्रमश:.....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

2006-07 वर्षीय समेकित एन.पी.एस. की प्राप्तियां एवं भुगतान का विवरण

S.NO.	HEAD OF ACCOUNT	PLAN	NON-PLAN	TOTAL	S.NO.	HEAD OF ACCOUNT	PLAN	NON-PLAN	TOTAL
		रुपये	रुपये	रुपये			रुपये	रुपये	रुपये
1	नकद बकाया				1.	[illegible] खरीद	5,00,000.00	0.00	5,00,000.00
	बैंक बकाया				2.	अन्य परिसरों को राशि	52,195.00	0.00	52,195.00
	(i) बचत खाता	3,97,164.00	2,72,751.00	6,69,915.00	3.	ब्याज सरकारी खाते में	8,285.00	0.00	8,285.00
	(ii) कर्मचारी समायोजन	3,77,134.00	3,18,849.00	6,95,983.00	4.	बैंक बकाया			
						(i) बचत खाता	6,39,486.00	9,55,780.00	15,95,266.00
	(iii) सरकारी सहभागिता	3,74,149.00	3,18,385.00	6,92,534.00					
	(iv) ब्याज एन.पी.एस	33,521.00	31,364.00	64,885.00					
	(v) बचत खाते से प्राप्त ब्याज	17,998.00	14,431.00	32,429.00					
	कुल योग	11,99,966.00	9,55,780.00	21,55,746.00		कुल योग	11,99,966.00	9,55,780.00	21,55,746.00

ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०
उप कुलसचिव (वित्त)

ह०
कुलसचिव

क्रमशः....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31-3-2007 का समेकित एन.पी.एस. का तुलन पत्र

देनदारियां				अस्तियां		
क्र.सं. लेखा शीर्ष	चालू वर्ष			क्र.सं. लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	
	रुपये	रुपये			रुपये	रुपये
1 रोकड फंड				1. सावधि योजना		
(i) पूर्व बकाया	6,69,915.00			(i) पूर्व बकाया	0.00	
(ii) वर्ष में जमा	19,55,831.00			(ii) वर्ष में जमा	5,00,000.00	5,00,000.00
(iii) वर्ष में समायोजन	5,60,480.00	20,95,266.00		2. बचत खाता		
				(i) पूर्व बकाया	6,69,915.00	
				(ii) वर्ष में जमा	14,85,831.00	
				(iii) वर्ष में समायोजन	5,60,480.00	1595266.00
कुल योग		20,95,266.00		कुल योग		20,95,266.00

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (लेखा)	उप कुलसचिव (वित्त)	कुलसचिव

क्रमशः ....

राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान

(मानित विश्वविद्यालय)

56-57, इंस्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31-3-2007 के समेकित तुलन पत्र में अचल अस्तियों के समायोजन का ब्यौरा

क्र.सं.	परिसर का नाम	भवन	मशीनरी	फर्नीचर	पुस्तका. पुस्तकें	प्रका.	सं. पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	प्र.शाला उपकरण	सी.पी.डब्ल्यू.डी.
1	पुरी	0.00	0.00	0.00	0.00	1828.00	0.00	0.00	7936190.00
2	जम्मू	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
3	इलाहाबाद	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
4	गुरुवयूर	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
5	जयपुर	0.00	0.00	0.00	1007.00	83.00	0.00	0.00	0.00
6	लखनउ	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
7	श्रींगेरी	0.00	34500.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
8	गरली	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
9	भोपाल	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
10	मुम्बई	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
11	मुख्यालय	0.00	0.00	0.00	0.00	1793128.00	544438.00	0.00	0.00
	कुल योग	0.00	34,500.00	0.00	1,007.00	17,95,039.00	5,44,438.00	0.00	79,36,190.00

ह०

अनुभाग अधिकारी (लेखा)

ह०

उप कुलसचिव (वित्त)

ह०

कुलसचिव

PRINTED BY : AMAR PRINTING APRES